जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

जयपुर, बुधवार 17 सितम्बर, 2025

राजस्थान सरकार

सेवा ही संकल्प
हर शहर - हर गांव

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

माननीय प्रधानमंत्री
श्री नरेन्द्र मोदी जी
के जन्मदिवस से

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

सेवा पखवाड़ा

17 सितम्बर : ग्रामीण एवं शहरी सेवा शिविरों का शुभारम्भ

सेवा पखवाड़ा के दौरान आयोजित होने वाले कार्यक्रम

दिनांक	कार्यक्रम	दिनांक	कार्यक्रम
17 सितम्बर	रक्तदान शिविर	25 सितम्बर	सद्भावना केन्द्र हेतु सामग्री संग्रहण एवं वितरण
18 सितम्बर	स्वनिधि योजना के तहत स्वीकृति / ऋण वितरण	26 सितम्बर	निर्माण श्रमिकों को विभिन्न योजनाओं के तहत राशि हस्तान्तरण
19 सितम्बर	विश्वकर्मा युवा उद्यमी प्रोत्साहन योजना की शुरूआत	27 सितम्बर	पंच गौरव के तहत चिन्हित पर्यटन स्थलों की साफ-सफाई एवं रखरखाव
20 सितम्बर	निक्षय पोषण किट वितरण	28 सितम्बर	रोडवेज एवं ग्रामीण परिवहन सेवा की नई बसों की रवानगी
21 सितम्बर	स्वास्थ्य शिविर	29 सितम्बर	पशुपालकों को दूध के पेटे सब्सिडी राशि का भुगतान
22 सितम्बर	वृक्षारोपण / एक पेड़ मां के नाम	30 सितम्बर	दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गांव के तहत स्वीकृति / राशि हस्तान्तरण
23 सितम्बर	स्कूली बच्चों को यूनिफॉर्म के पेटे राशि हस्तान्तरण	1 अक्टूबर	दिव्यांगजनों को स्कूटी एवं उपकरण वितरण
24 सितम्बर	150 यूनिट फ्री बिजली हेतु पोर्टल की शुरूआत	2 अक्टूबर	स्वच्छता अभियान

राजस्थान संवाद

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

विचार बिन्दु

जैसे सूर्योदय के होते ही अंधकार दूर हो जाता है वैसे ही मन की प्रसन्नता से सारी बाधाएँ शांत हो जाती हैं। –अमृतलाल नागर

जलवायु परिवर्तन से बदलता मानसून का पैटर्न: नई चुनौती

इस साल के मानसून के विदा होने का समय आ गया है। भारत में दक्षिण-पश्चिम मानसून जून से सितंबर तक सक्रिय रहता है। सामान्य स्थिति में यह चार महीने लगभग समान रूप से वर्षा प्रदान करता है, परंतु अब इसमें विविध प्रकार के बदलाव देखने को मिल रहे हैं। राजस्थान, जिसका बड़ा भाग शुष्क है, वहां इस साल हमने भारी बारिश के दौर देखे हैं। दूसरी तरफ देश के उन प्रदेशों में जहां मानसून हमेशा खूब मेहरबान रहता है कम बरसात दर्ज हुई है। इसके अलावा पिछले वर्षों से हम देख रहे हैं कि औसत वर्षा लगभग समान रहने के बावजूद इसका वितरण असमान हो गया है। कुछ सप्ताहों में अत्यधिक वर्षा होती है, जबकि अन्य समय पूर्ण शुष्क रहता है। मानसून के आगमन और वापसी का समय भी अब निश्चित नहीं रहा। कभी यह देर से आता है, कभी जल्दी लौट जाता है। उत्तर भारत के अनेक पहाड़ी हिस्सों में अत्यधिक वर्षा की घटनाएं बढ़ गई हैं। वहां छोटे अंतराल में रिकॉर्ड-तोड़ वर्षा (क्लाउडबर्स्ट, फ्लैश फ्लड्स) के हादसे बढ़ गये हैं। मौसम विज्ञानी भी मानते हैं कि वर्षा के पैटर्न बदल रहे हैं। यह बदलाव भारत में ही नहीं, दुनिया भर में देखे जा रहे हैं।

मानव सभ्यता के विकास में जलवायु ने सदैव एक निर्णायक भूमिका निभाई है। आज जब हम मानसून के बदलते पैटर्न, असमान वर्षा, सूखा और बाढ़ जैसी स्थितियों का सामना कर रहे हैं तो अक्सर इसका कारण मानवजनित जलवायु परिवर्तन माना जाता है। किंतु यदि हम पृथ्वी के दीर्घ इतिहास और प्राकृतिक चक्रों का अध्ययन करें तो यह स्पष्ट होता है कि जलवायु परिवर्तन केवल मानव गतिविधियों का परिणाम नहीं है, बल्कि यह एक प्राकृतिक प्रक्रिया भी है। भूगर्भीय साक्ष्यों के अनुसार, पृथ्वी ने बार-बार जलवायु में बड़े परिवर्तन देखे हैं। हिमयुग और मध्यकालीन ऊष्मा काल जैसे उदाहरण यह सिद्ध करते हैं कि कभी अत्यधिक ठंड और कभी असामान्य गर्मी स्वाभाविक रूप से आती रही है। उस समय न तो उद्योग थे और न ही कार्बन उत्सर्जन की अधिकता, फिर भी जलवायु में व्यापक बदलाव हुए। वैज्ञानिक बताते हैं कि सूर्य की किरणों की तीव्रता और सौर धब्बों का चक्र भी जलवायु पर गहरा प्रभाव डालता है। वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि जब सूर्य की गतिविधि बढ़ती है तो पृथ्वी पर तापमान अधिक होता है और जब यह घटती है तो ठंडक बढ़ जाती है। इसलिये मानसून के उतार-चढ़ाव को भी सूर्य के चक्रों से जोड़ा गया है। यह भी सबको विदित है कि प्रशांत महासागर में होने वाली एल-नीनो और ला-नीना जैसी घटनाएं मानसून को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करती हैं। एल नीनो के वर्षों में मानसून कमजोर पड़ता है, जबकि ला-नीना से अधिक वर्षा होती है। इनका प्रभाव पूरी तरह प्राकृतिक है और हजारों वर्षों से चलता आ रहा है। ज्वालामुखी विस्फोटों से वातावरण में धूलकण और गैसें फैलती हैं, जिससे वर्षों तक तापमान और वर्षा चक्र प्रभावित रहते हैं। हिमालय जैसे पर्वतों की ऊँचाई और टेक्टोनिक गतिविधियाँ भी मानसून की दिशा और ताकत को बदल सकती हैं। यह सब प्राकृतिक कारक हैं। भारतीय कृषक परंपरा और पंचांग शास्त्र मानसून की भविष्यवाणी खगोलीय घटनाओं और प्राकृतिक संकेतों से करता आया है। यह दर्शाता है कि जलवायु परिवर्तन और मानसून के पैटर्न में बदलाव नई बात नहीं है, बल्कि प्राचीन काल से समाज इसका अनुभव करता रहा है। लेकिन हमें यह भी नहीं भूल जाना चाहिए कि वर्तमान में औद्योगिकीकरण और प्रदूषण ने पर्यावरणीय संकट को और गहरा बना दिया है और यह कहना गलत नहीं होगा कि मानवजनित कारणों ने जलवायु परिवर्तन को गति दी है। जलवायु परिवर्तन की तेज गति का मुख्य कारण मानवजनित ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन के कारण ग्लोबल वार्मिंग भी शामिल है।

वर्तमान में जो बड़ी समस्या खड़ी हुई है वह है यह है कि वर्षा सब जगह समय पर समान रूप सेहोने के बजाय, कम समय में, अधिक तीव्र रूप से हो रही है। इससे आंकड़ों में किसी क्षेत्र का सालाना औसत तो हो जाता है किन्तु वह कृषि के काम का नहीं होता। इससे कुछ क्षेत्रों में बाढ़ और अन्य क्षेत्रों में सूखा पड़ने के हालात भी बनते हैं। दक्षिण एशिया में मानसून का देर से आना या जल्दी लौट जाना इस परिवर्तन का परिणाम है। बादल फटने, चक्रवात और बेमौसम बारिश की अधिकता भी सामने आ रही है। भारी वर्षा के कारण शहरी क्षेत्रों में बाढ़ जैसे हालात बन जाते हैं। ऐसा राजस्थान के अनेक हिस्सों में इस मानसून में स्पष्ट देखा गया। मौसमी वर्षा में बदलाव के आंकड़े बताते हैं कि कम दिनों में अधिक वर्षा से पानी बह जाता है और भूजल पुनर्भरण कम हो जाता है। हमारी सबसे बड़ी समस्या मौसमी बदलाव के कारण बुवाई और कटाई के चक्र में आ रहे परिवर्तन की हैं जिसका कृषि पर भारी प्रभाव पड़ रहा है। क्योंकि भारत में कृषि अब भी देश की 47 प्रतिशत आबादी के बोझ को उठाये हुए है इसलिए बहुसंख्या में लोगों के जीवन पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। सारे अध्ययन बताते हैं कि वर्षा के बदलते स्वरूप का कृषि, जल संसाधनों और अर्थव्यवस्था पर महत्वपूर्ण और अक्सर हानिकारक प्रभाव पड़ रहा है, खासकर भारत जैसे देशों में जो मानसून पर बहुत अधिक निर्भर हैं। भारतीय कृषि का 60 प्रतिशत भाग वर्षा पर निर्भर है जो सिंचित नहीं है। फसलें मौसमी होती हैं और समय पर होने वाली वर्षा पर निर्भर करती हैं। मानसून के देर से या जल्दी आना तथा एक मौसम में सूखा और अगले मौसम में बाढ़ जैसी स्थितियों का किसानों को सामना करना पड़ता है। भारी वर्षा से खड़ी फसलों को नुकसान होने से उपज में कमी होती है। राजस्थान और पंजाब के किसानों को इस साल इस प्राकृतिक आपदा का सबसे अधिक सामना करना पड़ा है। भारी वर्षा के कारण मृदा का क्षरण होता है तथा अनियमित मौसम में कीटों का प्रकोप बढ़ जाता है। जैसे 2023 में, मध्य प्रदेश के किसानों को अत्यधिक वर्षा के कारण सोयाबीन का नुकसान हुआ वहीं पंजाब और हरियाणा में बेमौसम प्री-मानसून वर्षा के कारण गेहूँ का नुकसान हुआ। वर्षा के तीव्र लेकिन अल्पकालिक होने से भूजल पुनर्भरण में कमी आती है। वर्षा का पानी बह कर चले जाने से अवशोषण में कमी आती है। सूखे की स्थिति पेयजल और सिंचाई को प्रभावित करती है। शुष्क मौसम में जल की कमी और परिणामस्वरूप भूगर्भ जन का अतिरिक्त दोहन के कारण नई समस्याएं पैदा हो रही हैं। खराब जल निकासी और तीव्र वर्षा के कारण शहरी बाढ़ की घटनाएं बढ़ रही हैं। चेन्नई को 2021 में बाढ़ और 2019 में जल संकट का सामना करना पड़ा – दोनों ही अनियमित वर्षा के कारण हुए।

> **मानसून के व्यवहार में बदलाव का अर्थव्यवस्था पर भी प्रभाव पड़ता है। क्योंकि कृषि भारत की 47 प्रतिशत आबादी को रोजगार देती है इसलिये वर्षा के बदले हालात सीधे किसानों की आय को प्रभावित करते हैं। फसलों के खराब होने से खाद्यपदार्थों की कीमतें बढ़ती हैं। किसानों को फसलों के नुकसान के लिए मुआवजे की व्यवस्था करने से राजकोष पर दबाव बढ़ जाता है तथा जीडीपी में उतार-चढ़ाव आता है।**

मानसून के व्यवहार में बदलाव का अर्थव्यवस्था पर भी प्रभाव पड़ता है। क्योंकि कृषि भारत की 47 प्रतिशत आबादी को रोजगार देती है इसलिये वर्षा के बदले हालात सीधे किसानों की आय को प्रभावित करते हैं। फसलों के खराब होने से खाद्यपदार्थों की कीमतें बढ़ती हैं। किसानों को फसलों के नुकसान के लिए मुआवजे की व्यवस्था करने से राजकोष पर दबाव बढ़ जाता है तथा जीडीपी में उतार-चढ़ाव आता है। खराब मानसून ग्रामीण इलाकों में मांग और विकास की गति को कम करता है। ग्रामीण भारत में रोज़गार में गिरावट, शहरों की ओर पलायन होता है। कृषि और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्र होते हैं। चावल और कपास जैसी जिंसों के निर्यात बाज़ार पर असर पड़ता है। खराब मानसून के कारण जीडीपी वृद्धि में गिरावट, खाद्य मुद्रास्फीति और ग्रामीण संकट में वृद्धि होती हम पिछले समय में देख चुके हैं।

मौसम वैज्ञानिक कहते हैं कि तापमान और आर्द्रता में परिवर्तन आ रहे हैं। समुद्र सतह और स्थल दोनों के तापमान में वृद्धि ने मानसूनी धाराओं को अधिक अस्थिर बना दिया है। इन परिवर्तनों के पीछे के कारण जानने के लिए विश्व भर में वैज्ञानिक अध्ययन कर रहे हैं। वे कहते हैं कि समुद्रों के गर्म होने से हवा में नमी बढ़ जाती है, जिससे भारी बारिश होती है। वैश्विक ताप वृद्धि दर्ज हो रही है। पृथ्वी के तापमान में वृद्धि से समुद्र सतह अधिक गर्म हो रहा है, जिससे मानसूनी हवाओं का दबाव-तंत्र असंतुलित हो जाता है। जलवायु मॉडल संकेत करते हैं कि मानवजनित ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन के कारण भी मानसून की तीव्रता और वितरण प्रभावित हो रहे हैं। एरोसोल और प्रदूषण भी इसके जिम्मेदार बताए जाते हैं। औद्योगिक इकाइयों और वाहनों से उत्सर्जित कण वातावरण में जाकर बादलों के निर्माण और वर्षा प्रक्रिया को बदल देते हैं। वनों की कटाई और भूमि उपयोग में बदलाव – बड़े पैमाने पर वनों का नष्ट होना और शहरीकरण ने प्राकृतिक जल चक्र को बाधित किया है। आवश्यकता इस बात की है कि जलवायु परिवर्तन को केवल समस्या के रूप में देखने के बजाय इसके चक्र को समझना चाहिए और मानव को उसके अनुरूप अपने को ढालने के उपाय करने चाहिए। इन उपायों में उन मानवजनित कारकों को दूर करना शामिल हैं जो इन परिवर्तनों की गति को बढ़ाते हैं। वैज्ञानिक समझ बताती है कि स्थानीय कारक, जैसे पहाड़ों की व्यावसायिक कटाई, वनों का सफाया और नदियों का अवरुद्ध होना आदि भी वर्षा के पैटर्न में हस्तक्षेप करते हैं पर अंकुश लगाना जरूरी है। अंधाधुंध अनियोजित शहरीकरण भी आग में घी का काम कर रहा है। जैव विविधता पर भी असर पड़ रहा है। इसलिए मानवीय हस्तक्षेप को अनुशासित करने पर नीति निर्माताओं को ध्यान देना होगा।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी : राष्ट्र निर्माण के पथ प्रदर्शक

75वें जन्मदिवस पर राष्ट्रनायक को नमन

भारत के वर्तमान प्रधानमंत्री नरेन्द्र दामोदरदास मोदी का जीवन संघर्ष, आत्मविश्वास, दूरदृष्टि और राष्ट्रसेवा का अद्भुत उदाहरण है। 17 सितम्बर 1950 को गुजरात के वडनगर के एक साधारण परिवार में जन्मे नरेन्द्र मोदी ने अपने जीवन की शुरुआत संघर्षों से की थी। साधारण पृष्ठभूमि से उठकर विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक व्यवस्था के शीर्ष पद तक पहुँचना उनकी असाधारण प्रतिभा और मेहनत का परिणाम है। 17 सितम्बर 2025 को भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र दामोदरदास मोदी 75 वर्ष के हो रहे हैं। यह केवल किसी नेता का जन्मदिन नहीं है, बल्कि आधुनिक भारत की उस यात्रा का प्रतीक है जिसमें साधारण पृष्ठभूमि से उठकर एक व्यक्ति राष्ट्र के परिवर्तन का सूत्रधार बनता है। नरेन्द्र मोदी का जीवन संघर्ष, कर्मठता, राष्ट्रभावना और दूरदृष्टि का अद्भुत संगम है। यह अवसर केवल एक व्यक्ति के जन्मदिवस का नहीं बल्कि भारत के आत्मविश्वास, विकास और परिवर्तन की गाथा का भी उत्सव है।

संघर्षों से शिखर तक :- नरेन्द्र मोदी का बचपन कठिनाइयों और अभावों में बीता। उनके पिता रेलवे स्टेशन पर चाय बेचते थे, और नरेन्द्र मोदी स्वयं भी किशोरावस्था में इस कार्य में सहयोग करते थे। लेकिन यह कठिनाइयाँ उनके मनोबल को तोड़ने के बजाय निखारने का कारण बनीं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़कर उन्होंने अनुशासन, संगठन और सेवा की संस्कृति सीखी। यह प्रशिक्षण उनके राजनीतिक जीवन में भी दिखता है चाहे संगठन को मजबूत करने की बात हो या जनता से सीधा संवाद बनाने की। बचपन में अभावग्रस्त परिस्थितियों में रहते हुए भी नरेन्द्र मोदी ने स्वयं को शिक्षा और अनुशासन से तराशा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक के रूप में उन्होंने संगठनात्मक क्षमता विकसित की। इसके बाद उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के संगठन में कार्य कर अपनी एक अलग ही पहचान बनाई।

गुजरात मॉडल : एक राज्य से राष्ट्र तक :-भाजपा संगठन में कार्य करते हुए नरेन्द्र मोदी 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री बने। 13 वर्षों तक उन्होंने गुजरात को विकास की नई ऊँचाइयों पर पहुँचाया। गुजरात के मुख्यमंत्री (2001-2014) की इस अवधि में उन्होंने गुजरात को औद्योगिक, कृषि और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाया। औद्योगिक निवेश के लिए 'वाइब्रेंट गुजरात' सम्मेलनों की शुरुआत की। आधारभूत ढाँचे और बिजली क्षेत्र में गुजरात को देश में अग्रणी बनाया। नर्मदा जल को कच्छ जैसे सूखे इलाकों तक पहुँचाकर कृषि में नई क्रांति लाए। गुजरात का उनका यह विकास मॉडल उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर लोकप्रिय और विश्वसनीय बनाता गया।

2014 : एक नए युग की शुरुआत :-2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को पूर्ण बहुमत मिला और नरेन्द्र मोदी देश के प्रधानमंत्री बने। 2014 में प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के बाद उन्होंने 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' का मंत्र दिया, जिसने शासन को केवल घोषणाओं से निकालकर परिणामों तक पहुँचाने की दिशा दी। 2019 में उन्होंने और भी बड़े बहुमत से चुनाव जीतकर यह साबित किया कि जनता उनके नेतृत्व और कामकाज पर भरोसा करती है। 2024 के चुनावों में वे लगातार तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री बने और स्वतन्त्र भारत में लगातार निर्वाचित प्रधानमन्त्री बनने का एक नया कीर्तिमान स्थापित किया। उन्होंने आर्थिक क्षेत्र में मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, डिजिटल इंडिया, जीएसटी, मुद्रा योजना जैसे कार्यक्रमों की शुरुआत कराई और सामाजिक क्षेत्र में स्वच्छ भारत मिशन, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, जनधन खाते जैसी योजनाओं को लागू कराया। राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए मोदी जी भारतीय सेनाओं का मनोबल बढ़ा कर सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक तथा ऑपरेशन सिन्दूर से आतंकवाद के प्रति सख़्त नीति को अपना पूरे विश्व में एक सन्देश दिया।

उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की साख को नए आयाम दिए तथा जी-20 की सफल अध्यक्षता, जलवायु परिवर्तन और वैश्विक दक्षिण की आवाज़ के रूप में भारत की भूमिका को विश्व मंच पर उभारा।

प्रधानमंत्री के रूप में नरेन्द्र मोदी की प्रमुख पहलें

1. आर्थिक क्षेत्र

मेक इन इंडिया : घरेलू निर्माण और रोजगार को बढ़ावा।

स्टार्टअप इंडिया : युवाओं को नवाचार और उद्यमिता के अवसर।

डिजिटल इंडिया : डिजिटल भुगतान, आधार आधारित सेवाएँ और ग्रामीण इलाकों तक इंटरनेट पहुँच।

जीएसटी : पूरे देश में एक समान कर प्रणाली लागू कर व्यापार को सरल बनाना।

2. सामाजिक क्षेत्र

स्वच्छ भारत मिशन : खुले में शौच से मुक्ति और स्वच्छता को जनआंदोलन बनाना।

उज्ज्वला योजना : गरीब महिलाओं को मुफ्त रसोई गैस कनेक्शन।

जनधन योजना : करोड़ों लोगों के बैंक खाते खोलकर वित्तीय समावेशन।

आयुष्मान भारत : गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए स्वास्थ्य बीमा।

3. आधारभूत ढाँचा और आधुनिक भारत

हाईवे, रेल, मेट्रो, बंदरगाह और हवाईअड्डों का तेजी से विस्तार।

नवीकरणीय ऊर्जा और हरित हाइड्रोजन पर जोर।

गगनयान मिशन और चंद्रयान जैसे अंतरिक्ष अभियानों से भारत को अंतरिक्ष महाशक्ति की ओर ले जाना।

4. राष्ट्रीय सुरक्षा

सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिन्दूर के माध्यम से आतंकवाद के खिलाफ सख्त रुख।

सीमा ढाँचे को मजबूत करना और आत्मनिर्भर रक्षा उत्पादन।

5. अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की साख

संयुक्त राष्ट्र, जी-20, ब्रिक्स जैसे मंचों पर भारत की मजबूत उपस्थिति।

वैश्विक दक्षिण की आवाज़ बनने और जलवायु परिवर्तन, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे मुद्दों पर भारत का नेतृत्व।

प्रवासी भारतीयों के साथ अभूतपूर्व संवाद और भारतीय संस्कृति को सम्मान दिलाना।

'विकसित भारत-2047 का खाका' : नरेन्द्र मोदी का 75वाँ जन्मदिन ऐसे समय में आ रहा है जब देश 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है। उनके नेतृत्व में देश बुनियादी ढाँचे, रक्षा, अंतरिक्ष, डिजिटल तकनीक और महिला सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों में नई ऊँचाइयाँ छू रहा है। वे 2047 तक "विकसित भारत" के लक्ष्य के लिए काम कर रहे हैं। इसके तहत हर नागरिक के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और स्वास्थ्य, 'आत्मनिर्भर भारत' से स्थानीय उत्पादन और रोजगार को बढ़ावा, हर गाँव तक 24 घंटे बिजली, इंटरनेट और आधुनिक सुविधाएँ, महिलाओं की भागीदारी को राजनीति, शिक्षा, रक्षा और विज्ञान सभी क्षेत्रों में बढ़ाना। मोदी जी की यह दृष्टि केवल सरकारी योजनाओं तक सीमित नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग को भागीदार बनाने पर आधारित है। उनकी कार्यशैली ने राजनीति में विकास और परिणाम आधारित संस्कृति को गहराई दी है।

प्रेरणा का स्त्रोत : नरेन्द्र मोदी का जीवन संदेश देता है कि कोई भी व्यक्ति यदि ईमानदारी, परिश्रम और राष्ट्रभावना से काम करे तो वह असंभव को संभव बना सकता है। वे आज केवल राजनेता नहीं बल्कि एक विचार, एक दृष्टि और नए भारत के प्रतीक बन चुके हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 75वें जन्मदिवस पर राष्ट्र उन्हें केवल शुभकामनाएँ ही नहीं देता बल्कि उनके नेतृत्व में विकसित भारत के सपने को साकार करने का संकल्प भी दोहराता है। उनका जीवन भारत के हर युवा को यह प्रेरणा देता है कि साधारण पृष्ठभूमि से भी असाधारण ऊँचाइयाँ हासिल की जा सकती हैं। नरेन्द्र मोदी का 75वाँ जन्मदिवस केवल जन्मोत्सव नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की सतत प्रक्रिया का प्रेरणादायी पड़ाव है। प्रधानमंत्री मोदी का 75वाँ जन्मदिन केवल उनका व्यक्तिगत उत्सव नहीं, बल्कि देश के सामूहिक आत्मविश्वास और ऊर्जा का उत्सव है। उनके नेतृत्व में भारत ने कोविड-19 जैसे संकटों से निपटा, वैक्सीन निर्माण और वितरण में विश्व का नेतृत्व किया और बड़े पैमाने पर डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में अग्रणी बनकर दिखाया।

नरेन्द्र मोदी की दिनचर्या, कार्यशैली और संवाद कौशल उन्हें विश्व के किसी भी नेता से अलग बनाते हैं। वह सोशल मीडिया और तकनीक का प्रयोग करके लोगों से सीधे जुड़ते हैं और छोटे-से-छोटे कार्यकर्ताओं को भी महत्व देते हैं।

यह जन्मदिन हमें याद दिलाता है कि राष्ट्रनिर्माण की प्रक्रिया सतत चलने वाली है और प्रत्येक नागरिक को इसमें योगदान देना होगा। नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस पर राष्ट्र उन्हें शुभकामनाएँ देते हुए यह संकल्प दोहराता है कि उनके नेतृत्व में विकसित भारत का सपना साकार होगा। उनका जीवन संघर्ष, संकल्प और सफलता का जीवंत उदाहरण है। वह केवल प्रधानमंत्री नहीं, बल्कि एक विचारधारा, एक दृष्टि और करोड़ों भारतीयों के आत्मविश्वास के प्रतीक है। उनका जन्मदिवस इस बात का प्रमाण है कि भारत का भविष्य उज्ज्वल है और वह दुनिया के मंच पर नई ऊँचाइयाँ छूने को तैयार है। इस प्रकार नरेन्द्र मोदी का 75वाँ जन्मदिवस एक व्यक्ति के सम्मान का नहीं, बल्कि राष्ट्र की नई चेतना, नई दिशा और नए संकल्प का उत्सव है।

वासुदेव देवनानी
अध्यक्ष, राजस्थान विधानसभा।

शहरी सेवा शिविर-2025 : एक मंच पर आमजन की समस्याओं का समाधान होगा

धर्मिता चौधरी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान प्रगति के पथ पर निरन्तर बढ़ रहा है। आपणो अग्रणी राजस्थान की संकल्पना साकार हो रही है। राजस्थान सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाएं, अभियान आमजन के चेहरे पर मुस्कुराहट ला रहे हैं। अब 'शहरी सेवा शिविर - 2025' के तहत आमजन की समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण होगा तो यह मुस्कुराहट ओर भी बढ़ जाएगी। 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक चलाए जाने वाले शहरी सेवा शिविर के तहत आमजन को सुगम ओर त्वरित राहत देने के लिये वार्डवार शिविर लगाकर राहत प्रदान की जाएगी।

ये शिविर शहरी निकायों से जुड़ी आमजन की समस्याओं का एक ही छत के नीचे समाधान करने एवं शहर को सुव्यवस्थित, स्वच्छ, सुंदर बनाने में अग्रणी भूमिका निभाएंगे। जहाँ समस्या निस्तारण से आमजन के चेहरे पर मुस्कुराहट होगी, वहीं शहर भी स्वच्छता अभियान से स्वच्छ-सुंदर होकर निखरते-बदलते स्वरूप में होंगे। इन शिविरों की सबसे बड़ी बात यह है कि यह दो चरणों में आयोजित हो रहे हैं। तैयारी शिविर के तहत आमजन की समस्याओं की चिन्हीकरण किया गया।

4 सितम्बर से 13 सितम्बर तक वार्डवार प्री-कैम्प लगाये गए। आमजन की समस्याओं को सुना गया, समझा गया, चिह्नीकरण किया गया। जिन समस्याओं का मौके पर ही समाधान हो सकता है, उनका मौके पर ही समाधान किया गया। जब जन्म प्रमाण पत्र, विवाह प्रमाण पत्र आवेदन करने के मात्र 10-15 मिनट में बन जाए और वर्तमान में सबसे कीमती चीज 'समय' की बचत हो, जिस काम के लिए शिविर में आए और वो काम शीघ्र पूर्ण हो जाए तो जनमानस के चेहरे पर चमक आ जाती है और वह सरकार को धन्यवाद देता है। इन शिविरों का समय भी प्रात: 9:30 बजे से 6 बजे किया गया ताकि अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठा सके।

> **17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक चलाए जायेंगे शहरी सेवा शिविर**

नगर निगम ग्रेटर के जोन कार्यालयों पर लगे वार्डवार प्री-कैम्पों में भागचंद, बाबूलाल, डॉली, रमेश जैसे लाभार्थियों की एक लंबी है, जिनका कार्य इन शिविरों में हुआ और जिन्होंने भजनलाल सरकार को धन्यवाद दिया। इससे यह स्पष्ट होता है कि शहरी सेवा शिविर जनता तक राहत पहुँचाने का सशक्त माध्यम बन चुका है।

अभियान के तहत सफाई व्यवस्था सुधारना, टूटे फेरोकवर व क्रॉस सही करवाना, ब्लैक स्पॉट खत्म करना, स्ट्रीट लाइट लगवाना, सड़कों की मरम्मत, सीवरेज कनेक्शन व मरम्मत, निराश्रित पशुओं को पकड़ना, पार्क, सामुदायिक केंद्रों का रखरखाव, कार्यालय में पेन्डिंग पत्रावलियों का निस्तारण, विभिन्न प्रकार के पट्टे (स्टेट ग्राण्ट, कच्ची बस्ती 69ए, कृषि भूमि) भू-उपयोग परिवर्तन, खांचा भूमि, लीज़ मुक्ति प्रमाण पत्र, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, जनहित योजनाओं के आवेदन लेना, जन्म-मृत्यु एवं विवाह प्रमाण पत्र जारी करना, मुख्यमंत्री स्व-निधि योजना, पीएम स्ट्रीट वेण्डर्स आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना, स्वनिधि से समृद्धि, प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0, प्रधानमंत्री स्व-निधि योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवेदन, एसबीएम 2.0 के अन्तर्गत घरेलू शौचालय निर्माण हेतु आवेदन, फायर एनओसी, ट्रेड लाइसेंस जैसे कार्य किये जाएंगे।

आमजन को सेवाएं प्रदत्त करने वाले विभाग जैसे सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी, ऊर्जा , सार्वजनिक निर्माण, राजस्व, महिला एवं बाल विकास, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, आयोजना जैसे विभागों द्वारा भी आमजन को सेवाऐं प्रदत्त की जाएगी एवं जनसमस्याओं का मौके पर ही निस्तारण किया जायेगा। इसके साथ ही राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं की जानकारी शिविर में दी जाएगी। मौके पर ही मुख्यमंत्री स्वनिधि योजना के तहत भी आवेदन किया जा सकता है। शहरी सेवा शिविर निश्चित रूप से शहरी नागरिकों की कठिनाईयों का निवारण कर जन समस्याओं का समाधान करेंगे, साथ ही शहर भी स्वच्छ और सुंदर होंगे और एक बार फिर आमजन भजनलाल सरकार को चेहरे पर खिली मुस्कुराहट के साथ धन्यवाद देगा।

धर्मिता चौधरी, पीआरओ,
ग्रेटर नगर निगम, जयपुर

जोजरी नदी को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने संज्ञान लिया

जोधपुर, (कासं)। सुप्रीम कोर्ट ने जोधपुर की जोजरी नदी में फैक्ट्रियों के केमिकल युक्त जहरीले पानी से पनपे भयावह हालात पर स्वत: संज्ञान लिया है। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने मंगलवार को इस मामले पर सुनवाई करते हुए चिंता जताई। कोर्ट ने कहा कि नदी में फैक्ट्रियों से निकलने वाला प्रदूषित पानी और कचरा डाला जा रहा है। इससे अनगिनत गांव प्रभावित हैं। इन गांवों में पीने योग्य पानी भी नहीं बचा है। बेंच ने स्वप्रेरित संज्ञान केस दर्ज कराने का आदेश दिया है। इस मामले को लेकर चीफ जस्टिस के सामने उपयुक्त आदेश पेश किया जाए। इसके बाद चीफ जस्टिस तय करेंगे कि कौन सुनवाई करेगा। जोजरी प्रदेश की मौसमी नदी कहलाती है। पिछले कई सालों से जोधपुर, बालोतरा, जालोर, पाली जिलों की फैक्ट्रियों, खासकर टैक्सटाइल और स्टील रीरोलिंग यूनिट्स से प्रदूषित पानी को जोजरी नदी में छोड़ा जा रहा है। नदी के किनारे बसे 50 से ज्यादा गांव और बस्तियां इससे प्रभावित हैं। लूणी और जोजरी नदी के किनारे बसे गांवों में बारिश के बाद हालात और ज्यादा भयावह हो चुके हैं। हर तरफ काले पानी के तालाब दिखाई दे रहे हैं। पशु-पक्षी तालाब का प्रदूषित पानी पीकर अपनी जान गवां रहे हैं। इससे इन इलाकों में जीव-जंतुओं की संख्या भी लगातार कम हो रही है।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 17 सितम्बर, 2025

आश्विन मास, कृष्ण पक्ष, एकादशी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2082, पुनर्वसु नक्षत्र प्रात: 6:26 तक, परिघ योग रात्रि 10:25 तक, बव करण दिन 12:01 तक, चन्द्रमा आज कर्क राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-कर्क, मंगल-तुला, बुध-कन्या, गुरू-मिथुन, शुक्र-सिंह, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज कुमार योग प्रात: 6:26 तक है। राज रात्रि 11:40 से सूर्योदय तक है। आज इन्दिरा एकादशी व्रत, एकादशी का श्राद्ध, विश्वकर्मा पूजा है। संक्रान्ति पुण्यकाल पूर्वान्ह में है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:14 तक, शुभ 10:50 से 12:21 तक, चर 3:24 से 4:55 तक, लाभ 4:55 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 6:18, सूर्यास्त 6:23

मेष
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

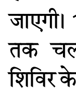

वृष
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

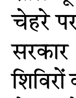

मिथुन
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे।

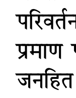

कर्क
व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। धार्मिक कार्यों पर धन खर्च हो सकता है।

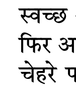

सिंह
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

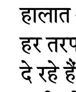

कन्या
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

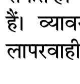

तुला
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

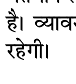

वृश्चिक
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियों से राहत मिलेगी। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेंगी।

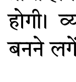

धनु
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा में दुर्घटना का भय है।

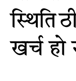

मकर
परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। आज आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

कुंभ
विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

मीन
व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 47 प्रभात जयपुर, बुधवार 17 सितम्बर, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBIT

A Tiny Typo May Explain a Centuries-Old Mystery

For more than a century, scholars had assumed that an excerpt from the poem read: "Some are elves and some are adders; some are sprites that dwell by waters."- The Song of Wade

"The Kiss"

A Bit Of India In Balochistan

इंगलैण्ड ने अपना पूरा पिटारा खोल दिया है, राष्ट्रपति ट्रंप को प्रभावित व अभिभूत करने के लिए

ट्रंप, ब्रिटेन के राजा किंग चार्ल्स के निमंत्रण पर इंगलैण्ड आये हैं

- उन्हें निमंत्रण पत्र देने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री वाइट हाउस के "ओवल ऑफिस" खुद गये व प्रैस के सामने चार्ल्स का पत्र उन्होंने ट्रंप को दिया।
- ट्रंप पहली रात, 900 साल पुराने विंडसर कासल में, चार्ल्स के अतिथि के बतौर बितायेंगे।
- वे विंडसर कासल के ग्राउण्ड्स पर उतरेंगे तथा रॉयल बग्घी में सवार होकर कासल के गेट तक जायेंगे।
- सलामी में तोपें दागी जायेंगी तथा बग्घी के आगे ब्रिटेन के हॉर्स गॉर्ड के घुड़सवार चलेंगे तथा पूरे रास्ते, रॉयल बैण्ड, स्कॉटलैण्ड की धुन बजाएगा, क्योंकि ट्रंप का मूल उदय स्कॉटलैण्ड से है।
- विंडसर पैलेस में ब्रिटिश राज्य की पुरानी व अद्भूत कलाकृतियाँ व अन्य खजाने उन्हें दिखाये जायेंगे, जो अधिकतर भारत से चुराकर ले जाये गये हैं।
- इंगलैण्ड में ट्रंप के प्रवास के दौरान, ब्रिटेन आशा कर रहा है कि ट्रंप अच्छे मूड में रहें और कुछ व्यापारिक व वित्तीय समझौते कर लें। ब्रिटेन, अमेरिका से विशेष रिश्तों की दुहाई लगातार देता है।
- पर, इस पूरे प्रयास के बावजूद कुछ बदमज़गी हो सकती है। क्योंकि, हाल ही में ब्रिटेन के राजदूत को बर्खास्त किया गया है, कुछ दुर्भाग्यपूर्ण परिस्थिति में।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 सितम्बर। ब्रिटेन अपनी पूरी ताक़त लगाकर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को खुश करने और लुभाने की कोशिश कर रहा है, जो किंग चार्ल्स के निमंत्रण पर राज्य अतिथि के रूप में ब्रिटेन पहुँचे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति को 900 साल पुराने शाही निवास विंडसर कासल में ठहराया जा रहा है।

शुरुआत से ही ब्रिटिश सरकार ने अमेरिकी राष्ट्रपति को प्रभावित करने के लिए पूरी कोशिश कर रही थी। निमंत्रण पत्र प्रधानमंत्री सर कीर स्टारमर ने वाइट हाउस में पत्रकारों की मौजूदगी में ट्रंप को दिया और कहा कि यह ब्रिटेन के राजा का पत्र है।

राजा का निमंत्रण सौंपने से लेकर ट्रंप के स्वागत के लिए आयोजित होने वाले रिसैप्शन तक, ब्रिटेन ने ट्रंप को प्रभावित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है, ताकि व्यापार समझौतों के साथ-साथ दोनों देशों के बीच उस "विशेष रिश्ते" को और मज़बूत किया जा सके, जिस पर इंग्लैंड और अमेरिका हमेशा जोर देते रहे हैं।

द्वितीय विश्व युद्ध के समय प्रधानमंत्री विंस्टन चर्चिल ने इसी रिश्ते का इस्तेमाल करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति फ्रैंकलिन रूज़वेल्ट को सहयोगी देशों का हिस्सा बनने और युद्ध में उतरने के लिए राज़ी करने की कोशिश की थी। हालांकि रूज़वेल्ट बहुत उत्साही नहीं थे और चर्चिल की हर मांग पर सहमत भी नहीं होते थे।

अब, जबकि यूरोप की स्थिति गंभीर होती जा रही है और पश्चिमी यूरोप रूसी सैन्य दबाव महसूस कर रहा है, ब्रिटेन ट्रंप को और सक्रिय भूमिका निभाने के लिए राज़ी करने की कोशिश कर रहा है। इसके अलावा, ब्रिटेन अब वह आर्थिक ताक़त नहीं रहा, जो पहले था और अब अपनी अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने के लिए अमेरिका से गहरे रिश्ते बनाना चाहता है।

तथापि, असली बातचीत बाद में होगी, जब अमेरिकी राष्ट्रपति प्रधानमंत्री के कंट्री हाउस "द चैकर्स" में जाएँगे। वहाँ व्यापार प्रोटोकॉल और तकनीकी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

महेश जोशी जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने ईडी से जवाब मांगा

जयपुर, 16सितंबर। सुप्रीम कोर्ट ने जल जीवन मिशन से जुड़े करीब 900 करोड़ रुपए के घोटाले से जुड़े मामले में ईडी को नोटिस जारी कर चार सप्ताह में जवाब तलब किया है। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस एजी मसीह की खंडपीठ ने ये आदेश महेश जोशी की जमानत याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

- सर्वोच्च न्यायालय की खंडपीठ ने जमानत याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए चार सप्ताह में जवाब मांगा।

जमानत याचिका में अदालत को बताया गया कि प्रकरण में उसे फंसाया गया है। प्रकरण को लेकर एसीबी में दर्ज मूल केस में याचिकाकर्ता का नाम नहीं है। याचिकाकर्ता को एक साल पहले नोटिस दिया गया। इसके बाद बिना कोई परिस्थिति बदले उसे गत अप्रैल माह में गिरफ्तार कर लिया गया। याचिका के अनुसार मामले में आरोप पत्र पेश हो चुका है। इसके बावजूद भी हाईकोर्ट ने उसकी जमानत याचिका को खारिज कर दिया। ऐसे में उसे जमानत का लाभ दिया जाए। याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने ईडी सहित अन्य पक्षकारों को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

गौरतलब है कि हाईकोर्ट ने गत 26 अगस्त को महेश जोशी की जमानत

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'जो भी भारत से घृणा करते हैं, उन्हें राहुल गांधी में मित्र नज़र आता है'

भाजपा ने पाकिस्तानी क्रिकेटर शाहिद अफरीदी द्वारा राहुल गांधी की बढ़ाई पर बहुत तीखी टिप्पणी की

- पाकिस्तान की क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी क्रिकेट से रिटायर हो गए हैं, लेकिन, विवादास्पद टिप्पणियाँ करने से रिटायर नहीं हो पा रहे हैं।
- राहुल गांधी की प्रशंसा करते-करते वे नरेन्द्र मोदी को कोसने पर उतर आये और कहा, "क्या एक इज़रायल पर्याप्त नहीं था, जो आप दूसरा इज़रायल बनने की कोशिश कर रहे हैं।"

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 सितम्बर। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शाहिद अफरीदी द्वारा की गई राहुल गांधी की तारीफ़ ने सत्तारूढ़ भाजपा को बुरी तरह नाराज़ कर दिया और उसे विपक्ष के नेता पर हमला करने का एक नया मौका मिल गया।

पाकिस्तानी टीवी चैनल पर भारत-पाकिस्तान एशिया कप मैच, जिसमें रविवार को भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ मिलाने से इनकार कर दिया था और बड़ा विवाद खड़ा हो गया था, पर हुई एक चर्चा के दौरान अफरीदी ने कहा कि भाजपा की "बहुत खराब मानसिकता है," जबकि "राहुल गांधी की मानसिकता बहुत पॉजिटिव है।"

अफरीदी ने कहा, गांधी "बातचीत के ज़रिए सबको साथ लेकर चलना चाहते हैं। क्या एक इज़रायल काफ़ी नहीं कि आप दूसरा बनने की कोशिश कर रहे हैं?"

भाजपा, जिस पर पहले से ही भारत-पाकिस्तान को एशिया कप में खेलने की अनुमति देने को लेकर विपक्ष के हमले हो रहे हैं, ने तुरंत ही अफरीदी के वायरल होते बयान का जवाब दिया। भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने तुरंत राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि राहुल गांधी को "एक नया फैन मिल गया है, बदनाम पाकिस्तानी क्रिकेटर शाहिद अफरीदी!"

भंडारी ने एक्स पर पोस्ट किया, "जब भारत के दुश्मन तारीफ़ करें, तब समझ लो कांग्रेस भारत-विरोधी और पाकिस्तान-समर्थक पार्टी है।"

शाहिद अफरीदी भले ही क्रिकेट से संन्यास ले चुके हों, लेकिन विवादित बयान देने से उन्होंने कभी संन्यास नहीं लिया।

पाकिस्तान के समा टीवी पर हाल ही में अफरीदी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की तारीफ़ करते हुए उन्हें "पॉज़िटिव माइंडसैट" और बातचीत करने वाला नेता बताया, जबकि, इसी दौरान उन्होंने मोदी सरकार पर धर्म का राजनीतिक इस्तेमाल करने का आरोप लगाया।

भारत के विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी, लेकिन, भाजपा ने इस मौके को हाथ से जाने नहीं दिया। उसके राष्ट्रीय प्रवक्ता शहज़ाद पूनावाला ने कहा, "हर वो व्यक्ति जो भारत से नफ़रत करता है, उसे राहुल गांधी में एक साथी मिलता है," जबकि आईटी सैल प्रमुख अमित मालवीय ने अफरीदी को "कट्टर हिंदू-विरोधी" कहा।

हालांकि, अफरीदी के लिए यह सब नया नहीं है, सुर्खियाँ, हैशटैग, नाराज़गी और फिर वही सिलसिला।

ये वही अफरीदी हैं, जिन्होंने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पाकिस्तान के प्र.मंत्री राष्ट्रपति ट्रंप से मिलेंगे 25 सितंबर को

यह मुलाकात, संभवतया यू.एन. की जनरल एसेम्बली के सैशन के दौरान होगी, जिसमें सेनाध्यक्ष मुनीर भी शामिल होंगे

- मुलाकात में पाकिस्तान और अमेरिका अन्य विषयों के अलावा, भारत-पाक के राजनयिक व कुटनीतिक संबंधों पर भी चर्चा करेंगे।
- काफी समय से अमेरिका-पाकिस्तान संबंधों में कुछ ठंड पड़ गई थी। पर, अब, ट्रंप की दूसरी पारी में संबंधों में नज़दीकी व "वॉर्म्थ" (गर्मजोशी) लौटी है।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 सितम्बर। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़, पाकिस्तानी सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के साथ अगले हफ़्ते अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप से मुलाक़ात करेंगे। सूत्रों ने पाकिस्तान के चैनल "खैबर न्यूज़" के हवाले से बताया कि दोनों पाकिस्तानी नेताओं की यह बैठक 25 सितम्बर को संयुक्त राष्ट्र महासभा के इतर होगी।

रिपोर्ट के अनुसार, बैठक के एजेंडा में पाकिस्तान में आई विनाशकारी बाढ़ से लेकर क़तर पर इज़रायल के हमले के असर जैसे मुद्दे शामिल होंगे। रिपोर्ट में कहा गया कि नई दिल्ली-इस्लामाबाद के बीच बढ़ते तनाव जैसे कई मुद्दों पर भी बात हो सकती है।

हालाँकि अभी तक इंटर-सर्विसेज़ पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) या वॉशिंगटन स्थित पाकिस्तान दूतावास की ओर से इस दौरे के बारे में आधिकारिक रुप से कुछ भी नहीं कहा गया है। लेकिन यह खबर आसिम मुनीर की लगातार दो वॉशिंगटन यात्राओं के बाद आई है।

कई वर्षों की कूटनीतिक दूरी के बाद, अमेरिका-पाकिस्तान संबंधों में उस समय गर्माहट आई, जब जून में ट्रंप ने पाकिस्तानी सेना प्रमुख मुनीर का वाइट हाउस में स्वागत किया और उनके साथ व्यापार, आर्थिक विकास तथा क्रिप्टोकरेंसी पर चर्चा की। इसके कुछ ही दिन बाद, जुलाई में ट्रंप प्रशासन ने पाकिस्तान के साथ व्यापार समझौते की घोषणा की और कहा कि वॉशिंगटन, इस्लामाबाद को उसके "विशाल तेल भंडार" विकसित करने में मदद करेगा।

भारत-पाकिस्तान के बीच मई में हुए सैन्य टकराव के दौरान, इस्लामाबाद ने ट्रंप को कथित शांति मध्यस्थता का श्रेय दिया, जिसके बाद दोनों देशों के रिश्तों में और नरमी आई। ट्रंप ने दावा किया था कि उन्होंने दोनों परमाणु संपन्न एशियाई पड़ोसियों के बीच युद्धविराम कराने में भूमिका निभाई, जिसमें उन्होंने दोनों देशों पर व्यापार और टैरिफ़ को लेकर दबाव बनाया। ज्ञातव्य है कि भारत ने इस दावे को सख़्ती से नकार दिया था।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हनुमान बेनीवाल का सरकारी आवास खाली कराने पर रोक

जयपुर, 16 सितंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल को संपदा अधिकारी न्यायालय की ओर से विधायक कोटे में आवंटित किए गए आवास को खाली कराने के लिए दिए नोटिस की कार्रवाई पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही, अदालत ने मामले में राज्य सरकार और संपदा अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला

- हाई कोर्ट ने राज्य सरकार, सम्पदा अधिकारी, अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट को नोटिस जारी किया।

मजिस्ट्रेट व मुख्य सचिव को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। अदालत ने राज्य सरकार को अपने जवाब के साथ ही समान प्रकृति से जुड़े अन्य प्रकरणों की जानकारी भी पेश करने को कहा है। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने ये आदेश हनुमान बेनीवाल की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में अधिवक्ता सुमित्रा चौधरी ने बताया कि याचिकाकर्ता वर्तमान में सांसद है और देश का जाना माना राजनेता है। उसे जयपुर में आवास आवंटित किया गया था।

भारतीय वायुसेना की सफलता को स्वीकार किया जैश-ए-मोहम्मद ने

जैश-ए-मोहमद के कमाण्डर मसूद इलयास कश्मीरी ने स्वीकार किया और मसूद अज़हर के वक्तव्य को जारी कर इसकी पुष्टि की

- दूसरी ओर पाकिस्तानी राजनीतिज्ञ बिलावल भुट्टो ज़रदारी, अभी भी अधिकृत रूप से कह रहे हैं कि इस्लामाबाद अभी इस बात से अनभिज्ञ है कि मसूद अज़हर पाकिस्तान में हैं, और पाकिस्तान जरूर गिरफ्तार कर लेगा, अगर भारत इसकी पुख्ता जानकारी दे।
- मसूद इलियास कश्मीरी के अनुसार, जैश-ए-मोहम्मद ने आतंकवाद को गले लगाया तथा दिल्ली, काबुल व कंधार में बहादुरी से लड़े, पाकिस्तान की सीमाओं को सुरक्षित रखने के लिए सभी तरह के बलिदान दिये। पर, 7 मई को भारतीय सेना ने बहावलपुर पर आक्रमण कर मसूद अज़हर के परिवार के दस सदस्यों को खत्म कर दिया।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16, सितंबर। जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के कमांडर मसूद इलियास कश्मीरी को यह कहते हुए सुना गया कि भारतीय सेना ने किस तरह उनके गुप्त ठिकानों में घुसकर हमला किया।

भारत द्वारा पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में "ऑपरेशन सिंदूर" के अन्तर्गत कई आतंकी ठिकाने तबाह किए जाने के महीनों बाद, जैश के इस कमांडर ने स्वीकार किया है कि बहावलपुर में हुये भारतीय हमले में संगठन के शीर्ष सरगना मौलाना मसूद अज़हर का परिवार "चिथड़े-चिथड़े हो गया।"

इंटरनेट पर वायरल एक वीडियो में मसूद इलियास कश्मीरी यह बताते नज़र आते हैं कि भारतीय सेना उनके ठिकानों तक कैसे पहुँची और उन पर हमला किया।

मसूद इलियास कश्मीरी ने उर्दू में कहा, "आतंकवाद को अपनाकर हमने दिल्ली, काबुल और कंधार से इस मुल्क की सरहदें बचाने के लिए लड़ाई लड़ी। सब कुछ कुर्बान करने के बाद, 7 मई को बहावलपुर में मौलाना मसूद अज़हर का परिवार भारतीय फौजों द्वारा तार-तार कर दिया गया।" वीडियो में कश्मीरी के पीछे कई हथियारबंद सुरक्षाकर्मी खड़े दिखाई दे रहे थे।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले में 26 नागरिकों के मारे जाने के कुछ हफ़्तों बाद, भारतीय सेना ने "ऑपरेशन सिंदूर" के अन्तर्गत, पाकिस्तान और पीओके में एक साथ रातभर अभियान चलाकर जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) और लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के सुदूर ठिकानों पर हमला किया। पाकिस्तान ने बाद में स्वीकार किया कि नौ ठिकानों पर हमले हुए, जिनमें बहावलपुर, कोटली और मुरिदके के स्थान शामिल थे, ये सभी कट्टरपंथी गतिविधियों के गढ़ माने जाते हैं।

पाकिस्तान का 12वाँ सबसे बड़ा शहर बहावलपुर इसलिए निशाना बनाया गया, क्योंकि यह जैश का मुख्य केन्द्र है। लाहौर से लगभग 400 किलोमीटर दूर स्थित इस शहर की जामिया मस्जिद सुब्हान अल्लाह (उस्मान-ओ-अली कैंपस) में जैश का मुख्यालय संचालित होता है।

जैश-ए-मोहम्मद की स्थापना 2000 के शुरुआती वर्षों में तब हुई थी,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सलुम्बर में दूषित दाल खाने से 39 छात्र बीमार

उदयपुर, 16 सितम्बर (कासं)। सलूम्बर जिले के कूण गांव में स्थित सरकारी विद्यालय में दाल, चावल खाने से 39 छात्र बीमार हो गए, जिन्हें उपचार के लिए सरकारी चिकित्सालय में भर्ती करवाया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मंगलवार सवेरे सलूम्बर जिले के कूण

- सभी बीमार छात्रों को सीएचसी लसाड़िया में भर्ती कराया गया। अब उनकी हालत ठीक बताई जा रही है।

गांव में स्थित राजकीय उच्च प्रा. विद्यालय डाईखेड़ा कूण विद्यालय में छात्रों के लिए दाल- चावल का वितरण किया गया, जिसको खाने के कुछ समय बाद स्कूल के छात्रों की तबीयत खराब

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया डेढ़ साल की चुप्पी के बाद, ग्वालियर पर आधिपत्य दिखाने लौटे

जनता, राजनीतिज्ञों व नेताओं ने पलक-पावणे बिछा दिये, उनके स्वागत में

- पर, यह सब कुछ, राजनीतिक संग्राम की तैयारी लग रही है। क्योंकि, विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर, ग्वालियर को अब अपना क्षेत्र मानने लगे थे।
- ऐसा कहा जा रहा है कि सिंधिया के ग्वालियर पर काबिज होने के इस प्रयास को भाजपा के केन्द्रीय नेतृत्व व मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री का समर्थन प्राप्त है।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16, सितंबर। केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का कलेक्ट्रेट शो विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर के क्षेत्र मुरैना में हुए एक भव्य स्वागत समारोह के कुछ ही दिनों बाद हुआ। इसके बाद दोनों के बीच प्रतिद्वन्द्विता खुलकर सामने आ गई है।

ग्वालियर कलैक्ट्रेट में सोमवार को विकास कार्यों की एक नीरस समीक्षा होनी थी, लेकिन यह एक गर्मागरम राजनीतिक नाटक में बदल गई। इस शो के स्टार केन्द्रीय मंत्री ज्योदिरादित्य सिंधिया, जो डेढ़ साल की खामोशी के बाद यहाँ आए, ने ग्वालियर शहर की राजनीतिक में उबाल ला दिया।

कागज़ों पर बैठक की अध्यक्षता प्रभारी मंत्री तुलसी सिलावट कर रहे थे, लेकिन सबको यह नज़र आ गया कि सुर्खियाँ किसने बटोरीं। मंच पर ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, मंत्री नारायण सिंह कुशवाह, कांग्रेस राज्यसभा सांसद अशोक सिंह, महापौर शोभा सिकरवार और कांग्रेस विधायक सुरेश राजे मौजूद थे। मगर ग्वालियर के भाजपा सांसद भरत सिंह कुशवाह की खाली कुर्सी ने सबका ध्यान खींच लिया।

सिंधिया की वापसी कोई आकस्मिक बात नहीं थी। सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री और भाजपा हाईकमान ने उन्हें साफ़ संदेश दिया है कि वे ग्वालियर-चंबल इलाके में फिर से पकड़ मजबूत करें, जो कभी उनका अजेय गढ़ माना जाता था। इससे पहले वो तब पीछे हटे थे, जब भरत सिंह कुशवाह ने खुलेआम उनकी उपस्थिति पर आपत्ति जताते हुए कहा था, "वे गुना-शिवपुरी के सांसद हैं, ग्वालियर के नहीं।" उस झटके ने सिंधिया को पीछे कर दिया था। लेकिन अब वे लौट आए हैं।

पिछले कई हफ़्तों से ग्वालियर की टूटी सड़कों और गंदगी भरे नालों की खबरें सुर्खियों में रही हैं। सबसे तीखी आवाज़ सिंधिया के करीबी, ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर की रही, जिन्होंने कैबिनेट बैठक में कहा, "ग्वालियर नरक बन गया है।" मुख्यमंत्री ने उन्हें चुप कराने की कोशिश की, तो उन्होंने दोबारा वही बात दोहराई। प्रभारी मंत्री तुलसी सिलावट ने भी उनका समर्थन किया।

सिंधिया का यह कलेक्ट्रेट शो, मुरैना, जो विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर का गढ़ है, में हुए भव्य स्वागत के कुछ ही दिन बाद हुआ। इसके बाद दोनों नेताओं की टक्कर अब खुलकर सामने आ गई है। नरेन्द्र तोमर का स्थानीय राजनीति पर नियंत्रण है, मगर कृषि मंत्री एडाल सिंह कसाना अब उनके साथ पूरी तरह नहीं दिख रहे। वहीं, उनके करीबी भरत सिंह कुशवाह भोपाल में शांत बैठे नज़र आ रहे हैं और मुख्यमंत्री की निगाहें उन पर हैं।

सोमवार की बैठक का संदेश स्पष्ट था, ग्वालियर में भाजपा अब दो खेमों में बँट गई है। तीन दिन पहले ही सांसद भरत सिंह कुशवाह ने विकास कार्यों की समीक्षा की थी। सोमवार को सिंधिया अपने समर्थकों के साथ कलैक्ट्रेट पहुँचे और उन्हीं कामों की समीक्षा की, लेकिन इस दौरान सांसद कुशवाह उपस्थित नहीं थे। यह सिंधिया की पहली कलेक्ट्रेट बैठक थी बतौर भाजपा सांसद, और उन्होंने इसे स्वीकार किया। उनके समर्थक खुश होकर फुसफुसा रहे थे कि "महाराज युग" लौट रहा है, जब कांग्रेस के दिनों में ग्वालियर में बिना उनकी हामी के कुछ नहीं होता था।

नरेन्द्र तोमर सार्वजनिक मंचों पर सिंधिया के ढोल पीटते रहे हैं। मुरार गर्ल्स कॉलेज में उन्होंने कहा, "महाराज, ग्वालियर का विकास पहिया रुक गया है, केवल आप ही इसे आगे बढ़ा सकते हैं।" इसके तुरंत बाद सिंधिया समर्थक विधायक मोहन सिंह राठौर ने सरकार की जल जीवन मिशन योजना को आड़े हाथों लिया और कहा कि उनके क्षेत्र में एक भी परियोजना नहीं पहुँची। तोमर ने ग्वालियर को "नरक" कहा। सिंधिया ने चार दिन का दौरा किया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राजेश्वर सिंह राज्य मुख्य निर्वाचन आयुक्त नियुक्त

राजेश्वर सिंह

जयपुर, 16 सितम्बर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने मंगलवार को एक आदेश जारी कर भारतीय प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत अधिकारी राजेश्वर सिंह को राज्य मुख्य निर्वाचन आयुक्त के पद पर नियुक्ति प्रदान की है। गौरतलब है कि वर्ष 1989 बैच के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बायोमेट्रिक अटेंडेंस और एआई की मदद से दो डमी कैंडिडेट्स को पकड़ा

दोनों बीकानेर में कॉन्स्टेबल भर्ती परीक्षा देने आए थे, पुलिस ने की कार्रवाई

बीकानेर, (निसं)। यहां बायोमेट्रिक अटेंडेंस और एआई की मदद से पुलिस ने दो डमी कैंडिडेट्स को पकड़ा है। दोनों बीकानेर में कॉन्स्टेबल भर्ती परीक्षा देने आए थे। जैसे ही दोनों ने एग्जाम में बैठने के लिए बायोमेट्रिक अटेंडेंस लगाई तो पूरा मामला सामने आ गया। मामला सदर थाना इलाके का है। खुद एसएचओ ने दोनों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। एक आरोपी बुआ के लड़के के लिए डमी कैंडिडेट बना था वहीं दूसरे ने 2 बार डमी बन प्री डीएलएड का एग्जाम दिया था।

■ **एक आरोपी बुआ के लड़के के लिए डमी कैंडिडेट बना था, दूसरे ने दो बार डमी बन प्री डीएलएड का एग्जाम दिया था**

सदर थानाधिकारी दिगपाल सिंह ने बताया कि मामले में धौलपुर के अनिरुद्ध गुर्जर पुत्र साहब सिंह निवासी गांव बड़ा और सौरभ कुमार पुत्र मुकेश कुमार गुर्जर निवासी सामलियापुरा तहसील राजाखेड़ा धौलपुर के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। दिगपाल सिंह ने बताया कि दोनों पर 30 जून 2025 को आयोजित प्री डीएलएड एग्जाम में डमी कैंडिडेट के रूप में बैठने का आरोप है। इसमें अनिरुद्ध गुर्जर ने राजकीय महारानी गर्ल्स सीनियर सैकंडरी स्कूल एग्जाम दिया था। पुलिस को इस पर शक हुआ तो इसका बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन करवाया गया, तब कॉन्स्टेबल एग्जाम में उसका रिकार्ड सही पाया गया।

सदर थानाधिकारी दिगपाल सिंह ने बताया कि डेटा का विश्लेषण करने पर पता चला कि इसी केंडिडेट ने 30 जून को आयोजित प्री डीएलएड एग्जाम में अपने बुआ के लड़के अजय कसाना के स्थान पर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पुराना हॉस्पिटल में एग्जाम दिया था। दिगपाल सिंह ने बताया कि वहीं सौरभ गुर्जर ने जूनागढ़ के पास स्थित सेंट पब्लिक सीनियर सैकंडरी स्कूल में एग्जाम दिया था। सौरभ गुर्जर पर भी पुलिस को शक था। ऐसे में इसी स्कूल में एग्जाम के बाद उसे रोककर पूछताछ की गई। करीब 1 घंटे की पूछताछ के बाद उसका कॉन्स्टेबल एग्जाम का रिकॉर्ड सही पाया गया।

सदर थानाधिकारी दिगपाल सिंह ने बताया कि बायोमेट्रिक रिकार्ड से पता चला कि इसी रिकार्ड यानी फिंगर प्रिंट और अन्य शारीरिक निशानियों वाले कैंडिडेट ने प्री डीएलएड एग्जाम में दयाराम नाम से एग्जाम दिया था। इसके बाद एक जून 2025 को शैलेंद्र नाम के एक अन्य नाम से भी डमी एग्जाम दिया। इस स्टूडेंट पर दो बार डमी के रूप में बैठने का आरोप है।

कांस्टेबल भर्ती परीक्षा : महिला मित्र के स्थान पर पेपर दे चुकी डमी युवती गिरफ्तार

अलवर, (निसं)। अलवर में आयोजित पुलिस कांस्टेबल परीक्षा के दौरान पूर्व में एक महिला मित्र के स्थान पर पेपर दे चुकी एक डमी युवती को गिरफ्तार किया है। सुधीर चौधरी पुलिस अधीक्षक अलवर ने जानकारी देते हुऐ बताया कि पुलिस कांस्टेबल-2025 परीक्षा 14 सितंबर को जिले में आयोजित हुई थी। पुलिस कन्ट्रोल रूम से सूचना प्राप्त हुई कि परीक्षा केन्द्र पर एक परीक्षार्थी का बायोमेट्रिक फिंगर प्रिंट मिस मैच हुआ है। उक्त सूचना पर दिनेश पु.नि. थानाधिकारी पुलिस थाना एनईबी मय जाब्ता के रवाना होकर परीक्षा केन्द्र पहुंचे, जहां केन्द्राधीक्षक ने बताया कि उक्त परीक्षा में परीक्षा दे रही अभ्यर्थी पिंकी गुर्जर पुत्री बहादुर सिंह, निवासी खरगपुर, तहसील सैपऊ पुलिस थाना कोलारी जिला धौलपुर का फिंगर प्रिन्ट बायोमैट्रिक का डाटा मिस मैच हुआ है। संदिग्ध अभ्यर्थीया कुमारी पिंकी

■ **परीक्षा केन्द्र पर परीक्षार्थी का बायोमेट्रिक फिंगर प्रिंट मिस मैच हुआ था**

गुर्जर एवं उसके साथ मौजूद उसका भाई ऋषिकेश को महिला कानि. की मौजूदगी में उक्त अभ्यर्थीया कुमारी पिंकी गुर्जर से फिंगर प्रिन्ट मिस मैच होने के सम्बन्ध में पूछताछ की गई तो उसने बताया कि माह मई/जून 2025 में मैंने मेरी दोस्त आयुषी पुत्री रामधार सिंह निवासी मनिया जिला धौलपुर की जगह प्री बीएसटीसी/डी.एल.ई.डी की परीक्षा दी थी। जिसका परीक्षा केन्द्र धौलपुर में आया था, वहां मेरे फिंगर प्रिन्ट लिये थे। प्री बीएसटीसी रिजल्ट में आयुषी पास हो गई। 14 सितम्बर को ज्ञानदीप विद्यापीठ माध्यमिक विद्यालय दाउदपुर अलवर में मेरे द्वारा कानिस्टेबल भर्ती की द्वितीय पारी में परीक्षा दी गई थी। जिसमें प्रवेश के समय मेरे फिंगर प्रिन्ट लिये गये थे। इस प्रकार उक्त अभ्यर्थिया कुमारी पिंकी गुर्जर द्वारा पूर्व में अन्य परीक्षार्थी के स्थान पर बैठकर परीक्षा देना, धोखाधड़ी एवं छल करने का कृत्य पाया जाने पर उक्त घटना स्थल पुलिस थाना कोतवाली धौलपुर का होने पर जीरो नम्बरी एफआईआर दर्ज कर पुलिस थाना कोतवाली जिला धौलपुर भिजवाया गया।

जवाई नदी के तीव्र वेग से बहते पानी में बस चलाई

सायला, (निसं)। सायला पुलिस थाना क्षेत्र के तुरा गांव में जवाई नदी के तीव्र वेग से बहते पानी में लापरवाहीपूर्वक बस चलाकर मानव जीवन को संकट में डालने पर पुलिस ने बस चालक के विरूद्ध कार्यवाही की है।

पुलिस के अनुसार सोमवार को तुरा नदी की रपट में एक सवारियों से भरी बस को चालक ने

■ **बहते पानी में लापरवाहीपूर्वक बस चलाकर मानव जीवन को संकट में डालने पर बस चालक के विरूद्ध पुलिस ने कार्रवाई की, मामला दर्ज**

लापरवाहीपूर्वक चलाते हुए बस को नदी बहाव में उतारा, जिससे बस पानी में बह गई, जिसकी सूचना मिलने पर हेड कांस्टेबल भंवरलाल मय जाब्ता को मौके पर पहुंचे तो पाया गया कि एक मिनी बस जो सुन्धामाता से ग्रामीण रास्तों से सायला आ रही थी, जिसमें सवारियां भरी हुई थी, जिसके चालक फुसाराम पुत्र करनाराम जाति मेघवाल निवासी रेवतडा पुलिस थाना सायला ने बस को जानबूझकर तेजगति व लापरवाहीपूर्वक नदी के तीव्र वेग से चलते पानी में ले जाकर बस में भरी सवारियों व स्वयं के जीवन को संकट में डाल दिया। बस पानी के बहाव के साथ बह जाने से सवारियों ने बड़ी मुश्किल से अपना बचाव किया। बस चालक की लापरवाही से बस में भरी सवारियों व चालक स्वयं की जान जा सकती थी, जिस पर बस चालक फुसाराम के विरूद्ध प्रकरण दर्ज किया।

ट्रेन से कटकर महिला की मौत

सीकर, (निसं)। सीकर के उद्योग नगर थाना इलाके में ट्रेन से कटकर महिला की मौत हो गई। महिला अपने पीहर भेहरों की ढाणी आई हुई थी, जहां से करीब 200-300 मीटर दूर यह घटना हुई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया है। उद्योग नगर पुलिस थाने के हेड कांस्टेबल मदनलाल के अनुसार महिला रेलवे ट्रैक के पास से गुजर रही थी। इसी दौरान दाहिने साइड से उसका शरीर ट्रेन से टकराया, जिससे उसको कई जगह गंभीर चोट आई और उसकी मौत हो गई। हैड कांस्टेबल मदनलाल ने बताया कि मंगलवार सुबह थाने पर सूचना मिली कि दासा की ढाणी फाटक के पास एक महिला ट्रेन से कट गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। जहां से शव को पोस्टमार्टम के लिए सीकर के एसके हॉस्पिटल की मोर्चरी में लाया गया। हेड कॉन्स्टेबल ने बताया कि महिला का नाम गुलाबीदेवी (45) पत्नी मनोहर है, जो मूल रूप से रानोली थाना इलाके के शेरपुरा गांव की रहने वाली है। महिला के 6 बच्चे जिनमें 4 लड़की और 2 लड़कें हैं।

Rajasthan State Road Development And Construction Corporation Ltd.JAIPUR

No.NIT/2025-26/19397-410 **निविदा सूचना /2025-26** Date:15.09.2025

निम्नलिखित कार्य के लिए केन्द्र/राज्य सरकार के अभियांत्रिकी विभागों एवं उनके अधिकृत संगठनों में पंजीकृत एवं अनुभवी संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑनलाइन निविदायें आमंत्रित की जाती है-

कार्य का विवरण	कार्य की कुल अनुमानित लागत (रू.)	निविदा सूचना संख्या
Interior Acoustical Designing and Furnishing of Conference Hall and Auditorium with SITC of VC and Audio Video System at Bar Council Building in RHC, Jodhpur. **UBN: RRC2526WSOB00663**	249.60 Lakh	अल्पकालीन ई-354/ 25-26
Providing and Erection a Road Restraint System-Single Roller System Barrier at 1.Udaipur-Salumber Road 2. Banswara-Ratlam Road 3.Pali -Nadol Gomati Ka Chauraha Road. **UBN: RRC2526WSOB00661**	394.50 Lakh	ई-356/ 25-26

निविदा से सम्बन्धित प्रपत्र में निविदा शुल्क, धरोहर राशि, डाउनलोड करने व खोलने की तारीख सहित सम्पूर्ण विवरण एवं संशोधन वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.nic.in तथा http://pwd.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है। **महाप्रबंधक**

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता
सा0 नि0 वि0 खण्ड राजसमन्द जिला राजसमन्द राजस्थान

क्रमांक : टी.एस. / निविदा/ राजसमन्द / 2025-26/928 दिनांक :- 08.09.2025

निविदा सूचना संख्या 13/2025-26
NIB CODE:- PWD2526A3138

सड़क निमार्ण कार्य हेतु ईच्छुक संवेदको से निविदा दिनांक 26.09.2025 सायं 06:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा के सम्बन्ध में अन्य विवरण उपापन वेबसाईट ("http://www.eproc.rajasthan.gov.in और http://www.sppp.rajasthan.gov.in) पर देखा जा सकता है। उपापन की कुल अनुमानित राशि 238.04 लाख रुपया है।

S. No. of Work	UBN No	S. No. of Work	UBN No
1	PWD2526WSOB11721	2	PWD2526WSOB11722

DIPR/C/13337/2025 **अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि. खण्ड राजसमन्द**

कार्यालय उप वन संरक्षक (वन्यजीव) राष्ट्रीय चम्बल घड़ियाल अभ्यारण्य, धौलपुर
महिला पुलिस थाने के पास हाउसिंग बोर्ड, पुरानी छावनी, धौलपुर पिन कोड़ 328001
Email ID:-dcfwl.ncs.forest@gmail.com

क्रमांकः एफ ()/ उवसं/वजीधौ. / राचघअ./2025-26/2383 दिनांकः- 8/9/25

Notice Inviting Bid

Bid for providing Construction of Choki with solar pump at Forest Block of Wildlife Range Saramthura of DCF WL NCS Dholpur are invited from interested bidders upto 11:00 AM, 19.09.2025, other particulars of bid may be visited on the procurement portal http://sppp.rajasthan.gov.in, http://eproc.rajasthan.gov.in of the state. The approximate value of the procurement is 40.00 lakhs.

UBN No. FOR2526WSOB01823

(डा. आशीष व्यास) उप वन संरक्षक (वन्यजीव) राष्ट्रीय चम्बल घड़ियाल अभ्यारण्य धौलपुर

DIPR/C/13331/2025

WATER RESOURCES DEPARTMENT
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER, WATER RESOURCES, DIVISION JALORE
NIB NO. 07/2025-26

Notice inviting Bid for Rehabilitation of Bithan Dam & Canal System District Jalore Amounting to Rs. 217.80 Lacs in the State of Rajasthan India invited from interested bidders Date of online downloading and uploading of tender documents from 04.09.2025 to 25.09.2025 upto 06.00 PM. Bid will be opened on 26.09.2025 at 05:00 PM. Other particulars of the Bid may be visited on the htt://sppp.raj.nic.in and http://eproc.rajasthan.gov.in of the states and WRD website.

NIB No. WRD 2526A0394
UBN No. WRD 2526 W50800936
DIPR/C/13143/2025

Excutive Engineer
Water Resources Division, Jalore

कार्यालय उप वन संरक्षक एवं उप क्षेत्र निदेशक (द्वितीय) रणथम्भौर टाईगर रिजर्व करौली
Mail ID-dcfb.kroli.forest@rajasthan.gov.in, Phone No. 07464-297007

इस कार्यालय द्वारा जारी ई-निविदा सूचना संख्या 06/2025-26 दिनांक 08.09.2025 एवं ई-निविदा सूचना संख्या 07/2025-26 दिनांक 09.09.2025 द्वारा निविदा आमंत्रित की गई है। अतः इच्छुक बोलीदाता पोर्टल www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.e-proc.rajasthan.gov.in देख कर ऑनलाईन निविदाओं को डाउनलोड कर निविदाओं में भाग ले सकते है।

क्र. सं.	कार्य का विवरण	UBN No.	लागत लाखों में	जारी दिनांक	जमा व खोलने की दिनांक
1	रेंज कैलादेवी अन्तर्गत नाका मरमदा में चारागाह विकास (क्लोजर) 6 है. कार्य	UBN No. FOR2526 WSOB01843	15.93	09.09.2026	18.09.2025
2	Construction of Anicut at Jogpura ke Pass Range Nainiyaki Tpye III	UBN No. FOR2526 WSOB01850	6.44	09.09.2026	18.09.2025

(पीयूष कुमार शर्मा)
उप वन संरक्षक एवं उप क्षेत्र निदेशक (द्वितीय), रणथम्भौर टाईगर रिजर्व, करौली

DIPR/C/13486/2024

राजस्थान सरकार
कार्यालय अधिशाषी अभियंता, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, बीकानेर
स्वास्थ्य भवन, त्यागी वाटिका, जेल वैल, बीकानेर
Ph.No. 0151-2201142, email-eemhbikaner@ymail.com

क्रमांक-EE/M&H/BKN/2025-26/1754 दिनांक-3/9/2025

ई- टेण्डरिंग निविदा सूचना संख्याः- 36/2025-26

निम्नहस्ताक्षरकर्ता द्वारा राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से जिला बीकानेर में कुल रू. 125.00 लाख के 01 कार्य हेतु निविदा में बताये अनुसार श्रेणी के संवेदको के समकक्ष उपर्युक्त सिविल श्रेणी मे सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे / एमईएस इत्यादि मे पंजीकृत संवेदको जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त सिविल श्रेणी के संवेदको के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र मे ई-प्रोक्यूरमेंट निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विवरण DIPR की वेबसाईट www.dipronline.org http://eproc.rajasthan.gov.in व विभागीय वेब साईट http://rajswasthya.nic.in पर देखा जा सकता है।

UBN:NRH2526WSOB01046
DIPR/C/13251/2025

(शिम्भू राम जाटव) अधिशाषी अभियन्ता चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग बीकानेर

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड सांचौर

क्रमांकःअअ / सांचोर/2025-26/1911 दिनांकः 01-09-2025

निविदा सूचना संख्याः 09/2025-2026
NIB No. PWD2526A3083

मुख्यालय का नाम	कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड सांचौर
निविदा का कार्य	Road & Building Construction
कुल धरोहर राशि (रूपयों में)	निविदा लागत राशि का 2 प्रतिशत (विभागीय संवेदको को नियमानुसार छुट देय)
निविदा की कुल लागत	रु. 238.43 लाख
ऑनलाईन निविदा आवेदन/ डाउनलोड करने की तारीख	08 सितम्बर 2025, 9:30 बजे से 23 सितम्बर 2025, सांय 6:00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा जमा कराने की तारीख	08 सितम्बर 2025, 9:30 बजे से 23 सितम्बर 2025, सांय 6:00 बजे तक
निविदादाता को निविदा प्रपत्र शुल्क, धरोहर राशि एवं प्रोसेसिंग चार्जेज जमा कराने हेतु	शासन सचिव वित्त (बजट) राजस्थान जयपुर के परिपत्र क्रमांक प.6 (5) वित्त / साविलेनि/2018 जयपुर दिनांक 27.04.2020 के अनुसार निविदादाता को निविदा प्रपत्र शुल्क, धरोहर राशि एवं प्रोसेसिंग चार्जेज निम्नलिखित मद में ईग्रास चालान के द्वारा जमा कराना आवश्यक है। 1. बिड सिक्यूरिटी, धरोहर राशि (बोली प्रतिभूति) निर्माण कार्यो हेतु बजट मद 8443-00-108-00-00 2. दस्तावेज मूल्य (निविदा शुल्क) 0075-00-800-52-01 3. शुल्क 8658-00-102-(16)-02
निविदा खोलने की तारीख	24 सितम्बर 2025, को प्रातः 11:00 बजे

DIPR/C/13144/2025 (प्रदीप पंवार), अधिशाषी अभियन्ता, सा.नि.वि. खण्ड सांचौर

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि. खण्ड बाडी जिला धौलपुर

क्रमांक :-864-70 दिनांक :- 08.09.2025

निविदा सूचना संख्याः 05/2025-26
NIB code PWD2526A3126 and UBN is: PWD2526WSOB11695, PWD2526WSOB11696, PWD2526WSOB11697, PWD2526WSOB11698

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से खण्ड बाडी जिला धौलपुर में सडक एवं पुलिया मरम्मत कार्य के लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों, राज्य सरकार के अन्य विभागों में पंजीकृत "एए", "ए"बी"सी" एवं "डी" श्रेणी संवेदकों एवं केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के "एए, "ए"बी"सी" एवं "डी" श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदा से संबंधित विवरण बेवसाईट "www.eproc.dipronlineorg" व http://www.pwd.rajasthan.gov.in/, www.eproc.rajasthan.gov.in एवं "www.sppp.raj.nic.in" पर देखा जा सकता है।

क्र.सं.	मुख्यालय का नाम	कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग खण्ड बाडी
1	निविदा का कार्य	तत्कालिक अस्थाई मरम्मत कार्य
2	निविदा की कुल लागत	रु. 118.50 लाख
3	निविदा शुल्क, प्रोसेसिग शुल्क एवं धरोहर राशि जमा कराने की प्रक्रिया	वित्त विभाग द्वारा जारी परिपत्र प. (5) / वित्त/साविलेनि / 2018 दिनांक 27.04.2020 के अनुसार ई-ग्रास चालान पर ऑनलाइन एक ही चालान द्वारा निम्न बजट मद में जमा करानी है। (1) निविदा शुल्क 0075-00-800-52-01 (2) प्रोसेसिंग शुल्क 8658-00-102-(16)-02 (निर्माण विभाग) (RISL Fees) (3) धरोहर राशि 8443-00-108-00-00
4	निविदा आवेदन/डाउनलोड करने की तारीख (बेवसाइट पर)	दिनांक 09.09.2025 प्रातः 09:30 बजे दिनांक 23.09.2025 सायं 6:00 बजे तक
5	निविदा फार्म जमा कराने की तारीख (बेवसाइट पर)	दिनांक 09.09.2025 प्रातः 09:30 बजे दिनांक 23.09.2025 सायं 6:00 बजे तक
6	निविदा खोलने की तारीख (बेवसाईट पर)	दिनांक 24.09.2025 दोपहर 03:00 बजे

DIPR/C/13302/2024

अधिशाषी अभियन्ता सा. नि. वि. खण्ड बाडी

ग्राम विकास अधिकारी छह हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर/अजमेर/ब्यावर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की स्पेशल यूनिट अजमेर टीम ने मंगलवार को ब्यावर में कार्रवाई करते हुए ग्राम पंचायत सरमालिया जिला ब्यावर के ग्राम विकास अधिकारी अखिलेश कुमार को परिवादी से छह रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि एसीबी स्पेशल यूनिट अजमेर को परिवादी ने शिकायत दी कि उसकी ग्राम पंचायत सरमालिया में की-मैन के पद पर नियुक्ति होने से उसके माह जुलाई-अगस्त 2025 का प्रतिमाह 12 हजार

आरोपी ग्राम विकास अधिकारी

रुपये के हिसाब से 24 हजार रुपये का वेतन जमा कराये जाने पर ग्राम विकास अधिकारी अखिलेश कुमार की ओर से परिवादी से प्रतिमाह 3 हजार रुपये के हिसाब से 2 माह के वेतन के बदले में 6 हजार रुपये की रिश्वत मांग रहा है, जिस पर एसीबी चौकी स्पेशल टीम अजमेर की प्रभारी और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वंदना भाटी के निर्देशन में रिश्वत मांग का सत्यापन करवाया गया तो ग्राम विकास अधिकारी अखिलेश कुमार की ओर से छह हजार रुपये रिश्वत की मांग किया जाना पाया गया। जिस पर एसीबी की टीम ने ट्रेप की कार्रवाई करते हुए ग्राम विकास अधिकारी अखिलेश कुमार को छह हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया।

रिश्वत लेते पटवारी गिरफ्तार

डूंगरपुर, (निसं)। डूंगरपुर एसीबी टीम ने सागवाड़ा उपखंड क्षेत्र के गामडा ब्रामणिया पटवारी हेमंत बुनकर को पांच हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। डूंगरपुर जिले के एसीबी चौकी के प्रभारी रतनसिंह राजपुरोहित ने बताया कि परिवादी ने 27 अगस्त को चौकी में एक शिकायत दी थी। रिपोर्ट में बताया कि परिवादी की गांव गामडा ब्रामणिया में पैतृक जमीन, पटवार हल्का गामडा ब्रामणिया में स्थित है। उक्त जमीन में उसकी बहन का राजस्व रिकॉर्ड में संयुक्त नाम है। परिवादी की बहन का संयुक्त रिकॉर्ड से नाम निकालकर परिवादी व उसकी मां के नाम नामांतरण खोलने की एवज में पटवारी हेमंत बुनकर रिश्वत की मांग कर रहा है, जिस पर एसीबी की टीम ने शिकायत का सत्यापन करवाया।

सरपंच और दलाल 12 हजार की रिश्वत लेते ट्रेप

जयपुर/बारां, (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की बारां टीम ने कार्रवाई करते हुए ग्राम पंचायत खेड़ला जागीर तहसील छीपाबड़ौद के सूरजमल मालव सरपंच (प्रशासक) उसके (दलाल) रामकल्याण मेघवाल को परिवादी से उसके भतीजों का नाम राशन कार्ड में सही करवाने एवं स्वयं के नाम स्वीकृत प्रधानमंत्री आवास योजना की तीसरी किश्त (60 हजार) परिवादी के खाते में जमा करवाने की एवज में 12 हजार रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि एसीबी बारां चौकी को परिवादी ने शिकायत दी कि उसके भतीजों का नाम राशन कार्ड में सही करवाने एवं स्वयं के नाम स्वीकृत प्रधानमंत्री आवास योजना की तीसरी किश्त (60 हजार) परिवादी के खाते में जमा करवाने की एवज में सरपंच (प्रशासक) सूरजमल मालव 12 हजार रुपये की रिश्वत की मांग कर रहा है। जिस पर एसीबी की टीम ने रिश्वत मांग का गोपनीय सत्यापन करवाया, जिसमें सरपंच की ओर से 12 हजार रुपये की रिश्वत की मांग करना पाया गया। जिस पर एसीबी बारां टीम के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कालूराम वर्मा के नेतृत्व में ट्रेप की कार्रवाई करते हुए सरपंच सूरजमल मालव एवं उसके दलाल रामकल्याण मेघवाल को 12 हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया।

संगरिया में व्यापारी विकास जैन की गोली मारकर हत्या का खुलासा

हनुमानगढ़, (निसं)। संगरिया में दिनदहाड़े व्यापारी विकास जैन (48) की गोली मारकर हत्या के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने वारदात को अंजाम देने वाले बाइक सवार दोनों मुख्य आरोपियों सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में एक लॉरेंस बिश्नोई गैंग का शार्प शूटर है। गिरफ्तार एक अन्य आरोपी पंचकूला के सोनू माल्टा हत्याकांड में वांछित है। आरोपियों में शामिल एक आरोपी ने आपराधिक गैंग से फंडिंग प्राप्त की, साथ ही मुख्य आरोपियों को वाहन उपलब्ध करवाया था।

■ **लॉरेंस बिश्नोई गैंग के शार्प शूटर समेत चार आरोपी गिरफ्तार, एक पंचकूला हत्याकांड में वांछित है**

■ **आरोपियों में शामिल एक आरोपी ने आपराधिक गैंग से फंडिंग प्राप्त की, साथ ही मुख्य आरोपियों को वाहन उपलब्ध करवाया था**

बीकानेर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक हेमंत शर्मा ने मंगलवार को बताया कि 12 सितम्बर को नरेश कुमार पुत्र ईश्वर दास शर्मा निवासी संगरिया ने संगरिया थाने में रिपोर्ट दी, जिसमें बताया कि उसके पास धानमंडी संगरिया में किराए की दुकान है। दुकान पर वह व उसका पार्टनर विकास जैन बैठता था। 12 सितम्बर की दोपहर करीब दो बजे के आसपास उसने अपने पार्टनर विकास जैन को कॉल की, लेकिन विकास ने कॉल रिसीव नहीं की। इस पर वह दुकान में पहुंचा तो देखा तो विकास जैन फर्श पर गिरा हुआ था और मुंह व पेट से खून निकला हुआ था। उसने आस-पड़ोस के लोगों को बुलाया व विकास को देखा तो उसके गोलियां लगने के निशान थे व फर्श पर खून बिखरा हुआ था। फर्श पर गोलियों के खाली खोखे गिरे हुए थे। वे विकास जैन को अस्पताल लेकर गए तथा पुलिस को सूचना दी। अस्पताल में डॉक्टरों ने विकास जैन को मृत घोषित कर दिया। रिपोर्ट पर मुकदमा दर्ज कर अनुसंधान संगरिया थाना प्रभारी अमरसिंह की ओर से शुरू किया गया।

आईजी हेमंत शर्मा ने बताया कि घटना की सूचना मिलने पर पुलिस अधीक्षक हरी शंकर सहित अन्य उच्चाधिकारियों ने घटनास्थल पर पहुंच घटनास्थल का निरीक्षण किया। मौके पर एफएसएल और एमओबी टीम की ओर से साक्ष्य संकलित किए गए। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए दस अलग-अलग टीमों का गठन कर उन्हें अज्ञात आरोपियों की तलाश के लिए रवाना किया गया। गठित टीमों ने सूचना संकलित कर आरोपियों की पहचान की तथा उनके संभावित ठिकानों पर दबिश दी। इस दौरान सफलता हासिल करते हुए घटना में संलिप्त मुख्य शूटर जलंधर सिंह उर्फ अमृतपाल (27) पुत्र हरदेव सिंह उर्फ काकासिंह, हरदीप सिंह उर्फ दीप (26) पुत्र जसपाल सिंह, मक्खिन्द्र सिंह उर्फ लवली (25) पुत्र मलूसिंह व मनप्रीत सिंह उर्फ मनी (26) पुत्र गुरचरण सिंह को धर्मपुरा हरियाणा से दस्तयाब कर अनुसंधान के बाद गिरफ्तार किया गया। मुख्य शूटर जलंधर सिंह उर्फ अमृतपाल तीन माह पहले पंचकूला के सोनू माल्टा हत्या काण्ड में भी वांछित है।

अनूपगढ़ में घग्घर नदी का पानी भारत-पाक सीमा तक पहुंचा

अनूपगढ़, (निसं)। यहां घग्घर नदी का पानी भारत-पाकिस्तान सीमा तक पहुंच चुका है। पिछले एक हफ्ते से नदी का पानी खेतों और रास्तों से होते हुए सीमा चौकियों तक पहुंच गया है।

बीएसएफ के जवान घुटनों तक पानी में डूबे रास्तों पर भी अपनी ड्यूटी निभा रहे हैं। जवान पैदल पेट्रोलिंग कर रहे हैं। नदी के पानी के साथ जहरीले जीव-जंतु भी बह कर आ रहे हैं। फिर भी, सुरक्षा में किसी तरह की कोई ढील नहीं दी जा रही है। जैसलमेर के अनूपगढ़ में भारत-पाकिस्तान के

■ **बीएसएफ के जवान घुटनों तक पानी में डूबे रास्तों पर भी अपनी ड्यूटी निभा रहे हैं**

बॉर्डर तक घग्घर नदी का पानी पहुंच गया है। घुटनों तक पानी आने के बावजूद बीएसएफ जवान अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं।

जैसलमेर के अनूपगढ़ में भारत-पाकिस्तान के बॉर्डर तक घग्घर नदी का पानी पहुंच गया है। घुटनों तक पानी आने के बावजूद बीएसएफ जवान अपनी जिम्मेदारी निभा रहें हैं। सीमा सुरक्षा बल ने आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए चौकियों पर नावें तैयार रख ली हैं। चौकियों के आसपास की जमीन नरम होने के बावजूद जवान पूरी सतर्कता से अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। घग्घर नदी शिवालिक पहाड़ियों से निकलती है। ये हर साल मानसून के दौरान पंजाब से होते हुए राजस्थान और फिर पाकिस्तान की ओर बहती है।

पारिवारिक विवाद में महिला ने आत्महत्या की

कोटा, (निसं)। गुमानपुरा थाना इलाके में पारिवारिक विवाद के चलते महिला ने जहरीला पदार्थ खाकर सुसाइड कर लिया। जानकारी के अनुसार महिला चित्रा पंजवानी ने 15 सितम्बर को पारिवारिक संपत्ति विवाद के चलते घर में जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। महिला को उपचार के लिये निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां महिला की उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतका ने एक सुसाइड नोट भी छोड़ा है। मृतका के बेटे पंकज पंजवानी ने थाने में शिकायत दी है। बेटे ने शिकायत में कहा कि उसकी मां ने सुसाइड नोट में ताऊ गिरधारी लाल, सोना, हनी पंजवानी और एक एएसआई देवकीनंदन का नाम लिखा है। मृतका के परिजनों ने पुलिसकर्मी पर धमकाने का भी आरोप लगाया है। गुमानपुरा थानाधिकारी अनिल टेलर ने बताया कि गुमानपुरा निवासी चित्रा पंजवानी (61) ने पारिवारिक संपत्ति विवाद के चलते जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उसकी मौत हो गई। थानाधिकारी ने बताया कि मृतका के परिजनों की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया। एएसआई व अन्य के खिलाफ जो शिकायत मिली है उसकी जांच की जा रही है।

मादक पदार्थ तस्कर व हत्या के प्रयास के आरोपी गिरफ्तार

अवैध मादक पदार्थ तस्करी में दो साल से फरारी काट रहा था

कोटा, (निसं)। आरकेपुरम पुलिस टीम ने अवैध मादक पदार्थ तस्करी में दो साल से फरारी काट रहे वाहन मालिक आरोपी को गिरफ्तार किया। वहीं हत्या के प्रयास के दर्ज प्रकरण में फरार आरोपी को भी गिरफ्तार किया गया है।

■ **हत्या के प्रयास के दर्ज प्रकरण में फरार आरोपी को भी गिरफ्तार किया गया है**

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि 19 जून 2023 को आरकेपुरम पुलिस टीम ने नयागांव पुलिया के पास कार्यवाही करते हुए एक एम्बुलेंस में तीन किलो अवैध मादक पदार्थ गांजा सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार किया था। शहर एसपी ने बताया कि मामले में एम्बुलेंस मालिक युवराज फरार चल रहा था, जिसकी तलाश के लिये पुलिस उपअधीक्षक मनीष शर्मा के सुपरविजन में आरकेपुरम थानाधिकारी महेन्द्र मारू के नेतृत्व में टीम गठित की गई। शहर एसपी ने बताया कि गठित टीम ने मामले में कार्यवाही करते हुए दो साल से फरार चल रहे झालावाड़ निवासी युवराज को झालावाड़ से गिरफ्तार किया। शहर एसपी तेजस्वनी गौतम ने बताया कि 28 फरवरी को बीयर बार में किसी बात को लेकर फरियादी का सुनील उर्फ बाबू कबाड़ी उसके लड़के व एक अन्य के साथ बहस हो गई थी। जिसके बाद फरियादी बाइक लेकर घर की तरफ जा रहा था उस समय संतोषी नगर चौराहे के पास आरोपियों ने कार से फरियादी की बाइक में टक्कर मार कर उसे गिरा गया और मारपीट कर उसकी बाइक को साथ लेकर फरार हो गये एवं फरियादी की बाइक को जला दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर कार्यवाही करते हुए शेष आरोपी सुनील उर्फ बाबू कबाड़ी को गिरफ्तार किया। घटना में प्रयुक्त कार को भी जब्त कर लिया गया है। पकड़ा गया आरोपी महावीर नगर थाने का हार्डकोर अपराधी है।

पुलिस व के.डी.ए. टीम पर हमला करने के दो आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। नान्ता पुलिस टीम ने अतिक्रमण हटाने के दौरान पुलिस व केडीए टीम पर हमला करने के मामले में फरार चल रहे दो इनामी आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गये आरोपियों पर 5-5 हजार का इनाम घोषित किया हुआ था।

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि 12 अगस्त को ग्राम शंभुपुरा में कोटा विकास प्राधिकरण (केडीए) टीम द्वारा अतिक्रमण हटाने के दौरान अतिक्रमियों द्वारा राजकार्य में बाधा उत्पन्न कर पुलिस व केडीए टीम पर हमला कर दिया। शहर एसपी ने बताया कि मामले में केडीए के तहसीलदार सुरेन्द्र कुमार शर्मा ने 13 अगस्त को नान्ता थाने में मामला दर्ज कराया था। शहर एसपी ने बताया कि तहसीलदार की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिये टीम गठित की गई। गठित टीम द्वारा पूर्व में कार्यवाही करते हुए मामले में 17 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका था। वही मामले में फरार 5-5 हजार के दो इनामी आरोपी शंभुपुरा निवासी राजाराम उर्फ राजू (26) एवं महादेव (24) को गिरफ्तार किया है।

शहर एसपी ने बताया कि केडीए के तहसीलदार सुरेन्द्र शर्मा ने 13 अगस्त को नान्ता थाने में रिपोर्ट दी। रिपोर्ट में कहा कि 12 अगस्त को शंभुपुरा में अतिक्रमण हटाने के दौरान फोरया, महावीर, रामदेव, मोहन, रामकिशन, जगदीश अन्य महिला व पुरूष ने केडीए के कर्मचारियों व मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों पर हमला कर मारपीट की एवं जेसीबी मशीनों को तोड़कर सरकारी सम्पत्ति को नुकसान पहुंचाया। पुलिस ने तहसीलदार की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर 13 अगस्त को 10 आरोपी एवं 8 सितम्बर को 7 आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में भिजवाया गया। शहर एसपी ने बताया कि मामले में फरार चल रहे दो आरोपी राजाराम उर्फ राजू व महादेव को भी गिरफ्तार कर लिया गया है।

विजेन्द्र सिंह गुलाबबाडी हत्याकांड मामले में फरार आरोपी गिरफ्तार

आरोपी सुल्तान गुर्जर पर पुलिस ने 25 हजार रु. का इनाम घोषित कर रखा था

जयपुर (कासं)। करधनी पुलिस और जिला स्पेशल टीम (डीएसटी) जयपुर पश्चिम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए विजेन्द्र सिंह गुलाबबाडी हत्याकांड मामले में पिछले दो साल दस माह से फरार चल रहे 25 हजार रुपये के इनामी आरोपित को पकडा है। वहीं इस मामले में पूर्व में 16 आरोपित गिरफ्तार किए जा चुके है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम हनुमान प्रसाद ने बताया कि करधनी थाना पुलिस और डीएसटी पश्चिम ने 10 नवम्बर 2022 को विजेन्द्र सिंह गुलाबबाडी की हत्या के मामले में दो साल दस माह से फरार चल रहे 25 हजार रुपये के इनामी आरोपित सुल्तान गुर्जर निवासी भांकरोटा हाल कलवाडा जयपुर को गिरफ्तार किया गया है। वहीं इस मामले में शिवराज सिंह

करधनी पुलिस और जिला स्पेशल टीम ने विजेन्द्र सिंह गुलाबबाडी हत्याकांड मामले में पौने 3 साल से फरार आरोपी को दबोचा।

जूसरिया,जितेन्द्र हुलदानी,सागर सिंह, रविन्द्र खानडी सहित 16 आरोपितों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इस मामले में सुल्तान गुर्जर फरार चल रहा था। जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम की ओर से आरोपित की गिरफ्तारी के लिए 25 हजार

- **इस हत्याकांड के बाद पिछले 2 साल 10 माह से फरार था आरोपी सुल्तान**

रुपये का इनामी घोषित किया था।

गौरतलब है कि 10 नवम्बर 2022 को विजेन्द्र सिंह गुलाबबाडी पर बोलेरो में सवार होकर आए आरोपित जितेन्द्र हुलदानी, सागर सिंह, रविन्द्र खानडी सहित अन्य लोगों ने मिलकर के जान से मारने के लिए हमला किया था। जिसे गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उसकी हालत गंभीर होने पर एसएमएस अस्पताल रेफर कर दिया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई थी।

नारी सशक्तिकरण व बाल अधिकारों पर हुआ मंथन

जयपुर । महिलाओं और बच्चों के खिलाफ बढ़ते अपराधों से निपटने के लिए, सेंट्रल डिटेक्टिव ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (सीडीटीआई) जयपुर में महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, राजस्थान सरकार और एएचटीयू, राजस्थान पुलिस की नागरिक अधिकार शाखा के सहयोग से दो दिवसीय इंटर एजेंसी स्टेट कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम का विषय न्यू क्रिमिनल लॉ और अन्य कानूनों में महिला एवं बच्चों से संबंधित प्रावधान व मिशन वात्सल्य की भूमिका था, जिसमें विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया।

सीडीटीआई के निदेशक डॉ अमनदीप सिंह कपूर ने बताया कि कॉन्फ्रेंस के दौरान कई महत्वपूर्ण सत्र आयोजित किए गए। पहले दिन सुश्री श्वेता धनखड़, आईपीएस, डीआईजीपी (नागरिक अधिकार), पीएचक्यू, जयपुर, इस अवसर पर सम्मानित मुख्य अतिथि के रूप में शामिल रही, डॉ. राजीव सोनी ने एनसीएल (नवीन आपराधिक कानून) और अन्य कानूनों में महिलाओं और बच्चों से संबंधित प्रावधानों पर प्रकाश डाला। इसके बाद चंद्रकिरण चोकर, संयुक्त निदेशक, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली ने वात्सल्य पोर्टल की जानकारी और उसकी कार्यप्रणाली पर विस्तृत चर्चा की। दूसरे दिन महिला सशक्तिकरण योजनाओं और नीतियों पर उपनिदेशक महिला एवं बाल विकास विभाग जयपुर डॉ. जगदीश प्रसाद ने अपना संबोधन दिया, जबकि मोहम्मद जुनैद उल इस्लाम,, सलाहकार, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार ,नई दिल्ली ने बाल अधिकारों, जेजे एक्ट 2015 और मिशन वात्सल्य पर बात की। मिस रीमा सैनी, डायरेक्टर साइबरवीर फाउंडेशन ने साइबर सुरक्षा और महिलाओं एवं बच्चों से संबंधित अपराधों के बारे में जानकारी दी।

कॉन्फ्रेंस के समापन सत्र में कई वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम की शुरुआत बीपीआर एन्ड डी और सीडीटीआई की डॉक्यूमेंट्री की स्क्रीनिंग से हुई। इसके बाद डॉ. अमनदीप सिंह कपूर ने सभी का स्वागत किया।

इस दौरान मुख्य अतिथि मालिनी अग्रवाल आईपीएस, डायरेक्टर जनरल, सिविल राइट्स, राजस्थान ने भी अपने विचार व्यक्त किए और अपराधों की रोकथाम में अंतर-एजेंसी समन्वय के महत्व पर जोर दिया।

यू.ई.एम. जयपुर का वार्षिक टेकफेस्ट आयोजित हुआ

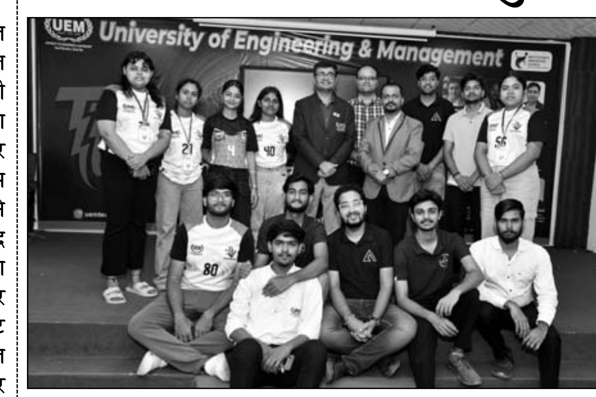

जयपुर । यूनिवर्सिटी ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (यूईएम), जयपुर ने 13-14 सितंबर को अपने विश्वविद्यालय परिसर में अपने प्रमुख वार्षिक प्रौद्योगिकी महोत्सव, टेकयूटोपिया 2025 का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस दो दिवसीय महोत्सव में विभिन्न विभागों के 800 से अधिक छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और नवाचार, तकनीकी प्रतिभा और रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। इस महोत्सव का उद्घाटन शिक्षा जगत, उद्योग जगत और पूर्व छात्रों जैसे प्रतिष्ठित अतिथियों की उपस्थिति में हुआ। कार्यक्रम में डॉ. पी. वी. रमना, एसोसिएट प्रोफेसर, सिविल इंजीनियरिंग, एमएनआईटी जयपुर, डॉ. राजीव अग्रवाल, एसोसिएट प्रोफेसर, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, एमएनआईटी जयपुर, दिनेश कुमार और ओम प्रकाश स्वामी, निदेशक, यूबाय टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड, विवेक चतुर्वेदी, संस्थापक एवं मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी, विधिमा टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड, डॉ. नवीन कुमार शर्मा, सह-संस्थापक एवं मुख्य सूचना अधिकारी, ग्रीनफिंच ग्लोबल कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड, तरुण व्यास, सीईओ, हेल्पफुल इनसाइट प्राइवेट लिमिटेड, विवेक शर्मा, सह-संस्थापक, प्रोविस टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड, फ्रेडी जोसेफ डब्लूयू., वरिष्ठ व्यवसाय प्रबंधक - शिक्षा एवं शैक्षणिक, एसएएस, मोहम्मद खालिद, व्यवसाय विकास प्रबंधक, यूबाय टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड लिमिटेड, अभिनबा गोस्वामी, पूर्व छात्र (बी.टेक-ईसीई, 2017-21), यूईएम जयपुर शामिल हुए। दो दिनों में विविध तकनीकी और रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जैसे डेथ रेस, रोबो सॉकर, प्रोजेक्ट प्रदर्शनी, हैकफिट, कैप्चर द फ्लैग, जेनरेटिव जीनियस 2.0, वेस्ट टू वर्थ, ब्रिज बिल्डर बोनान्ज़ा, एआई और हेल्थकेयर, फ्री फायर गेमिंग चैलेंज, संकाय सदस्यों द्वारा टेड टॉक, और कई अन्य, जिनमें इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी, डिज़ाइन, उद्यमिता और नवाचार के क्षेत्र शामिल थे।

समापन समारोह की अध्यक्षता यूईएम जयपुर के कुलपति प्रो. (डॉ.) बिस्वजय चटर्जी ने की, जिन्होंने टेकयूटोपिया 2025 को सफल बनाने में छात्रों, संकाय सदस्यों और आयोजन टीम के उत्कृष्ट प्रयासों की सराहना की।

जयपुर में राज्य स्तरीय संगोष्ठी 'राजपल्मोकॉन 2025' संपन्न

जयपुर (कासं)। राजस्थान स्टेट चैप्टर ऑफ इंडियन चेस्ट सोसाइटी (आईसीएस) और एनसीसीपी के संयुक्त तत्वावधान में संतोकबा दुर्लभजी मेमोरियल हॉस्पिटल (एसडीएमएच) के श्वास रोग विभाग द्वारा जयपुर में तीन दिवसीय राज्य स्तरीय संगोष्ठी 'राजपल्मोकॉन 2025' हाल ही में संपन्न हुई। इस सम्मेलन में देश और प्रदेश के 400 से अधिक पल्मोनोलॉजिस्ट एवं चिकित्सकों ने भाग लिया।

उद्घाटन समारोह में उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा मुख्य अतिथि और एसडीएमएच, ट्रस्टी, निर्मला दुर्लभजी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। इस अवसर पर उन्होंने प्रदूषण व बदलती जीवनशैली के कारण तेजी से बढ़ते श्वास रोग पर प्रकाश डाला। कहा ऐसे सम्मेलनों से चिकित्सकों को नई जानकारी और शोध का लाभ मिलता है, जिससे आमजन को बेहतर इलाज उपलब्ध कराया जा सकता है। योगेन्द्र दुर्लभजी, सचिव ट्रस्ट ने कहा कि यह कंटिन्यूइंग मेडिकल एजुकेशन (सीएमई) समाज के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यहां साझा हुआ ज्ञान भविष्य की चिकित्सा सेवाओं को नई दिशा देगा। आयोजन अध्यक्ष डॉ. एम. एल. गुप्ता और आयोजन सचिव डॉ. संजय सोगानी ने बताया कि सम्मेलन का आरंभ एसडीएमएच ऑडिटोरियम में इंटरवेंशनल पल्मोनोलॉजी वर्कशॉप से हुआ, जिसमें आधुनिक फेफड़ों की जाँच पद्धतियों व निदान पर प्रशिक्षण दिया गया। इस वर्कशॉप में 100 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

सम्मेलन के दूसरे व तीसरे दिन राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (आरआईसी), जयपुर में वैज्ञानिक सत्र आयोजित हुए। इनमें अस्थमा, सीओपीडी, आईएलडी, क्षयरोग, फेफड़ों का कैंसर, पल्मोनरी हाइपरटेंशन और लंग ट्रांसप्लांटेशन जैसे विषयों पर देशभर के विशेषज्ञों ने व्याख्यान दिए। डॉ. एस.एन. गौड़ ओरेशन में वायु प्रदूषण को सबसे बड़ा खतरा बताया।

जे.डी.ए. प्रशासन आज से एक माह तक लगाएगा शहरी सेवा शिविर : आनंदी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक "सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत शहरी सेवा शिविर लगाए जाएंगे। आयुक्त आनंदी ने बताया कि जेडीए द्वारा ये शिविर अनुमोदित योजनाओं-कॉलोनियों की जन समस्याओं के निराकरण और जेडीए की विभिन्न सेवाओं की समयबद्ध अदायगी के लिए लगाए जा रहे है।

- **इन शिविरों में अनुमोदित योजनाओं के पट्टे, उप विभाजन-पुनर्गठन, भू-उपयोग परिवर्तन, नामान्तरण, लीज मुक्ति प्रमाण पत्र तथा भवन निर्माण स्वीकृति के प्रकरणों के निस्तारण का कार्य किए जाएंगे**
- **इसके साथ ही लीजहोल्ड से फ्रीहोल्ड पट्टे जारी करने, ओ.एफ.सी., मोबाइल टावर, एन.ओ.सी. और रोड कट जैसी अनुमतियां प्रदान करने जैसे काम होंगे।**

इन शिविरों में अनुमोदित योजनाओं के पट्टे, उप विभाजन-पुनर्गठन, भू-उपयोग परिवर्तन, नामान्तरण, लीज मुक्ति प्रमाण पत्र तथा भवन निर्माण स्वीकृति के प्रकरणों के निस्तारण का कार्य किए जाएंगे। इसके साथ ही लीजहोल्ड से फ्रीहोल्ड पट्टे जारी करने, ओ.एफ.सी., मोबाइल टावर, एन.ओ.सी. और रोड कट जैसी अनुमतियां प्रदान करने जैसे काम होंगे। शिविर 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक, सुबह 9:30 बजे से शाम 6 बजे तक आयोजित किए जाएंगे। प्रत्येक जोन के लिए तिथियाँ अलग-अलग निर्धारित की गई हैं, जिससे सभी नागरिक अपनी सुविधानुसार शिविर का लाभ उठा सकेंगे। जेडीए के नागरिक सेवा केन्द्र में जोन 1, 2, 4, 9, 10 में क्रमशः 17 से 20 सितंबर तक लगाए जाएंगे। इसी प्रकार जोन 3, 7, 8, 11, 13 व 14 के कैंप 23 से 26 सितंबर तक लगेंगे। जोन 5, 6 व 12 का शिविर 1,3,6 व 7 अक्टूबर को लगेगा। जोन पीआरएन (उत्तर) के कैंप 8 से 10 अक्टूबर तक जोन कार्यालय चित्रकूट जयपुर में लगेगा। जोन पीआरएन (दक्षिण) के कैंप 14 से 17 अक्टूबर तक जोन कार्यालय पत्रकार कॉलोनी, मानसरोवर, जयपुर में लगेगा।

शिविर के दौरान प्राप्त सभी आवेदनों का निपटारा शिविर के दिनों में ही करने का प्रयास किया जाएगा। शिविर से पहले प्री कैम्प की अवधि में 4 से 16 सितंबर तक प्राधिकरण के जोन कार्यालयों में भी आवेदन लिए जा रहे हैं, जिनका निस्तारण मुख्य कैम्प के दौरान ही किया जाएगा।

साथ ही नगर निगम ग्रेटर और हेरिटेज द्वारा वार्डों में 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक लगाए जाने वाले शिविरों में भी जेडीए के संबंधित जोन के इंजीनियर मौजूद रहेंगे, जो जेडीए क्षेत्राधिकार की अनुमोदित योजनाओं की सड़क मरम्मत, सीवर, स्ट्रीट लाइट, नाली मरम्मत आदि आदि की समस्याओं का मौके पर समाधान करेंगे। इसके जेडीए के समाधान मोबाइल एप का भी प्रयोग किया जाएगा। सेवा पखवाड़ा के लिए जेडीए अतिरिक्त आयुक्त (प्रशासन) प्रिया बलराम शर्मा को नोडल अधिकारी एवं संयुक्त आयुक्त (सिस्टम मैनेजमेंट) सुभाष चंद बोहरा को सह-नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

सार-समाचार

मॉडल टाउन में बंदरों का उत्पात

जयपुर । राजधानी के जगतपुरा रोड स्थित मॉडल टाउन की विभिन्न कॉलोनियों में बंदरों का उत्पात दिन प्रतिदिन बढ़ रहा है। जिससे लोग काफी परेशान हैं। बंदर बच्चों और राहगीरों को काटने सहित छत पर सूख रहे कपड़ों को फाडने, पानी की टंकिया तोड़ने, पेड़-पौधों के गमलों आदि का नुकसान कर रहे हैं। स्थानीय वाशिंदों का कहना है बंदरों के बड़ी संख्यां में झुण्ड के झुण्ड प्रतिदिन सवेरे और शाम को विचरण कर घरों में रखे छोटे-छोटे पौधों को नष्ट कर रहे हैं और खाद्य पदार्थों को भी बर्बाद कर देते हैं। स्कूल आने-जाने वाले विद्यार्थी और घर के आंगन में खेल रहे मासूम बच्चे भी बंदरों के हमले से सुरक्षित नहीं हैं। झालाना के जंगलों से आ रहे ये बंदर गलियों और छतों पर झुंड में घूमते हैं। बच्चों से खाने-पीने की चीजें छीन लेते हैं। महिलाओं पर हमला करते हैं। कई बच्चे और बुजुर्ग पहले ही इनके हमलों का शिकार हो चुके हैं। बंदरों के अचानक झपट्टा मारने से लोग भयभीत हैं।

इटर्नल हॉस्पिटल का इंटरैक्टिव सैशन

जयपुर । इटर्नल हॉस्पिटल और सेंटवेव ऑर्गनाइजेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित विशेष इंटरैक्टिव सैशन में डॉ. हर्ष उदवात, डायरेक्टर और एचओडी गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी विभाग और डॉ. संदीप नुनिया, सीनियर कंसल्टेंट यूरोलॉजी विभाग ने अपने विषयों पर विस्तृत चर्चा की। डॉ. हर्ष उदवात ने बताया कि पाचन तंत्र की समस्याएं जैसे कि पेट में दर्द, गैस, एसिडिटी और पेट के अंदर सूजन का इलाज समय रहते किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि नियमित स्वास्थ्य जांच, संतुलित भोजन, व्यायाम और तनाव प्रबंधन से पाचन तंत्र की समस्याओं को रोका जा सकता है। डॉ. संदीप नुनिया ने बताया कि यूरोलॉजी से संबंधित समस्याएं जैसे कि यूरिनरी ट्रैक्ट इन्फेक्शन, किडनी स्टोन और प्रोस्टेट समस्याएं का इलाज समय रहते किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि नियमित स्वास्थ्य जांच और सही इलाज से इन समस्याओं को रोका जा सकता है। इस इंटरैक्टिव सेशन में उपस्थित अतिथियों और श्रोताओं ने प्रश्न पूछे जिनका समाधान विशेषज्ञों ने किया। संस्था की संस्थापक अध्यक्ष शिवाली गुप्ता ने बताया कि इस तरीके के स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन संस्था के द्वारा लगातार ही किया जाता रहा है। इस जागरूकता कार्यक्रम में विक्रम शर्मा, सागर जांगिड़, कमलनयन खंडेलवाल, नीरू शर्मा ,ऊषा भंडारी ,कमलेश सोनी ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई ।कार्यक्रम का मंच संचालन सोनल माथुर ने किया। कार्यक्रम में सेंटवेव ऑर्गनाइजेशन और इटर्नल हॉस्पिटल के पदाधिकारियों ने आभार व्यक्त किया।

''दिल से-फिर एक बार'' का फिनाले आज

जयपुर । जयपुर के पहले विंटेज किंग और विंटेज क्वीन का चयन 17 सितम्बर को होने वाले 'दिल से-फिर एक बार' संगीत प्रतियोगिता के ग्रैंड फिनाले में होगा। इस अनूठे मुकाबले में 60 वर्ष या इससे अधिक उम्र के गायक कलाकार ही हिस्सा ले रहे है। इसका आयोजन सुपर 60 क्लब की ओर से देवरञ्जनी म्यूजिक स्कूल के सहयोग से किया जा रहा है। फिनाले विद्याश्रम स्कूल परिसर स्थित महाराणा प्रताप ऑडिटोरियम में शाम छः बजे से होगा। कार्यक्रम में विशिष्ठ अतिथि के रूप में पद्मश्री से सम्मानित चार विभूतियाँ शाकिर अली, उस्ताद मोईनुद्दीन खान, मुन्ना मास्टर और बतूल बेगम शिरकत करेंगी। अन्य अथितियों में श्री राजेंद्र बोड़ा, अनिल बजाज, शिव कुमार बाकोलिया और आयुष कल्ला शामिल है। देवरञ्जनी म्यूजिक स्कूल की निदेशक सरिता द्विवेदी ने बताया कि पुरुष और महिला वर्ग में पहले और दुसरे रनर अप का ख़िताब भी दिया जाएगा। विजेताओं को सैश, क्राउन, पुरस्कार और ट्रॉफी भेंट कर सम्मानित किया जाएगा। फिनाले में जगह बनाने वाले अन्य प्रतियोगियों को सांत्वना पुरस्कार दिए जाएंगे। ऑडिशन राउंड और सेमिफाइनल में कामयाबी हासिल कर फिनाले में जो गायक-गायिकाएं अपना भाग्य आजमा रहे हैं वे हैं - राजकुमार लोटा, मन मोहन सिंह रावत, राजीव सक्सेना, संगीता कपूर, अरविन्द अग्रवाल, ओम प्रकाश अग्रवाल, टी.जी. राजन, शशि परनामी, गिरिराज सिंह, डॉ शरद निमावत, मीनू ताहीन और अन्ना अशोक।

ओसवाल सोप ग्रुप के लक्की ड्रा में विजेताओं को बांटे पुरस्कार

जयपुर । ओसवाल सोप ग्रुप की ओर से 'ओसवाल सोप ग्रुप का लक्की ड्रा 2024-25' का भव्य आयोजन जयपुर के आगरा रोड, रिंग रोड प्रोजेक्ट के पास स्थित बगराना स्थित कॉर्पोरेट ऑफिस में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राजस्थान प्रशासनिक सेवा के पूर्व अधिकारी राजेन्द्र किशन, विशिष्ट अतिथि के रूप में आयकर विशेषज्ञ डॉ. सीए विजय गोयल तथा विशेष आमंत्रित अतिथि के रूप में प्रतिष्ठित उद्योगपति रामबाबू सर्राफ उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ ओसवाल ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर्स देवेन्द्र कुमार जैन और सुरेन्द्र कुमार जैन ने सभी अतिथियों का स्वागत-सत्कार कर किया। इस अवसर पर लक्की ड्रा 2025 का परिणाम पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से, मोबाइल एप

के माध्यम से निकाला गया।

इस वर्ष के लक्की ड्रा में प्रथम पुरस्कार के रूप में एक कार, द्वितीय पुरस्कार के रूप में 20 मोटरसाइकिलें तथा तृतीय पुरस्कार के रूप में 30 स्प्लिट एसी सहित कुल 25,001 पुरस्कार वितरित किए गए।

मुख्य अतिथि राजेन्द्र किशन ने कहा कि उनका ओसवाल ग्रुप से आत्मीय संबंध रहा है और वे सदैव इसकी सादगी और सिद्धान्तों से प्रभावित रहे हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि सरकार को व्यापारिक हितों को ध्यान में रखते हुए टैक्स के स्थान पर 'अनुदान' शब्द को बढ़ावा देना चाहिए। विशिष्ट अतिथि डॉ. सीए विजय गोयल ने कहा कि निष्ठा, मेहनत और सेवा का भाव हर क्षेत्र में सफलता की कुंजी है। विशेष आमंत्रित अतिथि रामबाबू सर्राफ ने ओसवाल ग्रुप की गुणवत्ता की प्रशंसा करते हुए कहा कि आज 'ओसवाल' नाम गुणवत्ता और भरोसे का पर्याय बन चुका है।

- **विजेताओं को कार, बाइक, एयर कंडीशनर समेत 25001 पुरस्कार बांटे**

एमडी अजय जैन ने कहा कि इस लक्की ड्रा का उद्देश्य सभी रिटेलरों व व्यापारिक बंधुओं को प्रोत्साहित करना तथा उन्हें अपने-अपने क्षेत्रों में अधिकतम कूपन वितरण हेतु प्रेरित करना था। इस पहल को रिटेलरों द्वारा खूब सराहा गया।

कार्यक्रम के अंत में एमडी देवेन्द्र कुमार जैन और सुरेन्द्र कुमार जैन ने सभी अतिथियों और व्यापारिक सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर एमडी अजय जैन का जन्मदिन भी धूमधाम से मनाया गया और सभी ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उल्लेखनीय है कि ओसवाल सोप ग्रुप राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, गुजरात, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और मध्यप्रदेश सहित कई राज्यों में सफलतापूर्वक अपना व्यवसाय कर रहा है और गुणवत्ता व सेवा के लिए जाना जाता है।

बी.एस.एन.एल. में विचार गोष्ठी

जयपुर । राजभाषा हिन्दी को बढ़ावा देने एवं रोजमर्रा के सरकारी कार्यों में हिन्दी का अधिकाधिक प्रयोग करने की दृष्टि से बीएसएनएल के जयपुर स्थित सभी कार्यालयों में हिन्दी पखवाड़ा संयुक्त रूप से कार्यालय प्रधान महाप्रबंधक दूरसंचार जिला जयपुर में 29 सितंबर तक मनाया जायेगा। इस कड़ी में मंगलवार को कार्यालय प्रधान महाप्रबंधक दूरसंचार जिला जयपुर के सभागार में एक विचार गोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं वक्ता कृष्णकान्त पाठक, आईएएस, शासन सचिव कार्मिक विभाग थे। विशिष्ट अतिथि प्रोफ़ेसर प्रबोध गोविल, पूर्व निदेशक, संचार एवं पत्रकारिता, ज्योति विद्यापीठ, महिला विश्वविद्यालय थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विक्रम मालवीय, मुख्य महाप्रबंधक बीएसएनएल राजस्थान परिमंडल ने की।

जापान की प्रगति से सीख लेकर विकसित भारत के लिए काम करें : हरिभाऊ बागड़े

शिक्षा ऐसी हो, जिसमें सभी प्रश्नों का उत्तर मिले; नई पीढ़ी को प्राचीन भारतीय ज्ञान से जोड़ें : राज्यपाल

जयपुर । राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि जापान में द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान परमाणु बम गिराया गया। इसके बावजूद उसने अपने आपको संभाला ही नहीं बहुत तेजी से सभी क्षेत्रों में प्रगति की है। उन्होंने जापान की प्रगति से सीख लेते हुए युवाओं को राष्ट्र प्रगति के लिए कार्य करने का आव्हान किया। उन्होंने अंग्रेजों द्वारा देश को गुलाम बनाने, गुरुकुल विद्या पद्धित समाप्त कर मैकाले द्वारा अंग्रेजी शिक्षा पद्धित को लागू करने से हुए नुकसान की चर्चा करते हुए कहा कि देश की नई शिक्षा नीति राष्ट्र को विकास पथ पर आगे ले जाने वाली है। उन्होंने बांसवाड़ा की वीरांगना कालीबाई की चर्चा करते हुए कहा कि ऐसे गौरवमय चरित्रों से सीख लें। उन्होंने विद्यार्थियों को एकाग्रता और अभ्यास से अपने को निखारने पर जोर दिया। उन्होंने देश की नई शिक्षा नीति के आलोक में नवाचार अपनाते हुए युवाओं को विकसित भारत में भागीदारी किए जाने का आव्हान किया।

राज्यपाल बागडे मंगलवार को इंडिया-जापान इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस 'बायकॉन-2025' में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बियानी कॉलेज में ग्लोबल लैंग्वेज लेब का भी शुभारंभ किया।

उन्होंने कहा कि युवा भारत की सबसे बडी ताकत है। यह शक्ति यदि उच्च शिक्षा से भारत

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े

को आगे बढ़ाने में लगे तो वैश्विक सहयोग से राष्ट्र विकास के लिए तेजी से कार्य होगा। उन्होंने कहा कि सूचना और संचार प्रौद्योगिकी ने भाषाओं को दुरूहता को समाप्त कर दिया है। ऐसे समय में वैश्विक भाषा की समझ से जुड़ी ग्लोबल लैंग्वेज लैब जापानी भाषा एवं अन्य विदेशी भाषाओं को सीखना आसान करेगी।

राज्यपाल ने मुंबई में तलपड़े बंधु द्वारा मानवरहित, हवा से भारी विमान का निर्माण करने और इसे मुंबई के चौपाटी बीच के ऊपर उड़ाने की चर्चा करते हुए कहा कि भारत में हुए इस आविष्कार का श्रेय राइट बंधुओं को मिला। उन्होंने कहा कि गुरुत्वाकर्षण सिद्धांत भारत की देन है पर इसे न्यूटन का आविष्कार बताया जाता है।उन्होंने प्राचीन भारतीय ज्ञान से नई पीढ़ी को जोड़े जाने का आ ान करते हुए कहा कि इसी से हम अपने स्व को जान सकेंगे। उन्होंने कहा कि विश्व की बड़ी से बड़ी कम्पनियों में अस्सी प्रतिशत से अधिक दक्ष भारतीय मूल के हैं।

उन्होंने शिक्षा और उद्योग के क्षेत्र में ज्ञान एवं अनुभव के आदान-प्रदान के अधिकाधिक प्रयास किए जाने का आव्हान किया है। उन्होंने जापान को अग्रणी देश बताया पर कहा कि वहाँ युवाओं का प्रतिनिधित्व कम है। भारत में अधिक युवा आबादी है। दोनों देशों के बीच शैक्षिणक, पेशेवर और सांस्कृतिक सहयोग से राष्ट्र तेजी से आगे बढ़ेगा। उन्होंने देश में डिजिटल क्रांति, नीतिगत सुधारों और वैश्विक एकीकरण से शिक्षा और उद्योग क्षेत्र में विकास किए जाने की आवश्यकता जताई। राज्यपाल ने कहा कि देश में इस समय 1 हजार 362 विश्वविद्यालय है। देश में 2020 में 42 हजार 343 कॉलेज थी जो आज बढ़कर 52 हजार 538 हो गए है। उन्होंने कहा कि सरकारी के साथ साथ निजी कॉलेज उद्योगों के साथ समन्वय कर राष्ट्र की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए कार्य करे।

जेडीए ने पी.एस.जे.ज्वैलर्स की पांच मंजिला बिल्डिंग सीज की

जयपुर । जयपुर विकास प्राधिकरण के प्रवर्तन दस्ते ने वैशाली नगर स्थित गांधी पथ पर पी.एस.जे. ज्वैलर्स की पांच मंजिला बिल्डिंग को सीज कर दिया।

उप महानिरीक्षण पुलिस राहुल कोटोकी ने बताया कि गांधी पथ चित्रकूट सेक्टर नंबर-2 के भूखण्ड संख्या 2/11 में पी.एस.जे. ज्वैलर्स द्वारा गंभीर सेटबैक का उल्लंघन कर 5 मंजिला व्यवसायिक इमारत बनायी जा रही थी। निर्माणकर्ता सरदारशहर चूरू निवासी राजेश सोनी को जे.डी.ए. प्रशासन ने पिछले दिनों नोटिस भी थमाया था, परंतु उसने अवैध निर्माण कार्य बंद नहीं किया। इस पर जे.डी.ए. ने निर्माणकर्ता को धारा 32-33 के नोटिस थमाया, परंतु इसके बावजूद भी उसने निर्माण कार्य जारी रखा। इस पर जेडीए प्रशासन ने मंगलवार को पूरी बिल्डिंग सीज कर दी।

इसी प्रकार जोन-12 स्थित ग्राम दहमीकलां बगरू ऑफिसर्स कॉलोनी के भूखण्ड संख्या 42 में भी 4 मंजिला हॉस्टल का अवैध निर्माण किया जा रहा था। नोटिस देने के बावजूद भी निर्माणकर्ता ने मनमानी से कार्य जारी रखा, इस पर इस इमारत को भी पुख्ता सील कर दिया।

बगरू स्थित ग्राम दहमीकलां में करीब 3 बीघा कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन और बिना भू-रूपान्तरण अवैध कॉलोनी

- **बगरू के दहमीकलां में भी चार मंजिला अवैध हॉस्टल को सीज किया**
- **जगतपुरा क्षेत्र में सड़क सीमा से हटाए अवैध अतिक्रमण**

'7-आरजी'' बसाई जा रही थी, जिसे जेडीए टीम ने ध्वस्त किया।

जोन-14 स्थित ग्राम वाटिका में खसरा नं. 1976 में करीब 2 बीघा कृषि भूमि पर काटी जा रही अवैध कॉलोनी को भी खुर्द-बुर्द किया। ग्राम पुरूषोत्तमपुरा उर्फ दादियां, जिला जयपुर के खसरा नं. 84, 85, 86 व 93 में करीब 6 बीघा कृषि भूमि पर बसाई जा रही अवैध कॉलोनी भी ध्वस्त की। ग्राम शिकारपुरा से जसवालों की ढाणी जाने वाली 30 फीट रोड सीमा पर अतिक्रमण कर बनाई गई बाउण्ड्रीवाल और लेटबाथ को ध्वस्त किया। इसी प्रकार जगतपुरा 7 नं. बस स्टेण्ड से एस.के.आई.टी. रोड, सी.बी.आई. फाटक से महल रोड, एन.आर.आई. चौराहा तक दोनों तरफ सड़क सीमा में अस्थाई अतिक्रमण कर लगाये गये थड़ी-ठेले, बांस-तम्बू, तिरपाल, झुग्गी-झोपडी, टेबल, कुर्सियां, होर्डिंग व साईन बोर्ड को हटाया।

Celebrating the Soul of Storytelling Through Song

International Country Music Day, observed on September 17, celebrates one of the most beloved music genres worldwide. Rooted in folk traditions, storytelling, and soulful melodies, country music has evolved into a global phenomenon that connects people through its heartfelt lyrics and rustic charm. The day honours legendary artists who shaped the genre as well as emerging voices keeping the tradition alive. From classic ballads to modern country-pop fusions, the music resonates with themes of love, resilience, and everyday life. Celebrated with concerts, playlists, and fan gatherings, it's a tribute to the enduring power of country music.

#PAINTING

"The Kiss"

Francesco Hayez's Timeless Expression of Passion and Patriotism

Francesco Hayez's 'The Kiss' (Italian: Il Bacio) is one of the most iconic paintings of 19th-century Italian Romanticism. Painted in 1859, it depicts a young couple locked in a deeply passionate kiss, captured at a fleeting, intimate moment. But beyond its sensuality, the painting is rich in symbolism and subtle political meaning.

Visual Description

The composition is deceptively simple. The young man leans into the woman, one foot already set to depart, suggesting urgency, and perhaps, danger. His body is partially turned away, his face nearly obscured, but the kiss is firm and urgent. The woman, dressed in a flowing blue gown, tilts backward slightly, returning the kiss with equal intensity. Her bare arm and exposed shoulder add to the emotional and physical intimacy of the moment. They are positioned at the foot of a stone staircase, with soft, diffused light falling on them from the left. A shadow looms in the background, barely noticeable but heightening the sense of secrecy and tension. The colours are rich but muted, earthy browns, soft blues, and the man's deep red cloak, adding to the mood of romantic melancholy.

Themes of Passion and Romance

At first glance, The Kiss is a celebration of romantic love, a pure and intense moment of connection. The lovers appear unaware of the world around them, completely absorbed in their embrace. Their kiss is not coy or reserved but deeply passionate, conveying urgency, tenderness, and a longing that suggests they may be parting. The body language is dynamic and emotional. The man's protective yet departing posture, and the woman's openness, evoke both desire and sorrow, as if the kiss is both a greeting and a farewell. Hayez masterfully captures the emotional complexity of love: both its ecstasy and its vulnerability.

A Hidden Political Message

While the painting is famous for its romanticism, it was also created at a time of great political upheaval in Italy. In 1859, Italy was in the midst of the Risorgimento, the movement for Italian unification. Many scholars interpret *The Kiss* not just as a love story, but as a symbol of patriotic sacrifice. The man's cloak, red, the colour of the Italian flag, hints that he may be a revolutionary, about to depart for a cause greater than personal love. The kiss becomes a metaphor for love of country, for the painful sacrifices made in the name of freedom. Hayez, a known supporter of unification, infused this private moment with a nationalistic undertone, making the personal political.

Legacy and Interpretation

Over the years, *The Kiss* has become a symbol of Romantic-era emotion, embodying the ideals of beauty, love, and sacrifice. It continues to resonate with modern viewers not only because of its sensuality but also because of its underlying tension between duty and desire, love and loss.

Whether viewed as a tender farewell, a stolen moment, or a patriotic gesture disguised as romance, Francesco Hayez's *The Kiss* remains a masterpiece of emotional storytelling through art.

#RITUAL

A Shraddha Story

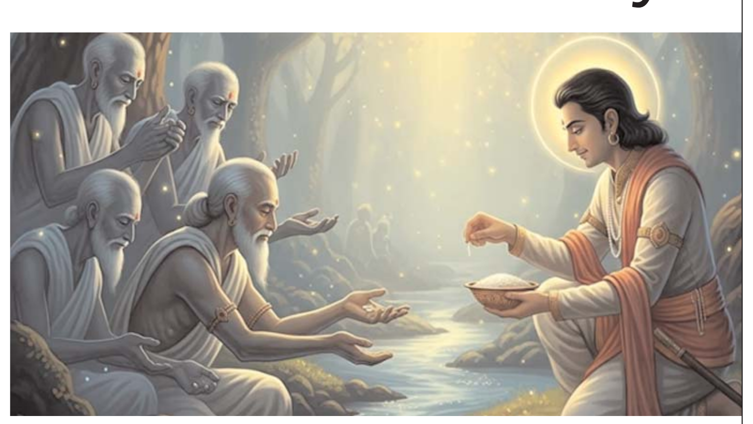

A well-known mythological tale from the Mahabharata era explains the significance of Shraddha rituals. After Karna, the noble and charitable warrior, died, his soul reached heaven. However, he was served gold and jewelry as food, which failed to satisfy his hunger. Karna asked Lord Indra why he wasn't being given proper food. Indra explained that during his life, he, Karna, had only donated gold and valuables but had never offered food (Anna Daan) to his ancestors. As a result, he could not clear his ancestral debt (Pitru Rin) and was served what he had donated.

Karna admitted he had no knowledge of his ancestors and pleaded with Indra for a chance to correct his mistake. Indra granted him 16 days to return to Earth. Karna performed Tarpan and donated food to his ancestors with devotion. This period became known as Pitru Paksha (16 days dedicated to ancestors), marking the beginning of Shraddha rituals. It is believed that since then, the tradition of Shraddha has been practiced to honour ancestors and ensure their salvation.

A Tiny Typo May Explain a Centuries-Old Mystery

In the new study, Falk and Wade suggest the scribe incorrectly transcribed two key words that place *The Song of Wade* within an entirely new context. Their new translation reads: "Some are wolves and some are adders; some are sea-snakes that dwell by the water." Changing 'elves' and 'sprites' to 'wolves' and 'sea-snakes' "shifts this legend away from monsters and giants into the human battles of chivalric rivals," says Falk in the statement. The images are more grounded in the tribulations of romance, which the researchers argue also better fit Chaucer's later allusions to the poem.

The manuscript that contains excerpts from 'The Song of Wade.'

#RESEARCH

● Christian Thorsberg

Throughout history, connecting with younger generations has always been a challenging pursuit. But in the 12th century, one brave preacher gave it his best shot, delivering a sermon in Latin that included a brief pop culture reference. While we don't know whether he successfully kept his medieval congregation entertained, the sermon has captured the interest of literary historians through the present day.

Rediscovered in 1896 in the University of Cambridge's archives, the sermon quotes several lines from *The Song of Wade*, which was a popular romantic poem at the time. "Here we have a late-12th-century sermon deploying a meme from the hit romantic story of the day," Seb Falk, a historian at the University of Cambridge, says in a statement. "This is very early evidence of a preacher weaving pop culture into a sermon to keep his audience hooked."

The Song of Wade was so well-known in its heyday that major European writers continued to cite the story in their works for several centuries. Readers seemed to know enough about Wade to immediately understand any references to him, so, writers typically mentioned the character with little other context.

> Today's readers lack that familiarity. No physical copies of The Song of Wade have survived, forcing historians to speculate about what exactly the poem may have said. The few lines quoted in the preacher's sermon are the best direct links to understanding both the poem and subsequent texts alluding to it, which include, most notably, two pieces by Geoffrey Chaucer, including one story from The Canterbury Tales. But the exact wording of the sermon itself has been the subject of debate since at least the late 1500s.

If you knew, you knew.

But today's readers lack that familiarity. No physical copies of The Song of Wade have survived, forcing historians to speculate about what exactly the poem may have said. The few lines quoted in the preacher's sermon are the best direct links to understanding both the poem and subsequent texts alluding to it, which include, most notably, two pieces by Geoffrey Chaucer, including one story from The Canterbury Tales.

But the exact wording of the sermon itself, copied by a scribe in an unsteady calligraphy, has been the subject of debate since at least the late 1500s. "Lots of very smart people have torn their hair out over the spelling, punctuation, literal translation, meaning and context of a few lines of text," James Wade, a literary scholar at the University of Cambridge who has no relation to the poem's titular character, says in the statement.

Some experts say the new study could help deepen our understanding of medieval literature.

Now, Falk and Wade think they have made a breakthrough. In a study published this week in the journal *The Review of English Studies*, the researchers argue that the modern English translation of the poem from the sermon contains a typo. For more than a century, scholars had assumed that an excerpt from the poem read: "Some are elves and some are adders; some are sprites that dwell by waters." The passage suggests the poem deals in a world of magical or mythological creatures.

> **What is The Canterbury Tales about?**
>
> **Written** in the 14th century, Chaucer's Canterbury Tales include 24 stories told by pilgrims traveling to the shrine of St. Thomas Becket in Canterbury, England.

In the new study, Falk and Wade suggest the scribe incorrectly transcribed two key words that place *The Song of Wade* within an entirely new context.

Their new translation reads: "Some are wolves and some are adders; some are sea-snakes that dwell by the water." Changing 'elves' and 'sprites' to 'wolves' and 'sea-snakes' "shifts this legend away from monsters and giants into the human battles of chivalric rivals," says Falk in the statement. The images are more grounded in the tribulations of romance, which the researchers argue also better fit Chaucer's later allusions to the poem. "There is nothing mythological in it," Wade says in a video released by the university. "It's a story of human aggression, a story of chivalry, a story of courtly intrigue and a story of fin'amor. And that makes much better sense with the way that Chaucer is using this reference in his writings."

> "I'd be cautious about claiming that this is a revolutionary way of understanding Chaucer," says Stephanie Trigg, a literary scholar at the University of Melbourne, to the publication. "They really thicken the net of allusions and references that sit behind these tantalizing fragments. Am I convinced that our reading of either Chaucerian text is going to change dramatically? Not really." This isn't the first time that Wade's scholarship has generated headlines.

In his poem *Troilus and Criseyde*, the character Pandarus tells the story of Wade to a woman to 'stir her passions,' per the statement. And in The Canterbury Tales' 'The Merchant's Tale,' Wade is evoked during a discussion of marrying younger women.

"I think they are right that he must be a knight from a lost romance rather than a giant from English folklore," Richard North, a literary scholar at University College London who was not involved in the study, tells the New York Times' Stephen Castle.

However, others have urged caution. "I'd be cautious about claiming that this is a revolutionary way of understanding Chaucer," says Stephanie Trigg, a literary scholar at the University of Melbourne, to the publication. "They really thicken the net of allusions and references that sit behind these tantalizing fragments. Am I convinced that our reading of either Chaucerian text is going to change dramatically? Not really."

This isn't the first time that Wade's scholarship has generated headlines. Two years ago, he found a medieval comedy routine inside a 15th-century text called the Heege manuscript. The text revealed that medieval minstrels had 'the instinct to self-ironize, to use crude bodily humour, to use slapstick and situational comedy, and the willingness to make the audience the butt of the joke,' Wade told Salon's Matthew Rozsa in 2023.

rajeshsharma1049@gmail.com

Seb Falk and James Wade, the authors of the new study.

Peterhouse MS 255 open at the Sermon's mention of Wade.

#HISTORY

A Bit Of India In Balochistan

The Brahui Language: An Island of Dravidian Speech in Balochistan

Nestled in the rugged landscapes of Balochistan, spanning parts of Pakistan, Iran, and Afghanistan, is a linguistic treasure that puzzles linguists and captivates cultural historians alike, the Brahui language. Spoken by the Brahui people, this language stands out as a unique Dravidian tongue surrounded almost entirely by Iranian languages, making it a fascinating subject of study for anyone interested in the complexities of language, culture, and history.

The Brahui people.

What is Brahui?

Brahui is a member of the Dravidian language family, which also includes well-known languages like Tamil, Telugu, Kannada, and Malayalam, predominantly spoken in southern India. However, Brahui is spoken far from these heartlands, primarily in the arid and mountainous province of Balochistan in southwestern Pakistan. Despite being geographically isolated from other Dravidian languages by thousands of kilometers, Brahui has survived for centuries as the mother tongue of around 2.2 million people (estimates vary), making it a significant linguistic community in the region.

Linguistic Features and Origins

Brahui's Dravidian roots are evident in its vocabulary and grammatical structure. It shares core features such as agglutination, the way words are formed by stringing together morphemes, and a system of verb conjugation and noun declension characteristic of Dravidian languages. The origin of Brahui remains a subject of scholarly debate. Some theories suggest that Brahui speakers are remnants of a once widespread Dravidian-speaking population that covered much of the Indian subcontinent before the arrival of Indo-Aryan languages. Others argue that Brahui speakers migrated to Balochistan in more recent centuries from the south.

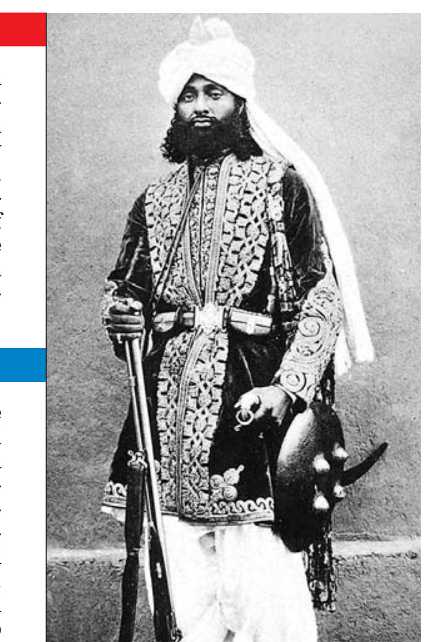

Brahui chief.

Brahui and Its Neighbours

The linguistic environment of Balochistan is dominated by Balochi, an Iranian language, along with Pashto, Sindhi, and Persian influences. Brahui has been in contact with these languages for centuries, resulting in significant borrowing of vocabulary, especially from Balochi and Persian. Despite these influences, Brahui has retained its core Dravidian structure, a testament to the resilience of the Brahui people and their cultural identity.

Cultural and Social Significance

Language is a key marker of identity for the Brahui people, who are primarily pastoralists and agriculturists living in scattered communities across Balochistan. Brahui poetry, folklore, and oral traditions enrich the cultural tapestry of the region and help preserve the language across generations. In recent years, efforts have been made to promote Brahui through education and literature. Local radio programs, books, and poetry collections in Brahui aim to strengthen the language's presence amidst increasing pressures from dominant regional languages.

Challenges and the Future of Brahui

Like many minority languages worldwide, Brahui faces challenges of language shift and attrition. Urbanization, migration, and the dominance of Urdu and English in education and media threaten its use among younger generations.

However, renewed cultural pride and community-led initiatives provide hope for the language's preservation. Linguists and activists emphasize the importance of documentation, education, and media presence to ensure that Brahui continues to thrive.

The Brahui language is a remarkable linguistic anomaly, a Dravidian language thriving far from its family roots, surrounded by Iranian languages in the heart of Balochistan. It stands as a living testament to the complex history and rich cultural mosaic of South Asia.

Understanding and preserving Brahui is not only important for linguistic diversity but also for appreciating the deep historical connections that link different peoples across the subcontinent.

THE WALL

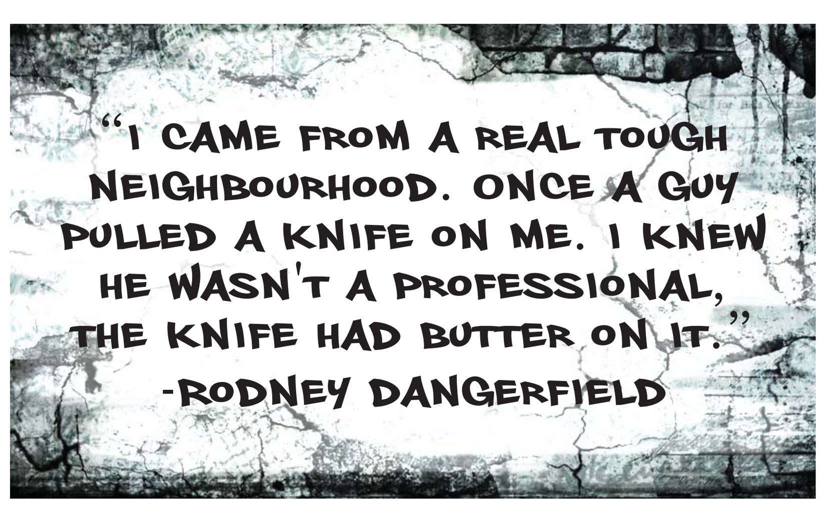

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

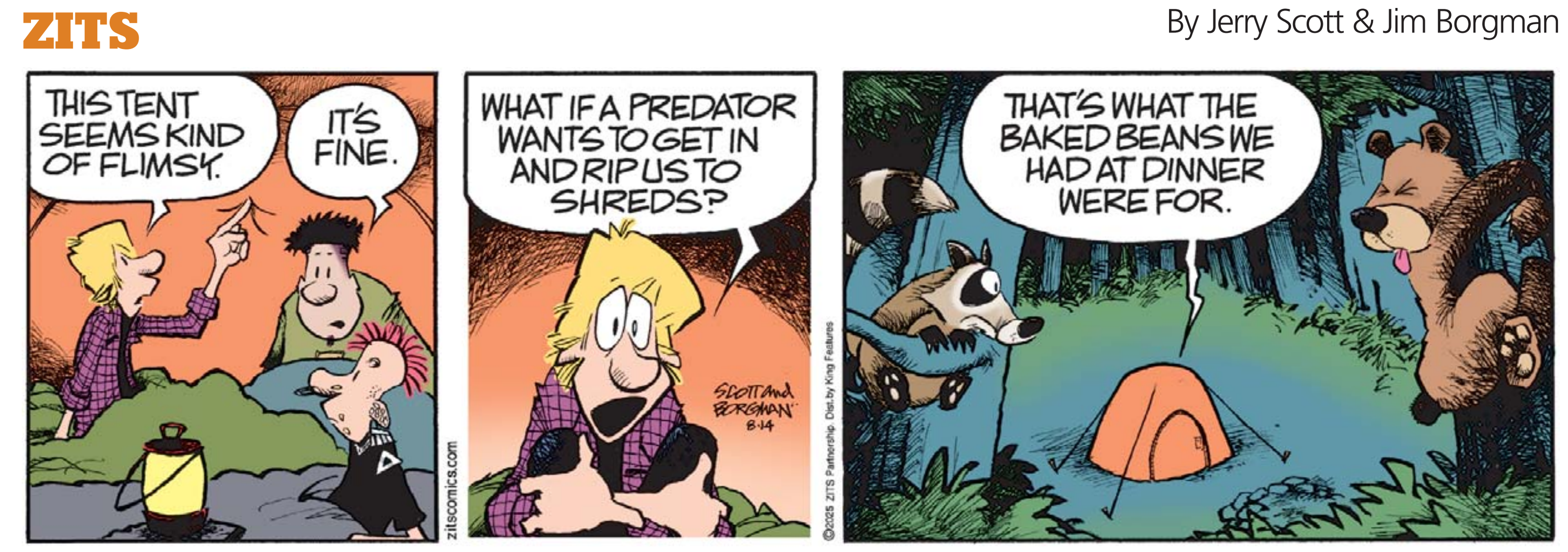

अलवर के सड़क तंत्र के विकास को लेकर दिल्ली में बैठक हुई

अलवर/खैरथल। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री एवं अलवर सांसद भूपेंद्र यादव व वन राज्य मंत्री संजय शर्मा के नेतृत्व में अलवर के विकास को लेकर अलवर क्षेत्र से विधायक, पूर्व विधायक एवं पार्टी पदाधिकारी का प्रतिनिधि मंडल ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग तथा जहाजरानी मंत्री नितिन गडकरी के साथ बैठक कर अलवर लोकसभा क्षेत्र में सड़क तंत्र के विस्तार उसे सुदृढ़ करने व नये निर्माण कार्यों के संबंध में विस्तार से मांग रखी।

दिल्ली में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के आवास पर अलवर के विकास को लेकर बैठक हुई।

- बैठक में अलवर लोकसभा क्षेत्र में सड़क मार्ग विस्तार व नये निर्माण कार्यों की सैद्धांतिक सहमति के रूप में सौगातें मिली

अलवर के विकास को लेकर केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के दिल्ली निवास पर मंगलवार को हुई बैठक में केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव, वन राज्य मंत्री संजय शर्मा सहित तिजारा विधायक महंत बालकनाथ योगी, रामगढ़ विधायक सुखवंत सिंह, जिला प्रमुख बलवीर छिल्लर, सड़क एवं परिवहन मंत्रालय सचिव उमाशंकर, जिला अध्यक्ष अशोक गुप्ता एवं महासिंह चौधरी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी बीड़ा अतुल प्रकाश, पूर्व विधायक किशनगढ़ बास रामहेत सिंह यादव, पूर्व विधायक मनजीत चौधरी, पूर्व विधायक जयराम जाटव, पूर्व विधायक मामन सिंह यादव, प्रधान दौलत राम जाटव व वीरवती देवी, संजय नरूका, बलवान सिंह यादव, मोहित यादव, बस्तीराम यादव, संदीप दायमा, बन्ना राम मीणा, इंद्र यादव सहित अनेक जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

बैठक में अलवर सांसद व केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव, वन राज्य मंत्री संजय शर्मा सहित जन प्रतिनिधियों ने सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी का अलवर दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे, सरिस्का एलिवेटेड रोड परियोजना, पनियाला-बड़ौदा मेव एक्सप्रेस-वे (भारतमाला परियोजना), तथा सीआर आईएफ परियोजनाओं की सौगातों पर आभार व्यक्त किया। इस दौरान केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने अलवर लोकसभा क्षेत्र की सड़क विकास आवश्यकताओं और प्रस्तावित नए प्रोजेक्ट्स की विस्तृत प्रेजेंटेशन देते हुए बताया कि प्रगतिरत मुंडावरा-तालवृक्ष-कुशालगढ़-नटनी का बारां एंव अलवर (बड़ौदा मेव) से आगरा स्पर के तहत कार्य का कम प्रगति से होना अवगत कराया जिस पर केंद्रीय सड़क मंत्री ने बैठक के दौरान एनएचआई के उच्च अधिकारियों को दूरभाष से निर्देशित किया कि कार्य को गुणवत्ता पूर्वक करते हुए तेजी से करें। उन्होंने रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र में बगड़ तिराया से नौगांव सेक्शन एनएच 248, अलवर नूंह सेक्शन की 2 लेन शोल्डर सड़क को 4 लेन शोल्डर सड़क के साथ चौड़ा करने के नए प्रस्ताव पर चर्चा की ताकि एनसीआर अलवर क्षेत्र के ट्रैफिक जाम को कम किया जा सके जिस पर केंद्रीय सड़क मंत्री ने अधिकारियों को सर्वे कर प्रस्ताव बनाने की निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने ने एनएच 248ए के अलवर नूह खंड पर स्थित रामगढ़ बाइपास और रेलवे समपार संख्या 95 पर लेफ्ट हैंड साइड सहित रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण कार्य को अनुमोदित एवं कार्य प्रारंभ करने हेतु केंद्र सड़क मंत्री को अवगत कराया।

केंद्रीय वन मंत्री यादव ने भिवाड़ी जलभराव समस्या पर विस्तार से चर्चा करते हुए बताया कि भिवाड़ी क्षेत्र में 6 एमएलडी सीईटीपी के माध्यम से औद्योगिक इकाइयों का दूषित पानी शोधित कर उन्हें आरओ संयंत्र के माध्यम से औद्योगिक इकाइयों को पुन उपयोग हेतु भेजा जा रहा है तथा घरेलू दूषित पानी के नियंत्रण हेतु 34 एमएलडी के एसटीपी का कार्य प्रगति रत है जिससे भिवाड़ी क्षेत्र में दूषित पानी की समस्या का समाधान होगा। जिस पर केंद्रीय सड़क मंत्री ने नेशनल हाईवे पर होने वाले जल भराव की समस्या के समाधान हेतु केंद्रीय स्तर पर दोनों राज्यों एवं एनएचएआई के अधिकारियों कि उच्च स्तरीय बैठक आयोजित कर स्थाई समाधान कराने का भरोसा दिया।

इसके साथ उन्होंने नीमराना से भिवाड़ी तक प्रस्तावित सड़क को भिवाड़ी से केएमपी तक बढ़ाने तथा एनएचएआई द्वारा विकसित कराए जाने का प्रस्ताव रखा, इसके निर्माण से उच्च गति वाला संपर्क मार्ग मिलेगा जिससे यात्रा समय में कमी आएगी और भिवाड़ी अलवर मार्ग अथवा केएमपी एक्सप्रेस-वे तक जाने वाले अन्य स्थानीय मार्गों पर जाम की समस्या से राहत मिलेगी साथ ही उद्योगों को अपने माल को केएमपी और दिल्ली मुंबई एक्सप्रेस-वे पर लाने-ले जाने में सुविधा मिलेगी। जिस पर केंद्रीय राजमार्ग मंत्री ने विचार करने का आश्वासन दिया।

केंद्रीय मंत्री यादव ने प्रगतिरत एनएच 921 के चार लाइन में चौड़ाइकरण के सहित महुआ, मंडावर, गढी सवाईराम एवं माचाड़ी में बाइपास तथा पुनर्सरंक्षण का निर्माण कार्य को जल्द शुरू करवाने का प्रस्ताव रखा जिस पर उन्होंने दिसंबर माह तक सभी स्वीकृतियां प्रदान कर शुरू करने के निर्देश दिए। अलवर की लाइफ लाइन भिवाड़ी से सिकंदरा तक स्टेट हाईवे 25 को नेशनल हाईवे घोषित करने का प्रस्ताव रखा। जिस पर केंद्रीय सड़क मंत्री ने इसे गति शक्ति योजना के तहत प्रस्ताव तैयार कर आगे बढ़ाने के निर्देश दिए।

बैठक में केंद्रीय वन मंत्री की अवगत कराने पर केंद्रीय सड़क मंत्री ने बहरोड़ विधानसभा क्षेत्र से गुजरने वाले दिल्ली-जयपुर एनएच 48 के मरम्मत एवं नवीनीकरण कार्य को आगामी तीन माह में पूर्ण गुणवत्ता के साथ कर पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में पनियाला बड़ौदा मेव एक्सप्रेसवे (भारतमाला परियोजना) पर ग्रामीण इलाके टेहडकी, काली पहाड़ी, पहल आदि क्षेत्र में एक्सप्रेसवे के दोनों ओर सर्विस रोड का निर्माण एवं ग्राम पेहल के पास लिंक रोड का निर्माण (ओडीआर 35 ततारपुर चौराह से हरियाणा सीमा तक) का प्रस्ताव रखा।

सायबर क्राइम के मामले में एक युवक गिरफ्तार

सात महीने में दो करोड़ की ठगी की, पांच की तलाश जारी

नवलगढ़, (निसं)। एसपी बृजेश ज्योति उपाध्याय के नेतृत्व में लगातार साइबर क्राइम से जुड़े लोगों की धरपकड़ हो रही है। इसी क्रम में नवलगढ़ पुलिस ने एक साइबर ठगी के अंतरराज्यीय गैंग का भंडाफोड़ करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जबकि उसके पांच साथियों को नामजद कर लिया है। पुलिस जानकारी के

- सायबर ठगी की अंतरराज्यीय गैंग चला रहा था युवक

अनुसार नवलगढ़ के नेतावाली ढ ाणी हाल भोपाल मध्यप्रदेश निवासी 32 वर्षीय विकास सैनी पुत्र मूलचंद सैनी व उसके साथियों के खिलाफ साइबर क्राइम की 13 शिकायतें दर्ज थी। ये अलग-अलग 12 राज्यों से थी। शिकायतों के बाद कड़ी से कड़ी जोड़ते हुए पुलिस विकास सैनी तक पहुंची, जिसके बाद चौंकाने वाले खुलासे हुए। पुलिस के सामने आया कि विकास सैनी ने अपने साथियों के साथ मिलकर दो खातों में ही पिछले सात माहा के दौरान करीब दो करोड़ रूपए की ठगी कर डाली, जबकि विकास और उसके साथियों ने 100 से 150 भोले भाले लोगों के बैंक अकाउंट ले रखे है। विकास के पास से पुलिस ने छह एटीएम कार्ड, पांच सिम कार्ड, दो एंड्रायड फोन और एक औरा गाड़ी जब्त की है। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि विकास और उसके साथी भोपाल से किराए पर अकाउंट लेकर नवलगढ़ में साथी ठगों के साथ मिलकर साइबर फ्रॉड करते थे। ये सभी पीक, एसपे, बाईनेन्स एप पर यूएसडीटी का भी लेनदेन किराए के खातों में कर भारतीय रुपए में विड्रोल करते थे। यह कार्रवाई एएसपी देवेंद्र सिंह राजावत के मार्गदर्शन, डीएसपी राजवीर सिंह के सुपरविजन तथा सीआई सुगनसिंह के नेतृत्व में कार्रवाई की गई है। पुलिस ने आरोपी विकास को कोर्ट में पेश किया है, जहां से उसे पांच दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा गया है। पुलिस नामजद पांच साथियों की तलाश में लग गई है। कार्रवाई में एएसआई सुरेश कुमार, हैड कांस्टेबल शुभकरण, कांस्टेबल नरेंद्र, कुलदीप और जितेंद्र की भूमिका रही।

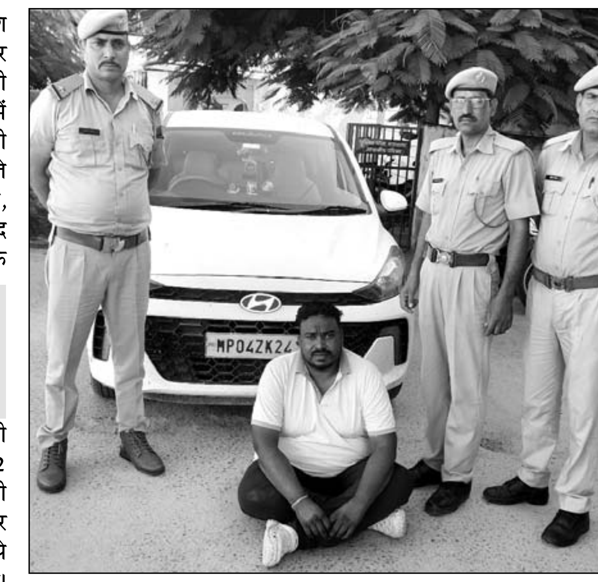

नवलगढ़ पुलिस ने सायबर ठगी के आरोपी को गिरफ्तार किया

पुलिस महानिदेशक का बाड़मेर दौरा, अपराधों पर नियंत्रण के लिए बैठक ली

पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने जोधपुर रेंज के पुलिस अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेकर अपराध नियंत्रण के निर्देश दिये

जयपुर/जोधपुर। जोधपुर रेंज में अपराधों पर अंकुश लगाने और कानून व्यवस्था को और मजबूत करने के उद्देश्य से राजस्थान पुलिस के महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने दो दिवसीय दौरे पर बाड़मेर का दौरा किया। उन्होंने पुलिस अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की, जिसमें अपराध नियंत्रण के लिए कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए। पुलिस कंट्रोल रूम के कॉन्फ्रेंस

- बैठक में जोधपुर ग्रामीण, पाली, जालोर, सिरोही, बाड़मेर, जैसलमेर, बालोतरा, फलौदी जिलों के पुलिस अधीक्षक, मनोनीत वृताधिकारी व थाना अधिकारी उपस्थित रहे

हॉल में आयोजित इस बैठक में महानिरीक्षक पुलिस जोधपुर रेंज राजेश मीना और बाड़मेर पुलिस अधीक्षक नरेंद्र सिंह मीना ने महानिदेशक की अगवानी की। पुलिस लाइन में जवानों द्वारा उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया। बैठक में उपमहानिरीक्षक पुलिस कार्मिक आलोक श्रीवास्तव और डीजीपी के प्रिंसिपल स्टाफ ऑफिसर कुंवर राष्ट्रदीप भी शामिल हुए।

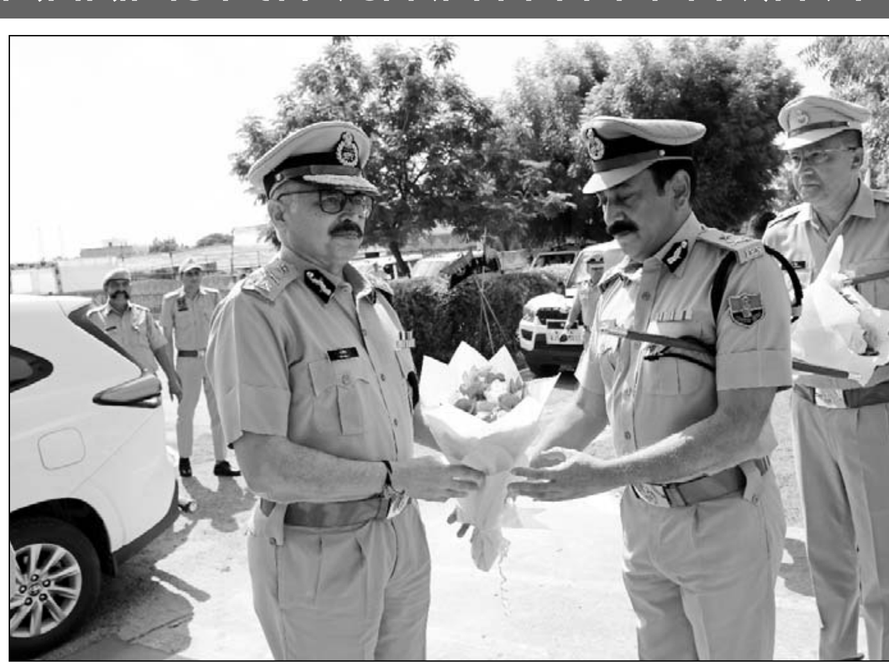

पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा का बाड़मेर पहुंचने पर पुलिस अधिकारियों ने स्वागत किया।

समीक्षा बैठक मे डीजीपी शर्मा द्वारा जिला एसपी से जिलावार अपराध एवं कानून व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा करते हुए चुनौतियां एवं नवाचार, सीमावृति जिले सभी एजेन्सियों से तालमेल रखकर अपराधों की रोकथाम के लिए विभिन्न अभियानों का संचालन, लम्बे समय से पेण्डिंग प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण करने, महिलाओं, बालकों एवं अनुसूचित जाति/जनजाति अपराधों की रोकथाम एवं मामलों का त्वरित निस्तारण, थाना/कार्यालय में आने वाले परिवादियों के साथ शालिनता से व्यवहार एवं तस्सली पूर्वक सुनने एवं त्वरित कार्यवाही को कहा।

उन्होंने पुलिसिंग की गुणवता, नशे की प्रवृति की रोकथाम, हार्डकोर, हिस्ट्रीशीटर अपराधियों के विरूद्ध कार्यवाही, केस ऑफिसर स्कीम का प्रभावी क्रियान्वयन, फरार अपराधियों की शीघ्र दस्तयाबी, सम्पत्ति सम्बन्धी अपराधों की रोकथाम, साईबर अपराधों की रोकथाम के लिए प्रचार-प्रसार एवं प्रभावी कार्यवाही, झूठे प्रकरण दर्ज करवाने वालों के विरूद्ध कार्यवाही, नवीन आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन सहित विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श कर निर्देश प्रदान किये गये। इस बैठक में जोधपुर ग्रामीण, पाली, जालोर, सिरोही, बाड़मेर, जैसलमेर, बालोतरा और फलौदी जिलों के पुलिस अधीक्षक और मनोनीत वृताधिकारी व थानाधिकारी उपस्थित रहे।

समीक्षा बैठक के बाद महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया के प्रतिनिधियों से भी बातचीत की। उन्होंने मीडिया से पुलिस के प्रयासों में सहयोग की अपील करते हुए बताया कि पुलिस जनता के साथ मिलकर काम करके ही अपराधमुक्त समाज का निर्माण कर सकती है।

कलेक्ट्रेट में जिला स्तरीय जनसुनवाई कल

जयपुर। जनभावना के अनुरूप पारदर्शी एवं संवेदनशील वातावरण में आमजन की परिवेदनाओं एवं समस्याओं की सुनवाई एवं त्वरित समाधान के लिए 18 सितम्बर (गुरुवार) को जिला स्तरीय जनसुनवाई एवं समाधान कार्यक्रम आयोजित होगा। जिला कलेक्ट्रेट सभागार में प्रात: 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक आयोजित होने वाले जनसुनवाई कार्यक्रम में जिले के जनप्रतिनिधि एवं समस्त संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी भाग लेंगे। जिलास्तरीय जनसुनवाई कार्यक्रम में वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से मुख्य सचिव या प्रभारी सचिव भी जुड़ेंगे। जिले के सभी उपखण्ड अधिकारी सहित सभी ब्लॉक स्तरीय अधिकारी भी वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से हिस्सा लेंगे। इस दौरान जिले के सभी विभागों के अधिकारी जनसुनवाई में भाग लेकर आमजन की समस्याओं का निस्तारण करेंगे। इससे पहले गुरुवार को ही जिला कलक्टर की अध्यक्षता में जिला जन अभियोग एवं सतर्कता समिति की बैठक आयोजित की जायेगी।

हाऊसिंग बोर्ड लगाएगा 'शहरी सेवा शिविर'

जयपुर। राज्य सरकार के निर्देशानुसार राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा 17 सितम्बर 2025 से 17 अक्टूबर 2025 तक प्रदेशभर में 'शहरी सेवा शिविर 2025' का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों का मुख्य उद्देश्य आमजन को शिविरों के माध्यम से एक ही स्थान पर त्वरित और पारदर्शी समाधान उपलब्ध कराना है। शिविरों में नागरिकों से संबंधित विभिन्न समस्याओं एवं शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया जाएगा।

कोटा पहुंचे सतीश पूनिया ने कांग्रेस को कई मुद्दों पर घेरा

कोटा पहुंचने पर भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और हरियाणा के प्रभारी सतीश पूनिया का कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया।

कोटा, (निसं)। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और हरियाणा के प्रभारी सतीश पूनिया मंगलवार को दो दिवसीय कोटा दौरे पर रहे। सर्किट हाऊस में मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने वोट चोरी मुद्दे पर कहा कि देश में राजनीतिक तौर पर किसी को पूछा जाए तो चोरी का सारा रजिस्टर्ड रिकॉर्ड कांग्रेस का है। कांग्रेस ने कोई चीज नहीं छोड़ी है जिसमें जीप, पनडुब्बी, स्पेक्ट्रम और कोयला से लेकर सारे चोरी के काम कांग्रेस पार्टी के हैं।

- चोरी का सारा रजिस्टर्ड रिकॉर्ड कांग्रेस का, कांग्रेस ने कोई चीज नहीं छोड़ी : पूनिया

सतीश पूनिया ने कहा कि जब कांग्रेस चुनाव जीत जाती है तब कुछ नहीं और चुनाव हारने पर चुनाव आयोग पर ही आरोप लगा दिए जाते हैं। यह बयान भारत, संविधान और लोकतंत्र के खिलाफ हैं। चुनाव आयोग स्वतंत्र रूप से लोकतंत्र के लिए निष्पक्ष रूप से काम करता है, इसलिए यह बयान गैर जिम्मेदाराना है। इसके साथ ही उन्होंने प्रदेश सरकार पर कहा कि भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में अच्छा काम कर रही है। विधानसभा में कैमरे की बात पर उपजे बवाल और कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा की टिप्पणी पर उन्होंने कहा कि इन चीजों का कोई तथ्यात्मक आधार नहीं है। केवल लोगों में भ्रम पैदा करके नैरेटिव को सेट करना है। यहीं काम देश-प्रदेश में कांग्रेस के नेता कर रहे हैं। यह बेबुनियाद बातें हैं जिनका कोई स्तर नहीं है। सतीश पूनिया ने प्रदेश में पर्ची बदलने के सवाल पर कहा कि कांग्रेस की पर्ची हिंदुस्तान और राजस्थान की जनता ने बदल दी है। बौखलाहट, चिंता और परेशानी कांग्रेस के लोगों के चेहरे और शब्दों में नजर आती है, किस तरह से स्तरहीन भाषा का उपयोग कर रहे हैं। उनकी पर्ची को देश की जनता ने नीति और विवाद से नकार दिया है।

बिहार चुनाव पर उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय मुद्दों पर ही वहां की जनता वोट देगी। बिहार में पहले रेडियो व टीवी पर हम देखते थे कि अराजकता थी, कानून व्यवस्था और विकास काफी दूर था। जब से एनडीए का आगमन हुआ है विकास और कानून व्यवस्था सुधर गई है। बिहार की जनता राष्ट्रीय मुद्दों पर मतदान करेगी। इंडी गठबंधन अभी बयानों तक ही सीमित हैं। यह लोग पीएम मोदी की माताजी के खिलाफ भी गलत भाषा का उपयोग करते हैं। इस दौरान पंकज मेहता, पूर्व जिला अध्यक्ष हेमन्त विजय व कृष्ण कुमार सोनी, भाजपा नेता मुकेश विजय, लक्ष्मण सिंह खींची, युधिष्ठिर खटाना, साहिल मिर्जा, अजय चौधरी, रवि चौधरी व मुकेश हरचंदानी सहित कई नेता मौजूद रहे।

35 तोला सोना और एक लाख की चोरी मामले में तीन गिरफ्तार

डूंगरपुर, (निसं)। कोतवाली थाना पुलिस ने शहर के पातेला मोहल्ले में सूने मकान से लाखों के जेवर व एक लाख नगदी चोरी की वारदात का खुलासा कर दिया है। पुलिस ने मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर रही हैं।

कोतवाली थानाधिकारी शैलेन्द्र सिंह ने बताया कि सागवाड़ा निवासी ताह ने थाने में रिपोर्ट दी थी। रिपोर्ट में बताया था कि उसकी सासू फातिमा डूंगरपुर शहर के पातेला मोहल्ले में अकेले रहती है। जुलाई माह में रमजान के तहत चेन्नई गई थी। पीछे से मकान सूना था। नौ जुलाई को पड़ोसियों ने सूचना दी कि घर के ताले टूटे पड़े हैं। जिस पर हम मकान पर पहुंचे तो चोर सूने मकान से करीब 35 तोला सोने के आभूषण व 1 लाख रुपए की नगदी चुराकर ले गए थे। पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए जांच शुरू की। पुलिस ने पारंपरिक पुलिसिंग व मुखबिर के जरिए मिली सूचना पर जांच करते हुए गुजरात निवासी भगत सिंह को डिटेन किया। पुलिस पूछताछ में भगत सिंह ने अपने चार साथियों के साथ मिलकर चोरी की वारदात को करना कबूल किया, जिस पर पुलिस ने भगत सिंह, उसके साथी डूंगरपुर निवासी दिलीप सिंह और सतपाल सिंह को गिरफ्तार किया। पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश के साथ चोरी के माल की बरामदगी के प्रयास में जुटी है।

पूगल-छत्तरगढ़ में करोड़ों रुपए की जमीन के सबसे बड़े घोटाले की जांच अधूरी

बीकानेर, (निसं)। बीकानेर के पूगल-छत्तरगढ़ में करोड़ों रुपए की जमीन के सबसे बड़े घोटाले की जांच के लिए पुलिस और एसीबी को पूरा रिकॉर्ड ही नहीं मिल पा रहा है। पुलिस को तीन और एसीबी को दो अलग-अलग मुकदमों की जांच करनी है, लेकिन एक साल बाद भी पुलिस और एसीबी इस निष्कर्ष पर भी नहीं पहुंच पाए कि मामले से संबंधित कितने लोगों के बयान लेने हैं। जांच कब पूरी होगी, इसका जवाब दोनों एजेंसियों के पास नहीं है।

- जमीन के घोटाले की जांच के लिए पुलिस और एसीबी को पूरा रिकॉर्ड ही नहीं मिल रहा है
- जमीन घोटाले में तीन मुकदमों की जांच पुलिस और दो की जांच एसीबी को करनी है

जानकारी के अनुसार कांग्रेस सरकार के समय पूगल और छत्तरगढ़ में बड़े स्तर पर जमीनों का फर्जी तरीके से आवंटन किया गया था। सत्ता बदली और भाजपा सरकार आई तो जिला प्रशासन ने जांच कराई। उजागर हुआ कि अधिकारियों-कर्मचारियों की मिलीभगत से 100 से ज्यादा लोगों को जमीनों का फर्जी आवंटन कर दिया गया, जिससे सरकार को करोड़ों रुपए के राजस्व का नुकसान हुआ। दो आरएएस सहित 34 कार्मिकों और 132 लाभार्थियों के खिलाफ पूगल-छत्तरगढ़ में तीन और एसीबी में भी दो अलग-अलग मुकदमे दर्ज किए गए। पुलिस और एसीबी दोनों को मामले से संबंधित पूरा रिकॉर्ड ही नहीं मिल पाया है और जांच ठंडे बस्ते में हैं। दोनों एजेंसियां अभी तक ये भी तय नहीं कर पाई हैं कि मामले में कुल कितनी पत्रावलियां हैं और कितने लोगों के बयान लेने होंगे। भाजपा सरकार में बीकानेर के सबसे बड़े जमीन घोटाले के मुकदमे तो दर्ज कर लिए गए, लेकिन उनकी जांच को लेकर गंभीरता नहीं है। उच्च अधिकारी, सरकार के मंत्री और नेताओं ने भी इन मामलों को अब तक अनदेखा कर रखा है। एसीबी में तो मुकदमा दर्ज करने में ही छह माह लग गए थे, ऐसे हालातों में जांच पूरी कब होगी, इसका सटीक जवाब देने के लिए कोई तैयार नहीं। जानकारों का कहना है कि मामलों की सही जांच होने पर 300 करोड़ रुपए से ज्यादा का घोटाला उजागर होगा।

प्रशासन की ओर से जमीनों के फर्जीवाड़े की जांच के लिए आईएएस यक्ष चौधरी की देखरेख में कमेटी बनी जिसमें तत्कालीन डीएसओ सुभाष चौधरी, राजस्व विभाग के सहायक लेखाधिकारी श्रवणसिंह चारण, वरिष्ठ विधि अधिकारी कपिल तंवर, तहसील राजस्व लेखाकार कपिल तंवर को शामिल किया गया। इस कमेटी की जांच रिपोर्ट सरकार को भेजी, जिसके आधार पर पूगल-छत्तरगढ़ पुलिस थानों और एसीबी में मुकदमे दर्ज हुए। छत्तरगढ़ में 1546 हेक्टेयर जमीन के फर्जीवाड़े में 19 लोकसेवक और 101 लाभार्थियों व पूगल में 508.68 हेक्टेयर जमीन के फर्जी आवंटन में 16 लोकसेवक और 31 लाभार्थियों के खिलाफ जांच होनी है।

रघुवीरप्रसाद शर्मा, एएसपी श्रीगंगानगर ने बताया कि जैसे-जैसे जांच में जरूरत सामने आ रही है, रिकॉर्ड लिए जा रहे हैं। रिकॉर्ड में कमियां हैं जिनकी जांच की जा रही है। बयान भी लिए जा रहे हैं। मामले से जुड़ी चेन है जिसकी कड़ियां जोड़ना है। लाभार्थियों के बयान लेकर उनके खातों की जांच की जा रही है।

आशीष कुमार, एसीबी की स्पेशल यूनिट के एएसपी और आईओ श्रीगंगानगर का कहना है कि एसीबी को मामले से संबंधित रिकॉर्ड ही नहीं मिल पाया है। एसडीएम को बार-बार लिखने के बाद अब कलेक्टर को पत्र लिखकर रिकॉर्ड उपलब्ध कराने का आग्रह किया गया है। जमीनों के फर्जी आवंटन के दो मुकदमों की जांच की जानी है।

फूलिया कलां खारी नदी हादसा : तीन मृतकों का अंतिम संस्कार किया

शाहपुरा, (निस)। फूलिया कलां के वैष्णव समाज परिवार जनों के जयपुर में हुए हादसे के बाद फूलिया कलां धानेश्वर में दाह संस्कार के बाद खारी नदी में नहाने गए सात लोग नदी में डूब गए, जिसमें मौके पर दो युवक महेन्द्र माली (25) व बरदी चंद माली (34) की मौत हो गई तथा तीसरे महेश शर्मा (25) का काफी तलाश में बाद महेंद्र का भी शव मिल गया। हादसे में खेड़ा हैतम के तीनों युवकों की मौत हो गई। नदी में डूबे जीवराज माली, राकेश माली, विजय प्रताप सिंह की हालत गंभीर होने से शाहपुरा जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया, जिनका उपचार के बाद मंगलवार को छुट्टी दे दी गई। वहीं तीन मृतकों का अंतिम संस्कार किया गया। सोमवार अचानक हुई हृदय विदारक घटना से गांव में कोहराम मच गया, लोग सन्न रह गए तथा घरों में चूल्हे नहीं जले। खेड़ा हेतम गांव में जैसे ही तीनों युवाओं के शव पहुंचे तो कोहराम मच गया, सैकड़ों की तादाद में ग्रामीणों और परिवार जनों ने अंतिम विदाई दी। खेड़ा हेतम निवासी मृतक महेंद्र माली (25) पुत्र रामेश्वर माली के एक पुत्र (4) व एक पुत्री (2) है, पिताजी का देहांत हो चुका है, बूढ़ी मां है। इन सभी की जिम्मेदारी महेंद के कंधों पर थी।

संक्षिप्त

अशोक बने जन चेतना संस्था के अध्यक्ष

बौंली -बामनवास। सैनी छात्रावास निवाई रोड बौंली के प्रांगण में सैनी, माली समाज की बैठक आयोजित की गई, बैठक में सैनी, माली समाज के लोगों ने समाज को एकजुट रहने के लिए एक संस्था का गठन किया, इस संस्था का नाम सावित्रीबाई फुले जन चेतना संस्था रखकर इसकी कार्यकारिणी गठित की गई। बैठक के दौरान सर्वसम्मति से कार्यकारिणी गठित की गई, जिसमें अध्यक्ष पद पर अशोक मंडावरा को मनोनीत किया गया। उपाध्यक्ष पद पर रामकिशोर सैनी, महामंत्री सुरेंद्र सैनी व मंत्री बुद्धि सैनी, कोषाध्यक्ष बनवारी सैनी व महेश सैनी, प्रचार मंत्री बाबूलाल सैनी व पिंटू सैनी, मीडिया कर्मी प्रेमराज सैनी, गौ सेवक संरक्षक कैलाश अजमेरा, व प्रहलाद सैनी जटावती वाले, लल्लू लाल सैनी, रामजीलाल सैनी, संगठन मंत्री राजेश सैनी, सांस्कृतिक प्रभारी हेमराज सैनी, कमलेश सैनी सहित अन्य लोगों को भी सक्रिय सदस्य बनाया गया है।

तीरंदाजी प्रतियोगिता में जीता कांस्य पदक

फुलेरा। फुलेरा के श्रीराम नगर निवासी दिनेश कुमावत की बेटी आरोही कुमावत ने राजस्थान विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अंतर महाविद्यालय तीरंदाजी प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक जीता। आरोही को उनकी मेहनत और प्रतिभा के चलते विश्वविद्यालय की टीम में भी चयनित किया गया है। वर्तमान में वे एस एम एस स्टेडियम में प्रैक्टिस के साथ उच्च शिक्षा भी प्राप्त कर रही हैं। आरोही ने अपनी सफलता का श्रेय कोच गजेंद्र सिंह, मार्गदर्शक अंशुमान सिंह, माता रमा कुमावत, पिता दिनेश कुमावत और परिवार को दिया। फुलेरा के स्थानीय पार्षद आशा सैनी सहित कई जनप्रतिनिधियों ने आरोही और उनके परिवार को बधाई दी। गौरतलब है कि आरोही पहले भी जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर कई पदक जीत चुकी हैं। उन्होंने कहा, बेटियाँ हर चुनौती को पार कर सकती हैं, उन्हें बस सही दिशा व अवसर चाहिए। यह उपलब्धि फुलेरा और जयपुर जिले के लिए गर्व का विषय बनी है।

कलेक्टर ने अस्पताल का किया निरीक्षण

अलवर। महिला स्वास्थ्य जागरूकता और सशक्तिकरण को लेकर शुरू किए जा रहे स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान का शुभारंभ बुधवार को रामगढ़ से किया जाएगा। इसके मद्देनजर मंगलवार को जिला कलेक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने उप जिला अस्पताल रामगढ़ का निरीक्षण किया और तैयारियों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने अस्पताल प्रशासन को विशेष रूप से सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए।

आश्रम सेवक को मिली जान से मारने की धमकी

नारायणपुर । ग्राम पंचायत मुण्डावरा स्थित गिरदारीदास आश्रम में सेवा कर रहे एक सेवक को जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। आश्रम के महंत संतोषदास महाराज ने बताया कि 14 सितंबर को किसी आवश्यक कार्य से वह बाहर गए हुए थे और आश्रम की देखरेख की जिम्मेदारी ग्रामीण सादुराम गुर्जर को देकर गए थे। इसी दौरान बलराम उर्फ़ बसंत नामक व्यक्ति आश्रम पर आया और सेवक सादुराम को धमकाने लगा। उसने आश्रम की चाबी मांगी और जान से मारने की धमकी तक दे डाली।पुलिस व ग्रामीणों की समझाइश के बाद आरोपी को मौके से वापस भेज दिया गया।

बजरी परिवहन करते हुए एक ट्रेलर जब्त

निवाई। निवाई सदर थाना पुलिस ने अवैध बजरी से भरे हुए एक ट्रेलर को जब्त किया है। थानाधिकारी हीरालाल वर्मा ने बताया कि गुन्सी पुलिस चौकी पर नाकाबंदी के दौरान अवैध बजरी परिवहन करते हुए एक ट्रेलर को जब्त किया है।

पुलिस ने एमएमडीआर एक्ट में मामला दर्ज किया है।

NAME CHANGE

I Sunil Kumar R/o 34-A, Ashok Vihar, Jagatpura, Jaipur has changed my name from Sunil Kumar to Sunil Kumar Garg for all future posposes.

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

'पार्षद व कार्यकर्ता मिलकर अपने वार्ड में लोगों के साथ शिविर में काम कराएं'

पूर्व विधायक रामहेत यादव ने किशनगढ़ बास में कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित किया।

- पूर्व विधायक ने कहा कि फाइल आगे पीछे, ऊपर नीचे करने की पोलिसी नहीं चलेगी, शिविर में पहले आने वाले व्यक्ति का पहले काम हो

किशनगढ़ बास। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75 वे जन्मदिन पर 17 सितंबर से शुरू हो रहे सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम को लेकर राष्ट्रीय परिषद सदस्य भाजपा पूर्व विधायक रामहेत यादव ने किशनगढ़ बास अनाज मंडी कार्यालय पर कार्यकर्ताओं की बैठक ली। इस बैठक में यादव ने भाजपा नेतृत्व व राजस्थान सरकार के स्वायत्त शासन विभाग की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर शुरू हो रहे स्वच्छता सेवा पखवाड़ा में आमजन की भागीदारी को सुनिश्चित करने के साथ शहर में नगर पालिका के लगने वाले शिविरों में अधिक से अधिक लोगों को लाभ दिलाने की बात कही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा व स्वायत शासन मंत्री के पट्टों में सरलीकरण कर छूट दिए जाने के निर्णय को आमजन के हित में बताते हुए उनका आभार व्यक्त किया है।

बैठक का शुभारंभ पूर्व विधायक रामहेत यादव, मंडल अध्यक्ष मनोज मित्तल, नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि सतीश सिंघल, भाजपा जिला उपाध्यक्ष राजेश बटवाडा, पूर्व मंडल अध्यक्ष उमेश कांत वशिष्ठ सहित पार्टी पदाधिकारी ने महापुरूषो के चित्रो पर पुष्पाजंली एवं दीप प्रज्जवलित कर किया। घर के बाहर सड़क पर गंदगी नहीं डाले, कचरा गाड़ी के आने पर ही गाडी में डाले। क्योंकि जितना हम शहर को स्वच्छ रखेंगे उतना ही हम अपने आप को स्वस्थ रख पाएंगे।

बैठक में आशा गुप्ता, महामंत्री जगदीश यादव, संतोश अग्रवाल, बलराम गुर्जर, विश्वास यादव, प्रकाश प्रजापत, जसवंत यादव, तेजसिंह सैनी, सरंपच प्रताप यादव, अशोक कुमार, ईश्वर गुर्जर, जितेन्द्र वर्मा, रामस्वरूप , कृष्ण यादव, पं. भोलाराम शर्मा, रामस्वरूप यादव, निहाल यादव, रामजीत गुर्जर, शिवहरि गुर्जर, रोहित यादव, जयगोपाल, दिनेश पार्षद, धर्मेन्द्र हरवानी, शिवचरण यादव, सुन्दर यादव, बसीर खांन, निहाल चंद, दलीप लाल, राकेश यादव, सोहन सिंह, हीरू हरवानी, मोहित बसवाल आदि कार्यक्रर्ता एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

बांध में डूबे युवक के शव को 17 घण्टे बाद निकाला

मानपुरा माचैड़ी। निकटवर्ती कांट गांव में स्थित चिड़ी का बंधा(पानी का बांध)में सोमवार को एक युवक डूब गया था।सूचना पर पहुँची एसडीआरएफ व सिविल डिफेंस की टीम ने बांध के पानी मे तलास शुरू की।आखिरकार मंगलवार सुबह 7 बजे 17 घण्टे बाद युवक की लाश मिली।मृतक अपने ताऊ के बेटे व अपनी बहन के बेटे के साथ बांध में नहाने गया था।लेकिन तैरते हुए पानी की गहराई में चला गया ओर डूब गया।बाकी दोनों युवक पानी से निकल आए थे।और युवक के डूबने सूचना घरवालों को दी थी।

प्रह्लाद मीना भानपुर कला से अपनी बहन के लिए दवाई लेकर अपनी बहन से मिलने कांट गांव आया था।सोमवार दोपहर बाद करीबन 3 बजे प्रह्लाद अपने ताऊ के लड़के व अपनी बहन के लड़के को लेकर पास में ही स्थित पानी के बांध में नहाने चला गया।

गणेश पूजन व नारद मोह की लीला से रामलीला मंचन का शुभारंभ

- पंडित मनोज शास्त्री द्वारा मंत्रोंच्चार के मध्य पूजन करवाया गया व आरती के साथ रामलीला का विधिवत शुभारंभ किया

पावटा। आदर्श रामलीला मंडल पावटा के तत्त्वाधान व मोहनदास रामायणी महाराज के सानिंध्य मे वरिष्ठजनो अमरनाथ पटेल, उमेश टांक, वीरेंद्र बंसल, महेश पारिक, राजेंद्र प्रसाद गौड, सुरेश शर्मा सहित कमेटी अध्यक्ष योगेश शर्मा, डाइरेक्टर मोहन गौड, सचिव चेतन जोशी, उपाध्यक्ष रामशरण बोहरा, नरेंद्र गौड, सोनू भांकरी वाला, दीपक पटेल, सांवर मल बोहरा, कोषाध्यक्ष विकास पुजारी व ललित शर्मा एवं पावटा तहसील ब्राह्मण महासभा अध्यक्ष राजेश शर्मा, पूर्व पावटा नगर ब्राह्मण महासभा अध्यक्ष सुरेश शर्मा, दुर्गादत्त भारद्वाज, मुकेश गोयल, पंडित सुरेश शर्मा, विष्णु पटेल, मोहन सैन, नेमीचंद, पवन गोयल, नरेन्द्र शर्मा, गुलज़ारी सोनी, दुर्गेश शर्मा, दुलीचंद कुमावत की उपस्थिति मे रविवार को लीला का शुभारंभ गणेश पूजन से हुआ। पंडित मनोज शास्त्री द्वारा मंत्रोंच्चार के मध्य पूजन करवाया गया व आरती के साथ रामलीला का विधिवत शुभारंभ किया गया।

अपने सिंहासन को डोलता देख घबरा कर देवराज इंद्र ने कामदेव को नारद मुनि की तपस्या भंग करने के लिए भेजा लेकिन वह असफल हो जाते हैं। तब नारद मुनि को खुद पर अहंकार हो गया। उन्होंने त्रिदेवों से कामदेव से अपनी जीत के बारे में बताया तब भगवान विष्णु ने उनका अहंकार तोड़ने के लिए एक लीला रची।

पहले दिन की लीला में नारद बने उपाध्यक्ष रामशरण बोहरा, देवराज इंद्र बने सांवरमल बोहरा, कामदेव बने मुकेश सोनी, शीलनिधि बने पंकज सैन, ब्रह्मा बने दीपक पटेल, विश्व मोहनी बने शुभम, कॉमेडियन सुनील गौड व नरेंद्र गौड, विकास पुजारी आदि ने अपनी प्रभावशाली अभिनय की छाप छोड़ी। इस दौरान सुनील गौड, शुभम शर्मा, साहिल टीलावत, सुभाष टीलावत, तनुज, बिहारी सोनी, मनोज जांगिड़, अरविंद जांगिड़, विक्की सैन, पंकज सैन, मनीष कुमावत, सांवर बोहरा, राघव, हिमांशू, अमित बटवाल, विकास नयावासी, लोकेश टांक, नितेश शर्मा, बिन्नी गोयल, गिरिराज कुमावत, सोमदत्त शर्मा, जितेंद्र कुमावत, नितिन शर्मा, राहुल शर्मा सहित सभी कार्यकर्ता व ग्रामीण मौजूद रहे।

तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

पावटा। उपखंड अधिकारी पावटा कपिल कुमार उपाध्याय के स्थानांतरण को लेकर मंगलवार को अभिभाषक संघ पावटा व यादव महासभा पावटा ने मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार लोकेंद्र मीणा को ज्ञापन सौंपा है। कपिल कुमार उपाध्याय पावटा उपखंड कार्यालय में 15 माह से उपखंड अधिकारी के साथ पद पर कार्यरत थे। इनकी कार्यशैली उत्तम है व आमजन इनके कार्यो से संतुष्ट है। आमजन ही नहीं बल्कि अधिवक्ता गण भी इनकी कार्यशैली से संतुष्ट है। इसलिए आमजन व अधिवक्ताओं की भावनाओं को देखते हुए उपखंड अधिकारी पावटा कपिल कुमार उपाध्याय के स्थानांतरण को निरस्त कर यथावत रखने की बात कही। इस दौरान अभिभाषक संघ पावटा अध्यक्ष एड. ओमप्रकाश सैनी समेत उपाध्यक्ष एड.अनिल सिंह शेखावत, सचिव एड. सुरेंद्र सिंह शेखावत, सरोज यादव, किशन गुरुजी, श्रीराम यादव, साधुराम यादव सहित यादव समाज के लोग व अधिवक्तागण मौजूद रहे।

सांभर में 100 लाख की लागत से भव्य श्याम मंदिर का निर्माण

प्राण प्रतिष्ठा की तैयारी को लेकर समिति की प्रेस वार्ता हुई।

- श्याम मंदिर का निर्माण करीब करीब अंतिम चरण में है

सांभरझील। धार्मिक नगरी के नाम से प्रदेश भर में विख्यात सांभर झील की धरा यूं तो सैकड़ों की तादाद में अतिप्राचीन देवी देवताओं के मंदिर के लिए खास रूप से पहचानी जाती है, अब इसमें एक नया अध्याय जुड़ने जा रहा है, यहां देवयानी तीर्थ स्थल पर प्राचीन श्याम मंदिर के अलावा अब एक और भव्य रूप में करीब 100 लाख की लागत से श्याम मंदिर का निर्माण करीब करीब अंतिम चरण में है। सूत्रों के अनुसार निर्माण संपूर्ण होने तक यह राशि और अधिक भी हो सकती है। 1000 गज क्षेत्रफल भूभाग पर मंदिर का निर्माण करने का मुख्य मासिक संकीर्तन, सतत पदयात्रा सेवा, सनातन धर्म एवं संस्कारों का प्रचार व प्रसार उद्देश्य है। श्री श्याम रंगीला परिवार सेवा समिति को भूमि मंदिर निर्माण हेतु भामाशाह की ओर से निशुल्क दान की गई है। भव्य खाटू श्याम मंदिर के अलावा रानी सती दादी एवं रिद्धि सिद्धि गणेश मंदिर का निर्माण भी इसी परिसर में अंतिम चरणों में चल रहा है। देवयानी रोड स्थित राधा स्वामी सत्संग हाल के ठीक सामने भव्य मंदिर का निर्माण को देखकर हर कोई अभिभूत है। मंदिर व्यवस्था व निर्माण के कार्य को देख रही श्री श्याम रंगीला परिवार सेवा समिति के पदाधिकारी बताते हैं कि मंदिर का संपूर्ण निर्माण भामाशाहों और जन सहयोग से मिल रही धनराशि के माध्यम से हो रहा है। यहां एक विशाल होल का निर्माण भी करवाया जा रही है जिससे 200 से 250 सौ पदयात्रियों के लिए आरामदायक निशुल्क ठहरने की व्यवस्था सुनिश्चित हो सके। वार्ता के दौरान पदाधिकारियों का कहना है कि प्राण प्रतिष्ठा के दौरान सरकार के मुखिया माननीय भजनलाल जी शर्मा और वित्त मंत्री दिया कुमारी जी को इस पावन मौके पर सादर आमंत्रित कर इसमें उनकी सहभागिता सुनिश्चित की जाए इसके लिए हम सतत प्रयास करते हैं। बैनर विमोचन के दौरान श्री श्याम रंगीला परिवार के श्याम सुंदर सेठी, दामोदर अग्रवाल, पंकज सिंघानिया, शैलेश माथुर, कुणाल शर्मा, भागचंद शर्मा, सुभाष मोदी, शंकर कयाल, पराग पोद्दार, सुनील टाटी, महेश अग्रवाल, मनोज गुप्ता, जयप्रकाश सोनी, प्रतीक दाधीच, अनु आहूजा, राहुल गट्टानी सहित अनेक की मौजूदगी रही।

दौसा में श्मशान भूमि विवाद को लेकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा

- महिला का शव कार में रखकर कलेक्ट्रेट पहुंचे ग्रामीण

दौसा। श्मशान भूमि को लेकर विवाद के बाद ग्रामीण महिला का शव लेकर कलेक्ट्रेट पहुंच गए।सिकराय उपखंड के रामेडा गांव में योगी समाज की महिला लोहड़ी देवी की मौत के बाद समाज के लोग पारंपरिक विधि से अंतिम संस्कार (समाधि) करने के लिए श्मशान भूमि पर पहुंचे, लेकिन इसी भूमि को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा है। वहीं, इस मामले में सिकराय एसडीएम नवनीत कुमार ने कहा कि मौके पर जाकर स्थिति का जायजा लिया जाएगा और ग्रामीणों की समस्या का समाधान किया जाएगा।

आरोप है कि प्रशासन की ओर से इस भूमि को खाली कराने का दबाव बनाया जा रहा है।गांव के लोग श्मशान भूमि को बचाने की मांग लेकर मृतका का शव कार में रखकर दौसा कलेक्ट्रेट पहुंच गए। कलेक्ट्रेट परिसर में अचानक शव लेकर पहुंचे ग्रामीणों को देखकर प्रशासनिक अमले में हड़कंप मच गया।

तुरंत मौके पर कोतवाल सुधीर कुमार उपाध्याय और सदर थाना प्रभारी रविंद्र चौधरी तैनात कर दिए गए। हालात बिगड़ने की आशंका को देखते हुए कई थानों की पुलिस कलेक्ट्रेट के बाहर तैनात की गई। स्थिति गंभीर होती देख प्रशासन ने मानपुर डीएसपी दीपक मीणा को भी मौके पर बुलाया। वहीं, ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। ग्रामीण रामजीवन योगी ने आरोप लगाया कि सिकराय एसडीएम, तहसीलदार और पटवारी पद का दुरुपयोग करते हुए योगी समाज की श्मशान भूमि की जमीन छीनने का प्रयास कर रहे हैं।ग्रामीणों के मुताबिक प्रशासन की ओर से नोटिस जारी कर इस भूमि को खाली कराने के आदेश दिए गए हैं।उपखंड प्रशासन शमशान भूमि में कुछ लोगों का कब्जा मान रहा है, जबकि यहां ऐसा कुछ नहीं है।उनका कहना है कि यह भूमि उनकी परंपरागत श्मशान भूमि है, जहां वर्षों से समाधि स्वरूप अंतिम संस्कार होते आ रहे हैं। समाज की मान्यता है कि मृतक का न तो दाह संस्कार होता है और न ही दफनाया जाता है, बल्कि गड्ढा खोदकर शव को समाधि की मुद्रा में बैठाकर वहीं समाधि दी जाती है। ग्रामीणों ने सवाल उठाया कि अगर यह भूमि छीन ली गई तो आगे समाज कहां अपने मृतकों का संस्कार करेगा? ज्ञापन सौंपने और पुलिस व अधिकारियों से लंबी समझाइश के बाद ग्रामीण शव को वापस गांव ले गए।

संस्कार, अनुशासन व सेवा भाव से ही मिलता है सच्चा गौरव : एस.पी.

कार्यक्रम को सम्बोधित करते एस.पी.।

- राज्य पुरूस्कार प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ

कोटपूतली। राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड जिला मुख्यालय जयपुर के निर्देशानुसार स्थानीय संघ कोटपूतली के तत्वाधान में महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय मोहनपुरा में 15 से 19 सितम्बर तक जिला स्तरीय आवासीय राज्य पुरूस्कार प्रशिक्षण शिविर धूमधाम से आयोजित किया जा रहा है। इस आवासीय शिविर में स्काउट्स एवं गाइड्स को सुबह से देर रात तक विभिन्न प्रशिक्षण, शारीरिक गतिविधियों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों व अनुशासनात्मक कार्यो से प्रशिक्षित किया जा रहा है। शिविर का उद्देश्य बालकों में नेतृत्व क्षमता, सेवा भावना व राष्ट्र निर्माण के संस्कारों का विकास करना है। शिविर के दूसरे दिन मंगलवार को जिला पुलिस अधीक्षक देवेंद्र कुमार बिश्नोई ने विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर स्काउट्स एवं गाइड्स द्वारा आकर्षक परेड और गार्ड ऑफ ऑनर प्रस्तुत किया गया। अतिथियों का तिलक लगाकर, स्कार्फ और माला पहनाकर तथा स्मृति चिन्ह भेंटकर भव्य स्वागत किया गया।

शिविर संचालक प्यारेलाल महला ने स्वागत भाषण के साथ विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत किया, वहीं कोषाध्यक्ष हंसराज रावत ने आभार ज्ञापित किया। एसपी ने कहा कि जीवन में अनुशासन, परिश्रम और सेवा भाव के बिना कोई भी लक्ष्य पाना संभव नहीं है।

स्काउटिंग से मिलने वाले संस्कार ना केवल आपको गवर्नर अवार्ड दिलायेंगे, बल्कि आपको जिम्मेदार और सशक्त नागरिक भी बनायेंगे। उन्होंने बच्चों से नशा मुक्त जीवन, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक सेवा जैसे विषयों पर कार्य करने का आह्वान किया। प्रधानाचार्य अशोक कुमार सुरेला ने कहा कि ऐसे आवासीय शिविरों से विद्यार्थियों में आत्मविष्वास और नेतृत्व क्षमता का विकास होता है।

वरिष्ठ ट्रेनर कमलेश कुम्हार व ललित कुमार प्रजापत ने कहा कि स्काउटिंग बच्चों को कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य और संयम से काम करना सिखाती है। कार्यक्रम में अतुल कुमार आर्य, अतुल कुमार (अलवर), संदीप जांगिड़, जयसिंह यादव व किरणा जाट, कृष्ण कुमार सैनी, पलविंद्र सिंह गुर्जर सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सहायक सचिव सीताराम गुप्ता ने किया। पूरे आयोजन में स्काउट-गाइड बालकों की ऊर्जा और उत्साह देखने योग्य रहा। यह आवासीय शिविर 19 सितम्बर को स्काउट्स-गाइड्स की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और समापन समारोह के साथ संपन्न होगा।

ट्रेन की चपेट में आने से ट्रेनी सब इंस्पेक्टर की मौत

दौसा। जिले में सोमवार देर रात दौसा रेलवे स्टेशन और जड़ाव फाटक के बीच ट्रेन की चपेट में आकर 27 वर्षीय ट्रेनी सब इंस्पेक्टर राजेंद्र सैनी की मौत हो गई।भरतपुर जिले के बलवंतगढ़ गांव के निवासी और धौलपुर पुलिस लाइन में पोस्टेड राजेंद्र की मौत ने हर किसी को सन्न कर दिया है।शुरुआती जांच में जीआरपी इसे हादसा मान रही है। संभावना जताई जा रही है कि मोबाइल पर बात करते वक्त राजेंद्र पटरी पर चले गए, हालांकि आत्महत्या की आशंका को भी नकारा नहीं जा रहा।

जीआरपी थाने के घनश्याम दत्त मीना ने बताया कि ट्रेन की चपेट में आने से एक युवक की मौत होने की सूचना पर मौके पर पहुंचे।जिसकी पहचान राजेंद्र सैनी के रूप में हुई. मृतक सब इंस्पेक्टर 2021 भर्ती का ट्रेनी एसआई था, जो धौलपुर पुलिस लाइन में पोस्टेड था।मृतक का मोबाइल उसके कान के पास ही पड़ा मिला।ऐसे में संभावना जताई जा रही है कि मृतक किसी से फोन पर बात करते हुए पटरी पर आया और हादसे का शिकार हो गया।

सार-समाचार

शहरी सेवा शिविर आज से

निवाई। राज्य सरकार के निर्देशानुसार नगरपालिका के तत्वावधान में 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक शहरी सेवा शिविर का आयोजन किया जाएगा। अधिशाषी अधिकारी मनोहरलाल जाट ने बताया कि 17 अक्टूबर को नगर पालिका परिसर में शहर के सभी वार्डों के लिए मुख्य शिविर का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक रामसहाय वर्मा, अध्यक्षता कर रहे पालिकध्यक्ष दिलीप इसरानी, उपखंड अधिकारी रामकरण सिंह व भाजपा शहर अध्यक्ष नितिन छाबडा द्वारा किया जाएगा। शिविर में सरकारी योजनाओं से वंचित पात्र व्यक्तियों को लाभांवित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि शिविर को लेकर सभी वार्डों में साफ-सफाई, स्ट्रीट लाईट रिपेयर व नई लाईट लगाना, टूटे फेरोकवर व क्रॉस सही कराना, ब्लैक स्पॉट सही करवाना,प्रधानमंत्री आवास व शौचालय निर्माण के आवेदन प्राप्त किए जाएंगे। अधिशासी अधिकारी ने सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है कि सरकार की मंशानुसार शिविरों में अधिक से अधिक लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ प्रदान करें।

स्वास्थ्य जागरूकता को लेकर सेमिनार

निवाई। राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के अन्तर्गत बन्धन संस्था के तत्वावधान में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता को लेकर सेमिनार का आयोजन किया गया। संस्था के सहायक प्रबंधक गिरीश तिवारी ने बताया कि सेमिनार में संस्था के असिस्टेंट वाईस प्रेसिडेंट शुभदीप रॉय एवं एएम सुप्रियो दत्ता सहित बंधन संस्था के सदस्य एवं स्वास्थ्य सहायिकाओं ने विचार व्यक्त किए। उन्होंने बताया कि बन्धन संस्था कोटक महेद्रा बैंक के वित्तीय सहयोग से निवाई ब्लॉक में कुपोषण की रोकथाम हेतु समुदाय को जागरूक करने सहित कई सराहनीय कार्य कर रही है। सेमिनार में डीपीएम देवराज गुर्जर एवं आरसीएचओ गोपाल जान्दिल द्वारा पोषण संबंधी जानकारियाँ दी गई। साथ ही एनआरसी के कार्यो एवं उनके महत्व के बारे में विस्तार से अवगत करवाया। उन्होंने संस्था के सदस्यों को पोषण सुधार की दिशा में मिलकर कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

निराश्रित गौवंशो को भेजेंगे गौशाला

फुलेरा । फुलेरा नगरपालिका क्षेत्र में निराश्रित गौवंशो को गौशालाओं में भेजा जाएगा साथ ही पालतू गौवंश व अन्य पशुओं को खुले में छोड़ने पर जुर्माना लगाया जाएगा। जानकारी देते पालिका ईओ सूर्यकांत शर्मा ने बताया कि जिला कलक्टर जयपुर के निर्देशानुसार पालिका की ओर से पालिका क्षेत्र में सार्वजनिक स्थलों एवं सडकों पर विचरण कर रहें निराश्रित गौवंश को कांजी हाउस/गौशालाओं मे स्थानान्तरित करने का कार्य बुधवार 17 सितंबर से किया जायेगा।

खोया पाया

प्लाट नं. E-304, वैशाली नगर, जयपुर के मूल कागज अलॉटमेंट लेटर JDA स्टाम्प पेपर, पजेशन कहीं खो गए है। मिलने पर सूचित करें-शिरीष कुमार अग्रवाल, मो. 7240315493

मेरा मकान सं. 64/254 प्रताप नगर, जयपुर मूल नियमितिकरण एवम् अदेय प्रमाण पत्र गुम हो गये है। मिलने पर सम्पर्क करें। अशोक कुमार-9414663683

मकान सं. 261/401, प्रताप नगर, जयपुर मूल आवंटन, कब्जा, नोड्यूज, भौतिक कब्जा पत्र कहीं गुम हो गये है। मिलने पर सम्पर्क करें। राजेश आचार्य-मो.9983810101

Missing Original Documents Viz. Kabja Patra, Declaration Form, 7 Days Letter, Adeya Praman Patra and other Original Doucmnents of Shop No. 5/C-8/S-18, Indira Gandhi Nagar, Jaipur Rajasthan in the name of Mukesh Chand Meena S/o Shri Jagan Prasad Meena, 9/L/152, Indira Gandhi Nagar, Jaipur. Rajasthan.

कार्यालय उपायुक्त हवामहल-आमेर जोन

नगर निगम हैरिटेज जयपुर (चौगान स्टेडियम के पास, गणगौरी बाजार, जयपुर)
E-mail : dchmw.jmc@gmail.com, Phone : 0141-2329953

क्र. : F51( )Dept/Comm./H.M.A.Z./2024-25/964 दि. : 16.09.2025

श्रीमती फरीदा पत्नी श्री रहीम खां निवासी प्लॉट नं. : डी-171, संजय नगर, भट्टा बस्ती, शास्त्री नगर, जयपुर

आपत्ति सूचना उपरोक्त विषयान्तर्गत लेख है कि कार्यालय नगर निगम, जयपुर द्वारा भूखण्ड संख्या मकान डी-171, संजय नगर, भट्टा बस्ती, शास्त्री नगर, जयपुर का पट्टा जारी करने हेतु आवेदन किया है। मूल आवंटी के वारिसों द्वारा इकरारनामा के जरिये आपके हक में बेचान कर दिया गया है जिसका आप द्वारा पट्टा चाहा गया है। उक्त सम्बन्ध में किसी व्यक्ति/सरकारी/गैर सरकारी संस्था या अन्य को कोई आपत्ति हो तो 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता को लिखित में सूचित करें। मियाद गुजरने के पश्चात कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी। उपायुक्त, हवामहल आमेर जोन, नगर निगम हैरिटेज जयपुर

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर

क्रमांक:7054 **जाहिर आम-सूचना** दिनांक:16.09.2025

राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर योजना में व्यावसायिक भूखण्ड संख्या 193/SP-03 (एरिया 13.50 वर्गमीटर) प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन श्री मोहन करनानी पुत्र स्व. श्री प्रताप करनानी को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 391 दिनांक 16.04.2013 को जारी किया गया। श्री मोहन करनानी के पक्ष में उक्त व्यावसायिक भूखण्ड के पंजीयन प्रपत्र दिनांक 12.07.2013 को उप पंजीयक-अष्टम, जयपुर के यहां पंजीकृत करवाये गये। श्री मोहन करनानी की मृत्यु दिनांक 20.08.2022 को हो जाने के कारण हकत्याग पत्र के आधार पर इनकी पत्नी श्रीमती रेणु करनानी पत्नी स्व. श्री मोहन करनानी द्वारा उक्त व्यावसायिक भूखण्ड स्वयं के नाम हस्तान्तरण करने हेतु आवेदन किया गया है। अतः उक्त व्यावसायिक भूखण्ड के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नही है, श्रीमती रेणु करनानी पत्नी स्व. श्री मोहन करनानी का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।

सम्पदा प्रबन्धक वृत्त-प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

कार्यालय आवासीय अभियन्ता, खण्ड-तेरह, जयपुर

राजस्थान आवासन मण्डल
RAJASTHAN HOUSING BOARD
(राज. आवा. मण्डल अधिनियम1970 के तहत गठित राज्य सरकार का उपक्रम)
(A State Government Enterprise Constituted under RHB Act. 1970)

क्रमांक: आवा.अभि./खण्ड-13, रा.आ.म./2025-26/417 दिनांक: 29/8/25

आम जाहिर सूचना राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा आवास संख्या 3/150, निवाई आवासीय योजना टोंक क्षेत्रफल माप 72.00 वर्गमीटर का आवंटन मूलतः श्रीमति मंजूलता शर्मा पत्नि श्री रामकिशोर शर्मा को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 1745 दिनांक 01.03.2023 एवं संशोधित आवंटन पत्र क्रमांक 288 दिनांक 12.04.2023 जारी किया गया था। श्रीमति मंजूलता शर्मा पत्नि श्री रामकिशोर शर्मा की मृत्यु दिनांक 25.01.2025 को हो गई है। श्रीमति मंजूलता शर्मा पत्नि श्री रामकिशोर शर्मा की पुत्री श्रीमति यामिनी द्वारा मृत्यु पश्चात उक्त आवास का हस्तान्तरण करने हेतु आवेदन पत्र मय वांछित दस्तावेज यथा क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र, शपथ पत्र, वारिसान का कार्यालय उप पंजीयक निवाई द्वारा जारी हक त्याग पत्र, स्वयं व गवाहान के पहचान संबंधी दस्तावेज प्रस्तुत कर उक्त आवास का स्थानान्तरण/हस्तान्तरण अपने पक्ष में करने हेतु निवेदन किया गया है। अतः उक्त हस्तान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति/बैंक/संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 03 दिवस में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नही होने पर आवेदक श्रीमति मंजूलता शर्मा पत्नि श्री रामकिशोर शर्मा की पुत्री श्रीमति यामिनी के पक्ष में उक्त आवास के हस्तान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी।

श्रीमति यामिनी पत्नी श्री गोपाललाल शर्मा, शिवाजी कॉलोनी, गली नम्बर 08, तहसील निवाई जिला टोंक, राजस्थान-304021

आवासीय अभियन्ता खण्ड-तेरह, जयपुर

कार्यालय आवासीय अभियन्ता, खण्ड-तेरह, जयपुर

राजस्थान आवासन मण्डल
RAJASTHAN HOUSING BOARD
(राज. आवा. मण्डल अधिनियम1970 के तहत गठित राज्य सरकार का उपक्रम)
(A State Government Enterprise Constituted under RHB Act. 1970)

क्रमांक: आवा.अभि./खण्ड-13, रा.आ.म./2025-26/419 दिनांक: 29/8/25

आम जाहिर सूचना राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा भूखण्ड संख्या 2/03, निवाई आवासीय योजना निवाई, टोंक क्षेत्रफल माप 210.00 वर्गमीटर का आवंटन मूलतः श्रीमति मधुबाला कोटावाला पत्नि श्री नंद कुमार को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 11204/261 दिनांक 08.06.2015 जारी किया गया था। श्रीमति मधुबाला कोटावाला पत्नि श्री नंद कुमार के द्वारा पंजीयन प्रपत्र का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक निवाई में दिनांक 05.08.2015 को करवाया गया। श्रीमति मधुबाला कोटावाला पत्नि श्री नंद कुमार द्वारा अग्रिम विक्रय पत्र के द्वारा श्रीमति मन्जूलता पत्नी श्री रामकिशोर शर्मा को कर दिया गया। श्रीमति मन्जूलता पत्नी श्री रामकिशोर शर्मा द्वारा पंजीयन प्रपत्र का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक निवाई में दिनांक 03.08.2022 को करवाया गया। श्रीमति मन्जूलता पत्नी श्री रामकिशोर शर्मा को द्वारा मूल आवंटी के नाम पंजीयन हो जाने के बाद पश्चातवर्ती क्रेता का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कराने हेतु आवेदन पत्र मय वांछित दस्तावेज प्रस्तुत कर उक्त भूखण्ड का हस्तान्तरण अपने पक्ष में करने हेतु निवेदन किया गया। खण्ड कार्यालय के पत्र क्रमांक 894 दिनांक 14.09.2022 द्वारा श्रीमति मन्जूलता पत्नी श्री रामकिशोर शर्मा के पक्ष में भूखण्ड संख्या 2/03, निवाई आवासीय योजना निवाई, टोंक का हस्तान्तरण किया गया। श्रीमति मन्जूलता पत्नी श्री रामकिशोर शर्मा की मृत्यु दिनांक 25.01.2025 को हो गई है। श्रीमति मंजूलता शर्मा पत्नि श्री रामकिशोर शर्मा के पुत्रो श्री रविकान्त शर्मा एवं शशि भूषण शर्मा द्वारा मृत्यु पश्चात उक्त आवास का हस्तान्तरण अपने पक्ष में करने हेतु आवेदन पत्र मय वांछित दस्तावेज यथा क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र, शपथ पत्र, वारिसान का कार्यालय उप पंजीयक निवाई द्वारा जारी हक त्याग पत्र, स्वयं व गवाहान के पहचान संबंधी दस्तावेज प्रस्तुत कर उक्त आवास का स्थानान्तरण/हस्तान्तरण अपने पक्ष में करने हेतु निवेदन किया गया है। अतः उक्त हस्तान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति/बैंक/संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 03 दिवस में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नही होने पर आवेदक श्रीमति मंजूलता शर्मा पत्नि श्री रामकिशोर शर्मा के पुत्रो श्री रविकान्त शर्मा एवं शशि भूषण शर्मा के पक्ष में उक्त आवास के हस्तान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी।

श्री रविकान्त शर्मा एवं शशि भूषण शर्मा, शिवाजी कॉलोनी, गली नम्बर 08, तहसील निवाई जिला टोंक, राजस्थान-304021

आवासीय अभियन्ता खण्ड-तेरह, जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/630

चूंकि प्रार्थी श्री Jitender Singh Chouhan, Plot no 41 Krishna Vatika Bazri Mandi Road Panchyawala Jaipur ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास Tejasvi Foundation Jaipur, Plot no 41 Krishna Vatika Bazri Mandi Road Panchyawala Jaipur के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है। अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 10-09-2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइंदा तारीख पेशी 17/11/2025

मोहर अदालत

सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

खान मंत्रालय
MINISTRY OF MINES

पदनामित अधिकारी, खान मंत्रालय, भारत सरकार

कक्ष संख्याः 310, डी विंग, तृतीय तल, शास्त्री भवन, नई दिल्ली, 110001, 011-23384593

''महत्वपूर्ण और सामरिक खनिजों के लिए खनिज रियायत प्रदान करने हेतु छठी श्रृंखला के लिए बोलियों का आमंत्रण''

खान और खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1957 की धारा 11 (घ) द्वारा, इस अधिनियम की प्रथम अनुसूची के भाग घ में विनिर्दिष्ट खनिजों के लिए खनिज रियायत प्रदान करने हेतु, केंद्र सरकार को प्रदत्त नीलामी करने की शक्ति का प्रयोग करते हुए और इसके अंतर्गत अधिसूचित समय-समय पर यथा संशोधित खनिज (नीलामी) नियम, 2015 के अनुसरण में, भारत सरकार ने खान मंत्रालय के पदनामित अधिकारी को महत्वपूर्ण और सामरिक खनिजों की नीलामी की छठी श्रृंखला में 23 ब्लॉकों की नीलामी करने का निदेश दिया है। निविदा आमंत्रण सूचना (एनआईटी) एमएसटीसी ई-नीलामी पोर्टल और खान मंत्रालय की वेबसाइट पर प्रकाशित की गई है। निविदा दस्तावेज़ की बिक्री मंगलवार, 23 सितंबर, 2025 से शुरू होगी। निविदा दस्तावेज़ और अन्य विवरण (https://www.mstcecommerce.com/auctionhome/mlcin/) पर देखे जा सकते हैं।

CBC 26101/11/0003/2526

प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों और टैक्स सुधारों से जनता को मिला सीधा लाभ : जोगाराम पटेल

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में कैसे विकसित भारत की ओर बढ़ रहा देश : विधि एवं कानून मंत्री

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । जयपुर शहर भाजपा कार्यालय में विधि एवं कानून मंत्री जोगाराम पटेल ने प्रेसवार्ता कर पत्रकारों को संबोधित किया। "नेक्स्ट जेनरेशन, जीएसटी दरों के क्रांतिकारी और जनउपयोगी सुधार" विषय पर आयोजित इस प्रेसवार्ता में पटेल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हुए आर्थिक और कर सुधारों की विस्तार से जानकारी दी। पटेल ने कहा कि मोदी के नेतृत्व में देश अब 2 दिवाली मना रहा है, एक पारंपरिक दीपावली और दूसरी कर सुधारों की दीपावली जो आमजन को राहत देने वाली है।

जयपुर शहर भाजपा कार्यालय में विधि एवं कानून मंत्री जोगाराम पटेल ने मंगलवार को प्रेसवार्ता की।

■ यूपीए सरकार के समय टैक्स प्रणाली जटिल थी और इंस्पेक्टर राज हावी था, जिसे मोदी सरकार ने पारदर्शी और सरल बनाया है। आज "एक देश एक कर" का सपना साकार हुआ है : जोगाराम पटेल

उन्होंने कहा कि यूपीए सरकार के समय टैक्स प्रणाली जटिल थी और इंस्पेक्टर राज हावी था, जिसे मोदी सरकार ने पारदर्शी और सरल बनाया है। आज "एक देश एक कर" का सपना साकार हुआ है। उन्होंने कहा कि रोटी कपड़ा और मकान ही नहीं बल्कि जीवन के हर क्षेत्र में उपयोगी वस्तुओं को सस्ता कर दिया गया है। दवाइयां, ऑक्सीजन से लेकर घरेलू उपयोग की वस्तुएं अब कम दरों पर उपलब्ध हैं। मोदी सरकार ने टैक्स स्लैब को भी सरल किया है अब पहले की चार स्लैब की जगह दो ही प्रमुख स्लैब 5 और 18 प्रतिशत रखे गए हैं, जिससे कर प्रणाली अधिक सहज और स्पष्ट हुई है।

पटेल ने कहा कि टैक्स कम होने का सीधा लाभ जनता को मिला है वाहन खरीदना अब 10 प्रतिशत सस्ता हुआ है और ट्रैक्टर से लेकर टॉफी तक खरीदना आम आदमी के लिए आसान हो गया है। उन्होंने बताया कि आज हमारे देश में करदाताओं की संख्या डेढ़ करोड़ तक पहुंच गई है और जीएसटी संग्रहण 11 लाख करोड़ से बढ़कर वर्ष 2024-25 में 22 लाख करोड़ के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। उन्होंने इसे मोदी सरकार के कुशल नेतृत्व का परिणाम बताया और कहा कि यह हमारे लिए गौरव की बात है कि उनके जन्मदिवस पर पूरे देश में सेवा पखवाड़ा मनाया जा रहा है।

इस दौरान भाजपा कार्यकर्ता जनहित के कार्यों में जुटे रहेंगे और हर व्यक्ति तक सेवा पहुंचाने का प्रयास करेंगे।प्रेसवार्ता में जयपुर शहर भाजपा के जिला अध्यक्ष अमित गोयल ने भी अपने विचार रखते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब से 2014 में देश के प्रधान सेवक बने हैं तब से हर योजना के केंद्र में देश की गरीब जनता रही है। उन्होंने गरीबों को गणेश मानकर हर नीति की शुरुआत की है। उनके नेतृत्व में 12 करोड़ से अधिक शौचालयों का निर्माण हुआ है और करोड़ों गरीबों को मकान दिए गए हैं। इस अवसर पर आत्मनिर्भर भारत की जिला संयोजक रेखा राठौड़, नेक्स्ट जेन जीएसटी के संयोजक अजय यादव, सेवा पखवाड़ा के जिला संयोजक नवरत्न नाराणिया सहित भाजपा के जिले स्तर के कई पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री आज करेंगे ग्रामीण एवं शहरी सेवा शिविरों का शुभारम्भ

प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिवस से शुरू होगा सेवा और सुशासन का महाअभियान

जयपुर । देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितम्बर के अवसर पर राजस्थान सरकार राज्यभर में ग्रामीण एवं शहरी सेवा शिविरों का आयोजन करने जा रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जयपुर से इन शिविरों का शुभारंभ करेंगे।

इस अवसर पर वे मालवीय नगर स्थित सामुदायिक केन्द्र से शहरी सेवा शिविरों तथा बस्सी से ग्रामीण सेवा शिविरों की शुरुआत करेंगे। राज्य सरकार 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक प्रदेशभर में इन शिविरों का आयोजन करेगी।

इनका उद्देश्य आमजन को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ त्वरित रूप से उपलब्ध कराना तथा उनकी समस्याओं का मौके पर ही समाधान करना है। मुख्यमंत्री श्री शर्मा के नेतृत्व में शुरू हो रहा यह अभियान अंत्योदय की भावना को साकार करते हुए विकास को नई गति प्रदान करेगा।

शहरी सेवा शिविरों में नागरिकों को एक ही स्थान पर योजनाओं से संबंधित सेवाएं दी जाएंगी। इनमें जन्म, मृत्यु और विवाह पंजीकरण, लीज, नामांतरण, हस्तांतरण, फायर एनओसी, सफाई व्यवस्था, सार्वजनिक प्रकाश व्यवस्था, सड़क मरम्मत, नाली व सीवर मरम्मत जैसे कार्य शामिल हैं।

साथ ही पीएम-सीएम स्वनिधि योजना, अटल पेंशन योजना, बीमा योजनाएं, वृद्धावस्था, विधवा और विकलांग पेंशन योजना जैसे सामाजिक सुरक्षा से जुड़े कार्य भी इन शिविरों में संपादित किए जाएंगे। इसके साथ ही नगरीय विकास एवं आवासन विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, शिविरों में बकाया लीज राशि को वर्ष 2025-26 तक एकमुश्त जमा कराने पर ब्याज में 100 प्रतिशत की छूट सहित अन्य रियायतें भी दी जाएंगी। मुख्यमंत्री द्वारा शुभारंभ किए जा रहे ग्रामीण सेवा शिविरों के तहत प्रदेश की प्रत्येक पंचायत समिति में गुरुवार, शुक्रवार और शनिवार को दो ग्राम पंचायतों में चरणबद्ध तरीके से शिविर आयोजित किए जाएंगे।

इन शिविरों में आमजन को पट्टा वितरण, रास्ते खोलने, नामांतरण, स्वामित्व योजना, किसान ऐप के माध्यम से गिरदावरी, भूमि विवादों के समाधान जैसे कार्यों का लाभ मिलेगा।इसके अतिरिक्त शिविरों में स्वास्थ्य जांच, यूडीआईडी कार्ड वितरण, पशु चिकित्सा, टीकाकरण, विद्यालयों की मरम्मत, बीज मिनी किट वितरण, वृक्षारोपण, स्वच्छता, मूल निवास व जाति प्रमाणपत्र जारी करने, लंबित फार्मर रजिस्ट्री के पूर्णकरण और जनहानि, पशुहानि एवं मकान क्षित के लिए सहायता राशि की स्वीकृति भी की जाएगी।मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में शुरू हो रहा यह सेवा अभियान आमजन को सरकारी योजनाओं से सीधे जोड़ने और उनकी शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास माना जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस से शुरू हो रहा यह अभियान सेवा, सुशासन और अंत्योदय की भावना को मजबूती देने वाला साबित होगा।

दीक्षांत परेड समारोह 19 सितंबर को

जयपुर (कासं)। राजस्थान पुलिस अकादमी में 19 सितंबर को एक ऐतिहासिक दीक्षान्त परेड समारोह आयोजित होने जा रहा है। जिसमें आरपीएस (प्रोबेशनर्स) बैच संख्या 55 के पुलिस अधिकारी औपचारिक रूप से पुलिस सेवा में शामिल होंगे। अकादमी के परेड ग्राउंड में सुबह 8:30 बजे से शुरू होने वाले इस भव्य कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री राजस्थान भजन लाल शर्मा का आगमन प्रस्तावित है। वह परेड का निरीक्षण करेंगे और युवा अधिकारियों से संवाद कर उन्हें राष्ट्र सेवा के लिए प्रेरित करेंगे।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से राजभवन में मंगलवार को केन्द्र शासित प्रदेश लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता ने मुलाकात की। राज्यपाल से उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी।

मदन राठौड़ आज करेंगे सेवा पखवाड़े का शुभारंभ

जयपुर । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन आज से भाजपा प्रदेशभर में सेवा पखवाड़े का शुभारंभ करेगी। सेवा पखवाड़ा 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलाया जाएगा। इस दौरान विभिन्न जनसेवा कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, जिनमें रक्तदान शिविर, स्वच्छता अभियान, स्वास्थ्य शिविर, प्रधानमंत्री के जीवन पर डॉक्टूमेंट्री फिल्म प्रदर्शन, प्रबुद्ध वर्ग संवाद, विशेष योग्यजन एवं विशिष्ट व्यक्तियों का सम्मान,वोकल फॉर लोकल का प्रचार, सांसद खेल कूद प्रतियोगिता का आयोजन, विकसित भारत चित्रकला प्रतियोगिता, मोदी विकास मैराथन, पंडित दीनदयाल जयंती एवं गांधी जयंती पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके साथ ही एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया जाएगा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ 17 सितंबर को हवामहल पर स्वच्छता अभियान का शुभारंभ करेंगे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस पर आज होंगे विभिन्न कार्यक्रम

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा स्वच्छता अभियान तथा रक्तदान शिविर में शामिल होंगे

जयपुर । एक दशक से अधिक समय से देश के प्रधान सेवक के रूप में खुद को जनसेवा के लिए समर्पित करने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जीवन प्रत्येक देशवासी के लिए प्रेरणास्त्रोत है। प्रधानमंत्री के जन्म दिवस (17 सितंबर) के अवसर पर राजस्थान में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा सेवा पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। साथ ही, प्रधानमंत्री के जन्मदिन के अवसर पर बुधवार को स्वच्छता अभियान, रक्तदान शिविर, ग्रामीण सेवा शिविर एवं शहरी सेवा शिविर जैसे कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें मुख्यमंत्री शामिल होंगे। कार्यक्रमों की शुरूआत में मुख्यमंत्री प्रातः 7 बजे जयपुर के मानसरोवर स्थित सिटी पार्क में 'स्वच्छता ही सेवा' कार्यक्रम में शामिल होकर सफाई अभियान में हिस्सा लेंगे।

■ जवाहर कला केन्द्र में आयोजित प्रदर्शनी का भी मुख्यमंत्री करेंगे अवलोकन

इसके पश्चात शर्मा प्रातः 9 बजे जवाहर कला केन्द्र पहुंचेंगे और प्रधानमंत्री के जन्मदिवस पर आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन करेंगे।

मुख्यमंत्री इसके पश्चात प्रातः 10 बजे मालवीय नगर स्थित सामुदायिक केन्द्र से 'शहरी सेवा शिविर' का शुभारंभ करेंगे। ये शिविर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक राज्य के शहरी निकायों में आयोजित किए जा रहे हैं जहां विभिन्न कार्यों और योजनाओं के माध्यम से आमजन को लाभान्वित किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में इंदौर में आयोजित होने वाले स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार अभियान के शुभारंभ कार्यक्रम में शर्मा जयपुर से वर्चुअल रूप से शामिल होंगे। यह कार्यक्रम प्रतापनगर स्थित आरयूएचएस चिकित्सा परिसर में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में थैलेसीमिया कुटुंब योजना, राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत मन दर्पण कार्यक्रम तथा जेके लोन अस्पताल में डेडिकेटेड पीडियाट्रिक सीटीवीएस इकाई का शुभारंभ भी किया जाएगा।

मुख्यमंत्री इसके बाद सीतापुरा औद्योगिक क्षेत्र स्थित निर्यात संवर्धन औद्योगिक पार्क में तेरापंथ युवक परिषद् द्वारा आयोजित विशाल रक्तदान शिविर में पहुंचकर रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन भी करेंगे। कार्यक्रमों की अगली कड़ी में मुख्यमंत्री अपराह्न साढ़े 3 बजे जयपुर की बस्सी तहसील में ग्राम पंचायत टोडाभाटा स्थित महात्मा गांधी स्टेडियम से 'ग्रामीण सेवा शिविर' का शुभारंभ करेंगे। यह अभियान राज्य की प्रत्येक पंचायत समिति में सप्ताह में तीन दिन आयोजित किया जाएगा। इनमें से प्रत्येक दिन हर पंचायत समिति की दो ग्राम पंचायतों में ये शिविर लगेंगे।

उपमुख्यमंत्री ने किया सुरताल कला महोत्सव का शुभारंभ

सुरताल कला महोत्सव में पहुंची उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी का आयोजकों ने स्वागत किया।

जयपुर । जवाहर कला केंद्र और अंजना वेलफेयर सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'सुरताल कला महोत्सव' का मंगलवार को भव्य शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने दीप प्रज्वलन कर किया और जेकेके में लगाई गई कला प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। अपने संबोधन में उपमुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे सांस्कृतिक मंच न केवल कलाकारों को प्रोत्साहित करते हैं, बल्कि समाज को कला एवं संस्कृति के प्रति अधिक संवेदनशील और जागरूक भी बनाते हैं। हमारी सांस्कृतिक विरासत को संजोने और आगे बढ़ाने के लिए इस प्रकार के आयोजनों की अत्यंत आवश्यकता है। 'सुरताल कला महोत्सव' का आयोजन 16 सितम्बर से 25 सितम्बर तक किया जा रहा है। यह 10 दिवसीय उत्सव कला और संस्कृति का अद्वितीय संगम है, जिसमें कठपुतली एवं थिएटर, नृत्य और संगीत, चित्रकला, कल संवाद एवं संगोष्ठियों जैसी विविध गतिविधियाँ आयोजित होंगी। महोत्सव के अंतर्गत राजस्थान की प्रतिष्ठित कला हस्तियों का सम्मान भी किया जाएगा। इनमें पद्मश्री तिलक गीती, प्रसिद्ध कलाकार युसूफ़ खान सहित अन्य कला साधक शामिल हैं। महोत्सव की विशेष कार्यशालाएँ सरकारी विद्यालयों और महाविद्यालयों में भी आयोजित की जाएँगी, ताकि अधिक से अधिक युवा विद्यार्थी कला और संस्कृति से जुड़ सकें। अंजना वेलफेयर सोसाइटी, जिसकी फाउंडर मेंबर माया कुलश्रेष्ठ हैं, पिछले 13 वर्षों से भारतीय कला-संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभा रही है।

केंद्रीय मंत्री अठावले जयपुर फुट केंद्र पर दिव्यांगों से मिले

जयपुर। केंद्रीय सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण मंत्री रामदास अठावले ने सोमवार को भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति (बीएमवीएसएस) में दिव्यांगों से भेंट की।

अठावले एक दिवसीय जयपुर यात्रापर आए थे। उन्होंने बड़ी संख्या में दिव्यांगों को संबोधित करते हुए कहा कि डीआर मेहता ने बीएमवीएसएस संस्था स्थापित कर उन पीडित द्विव्यांगों की सेवा का मानव कल्याणकारी कार्य किया हैं, जिससे हर भारतीय गौरवान्वित हैं।

संस्था बीएमवीएसएस प्रांगण में पहुंचने पर अठावले का स्वागत बीएमवीएसएस के सचिव भूपेन्द्र मेहता और तकनीकि सचिव डॉ. दीपेन्द्र मेहता ने किया।बीएमवीएसएस के संस्थापक और मुख्य संरक्षक डीआर मेहता ने द्विव्यांगों से केंद्रीय मंत्री से भेंट कराई।

उन्होंने कहा कि वह बीएमवीएसएस के जयपुर फुट युएसए के चेयरमैन प्रेम भंडारी से इस संस्था के कार्यों की जानकारी प्राप्त कर चुके थेऔर तब ही से केंद्रीय मंत्री के रूप में वह संस्था को देखना चाहते थे। उन्होंने दिव्यांगों को जीवन हिम्मत और सुख से जीने के लिए कहा।

छोटीकाशी में शारदीय नवरात्रा की तैयारियां शुरू

जयपुर। शारदीय नवरात्रे के लिए छोटीकाशी के मंदिरों में तैयारियां शुरू हो गई है। आमेर, दुर्गापुरा, पुरानी बस्ती, घाटगेट श्मशान, झालाना डूंगरी के प्रसिद्ध देवी मंदिरों में तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

इसी कड़ी में कनक घाटी आमेर रोड स्थित ठिकाना मंदिर श्री गोविन्द देव जी के मातहत मंदिर श्री देवी मनसा माता में शारदीय नवरात्र महोत्सव भक्तिभाव से मनाया जाएगा। इस बार देवी मां हाथी पर विराजमान होकर मंदिर में पधारेंगी। सोमवार 22 सितंबर को गोविंद देवजी मंदिर के महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सान्निध्य में सुबह 8:30 से दोपहर 12 बजे तक घट स्थापना, श्री शारदीय दुर्गा देवी कल्पारम्भ, विहित पूजा, व्रत, चण्डी पाठ, श्रृंगार, भोग, आरती एवं पुष्पांजलि सम्पन्न होंगे। गोविंद देवजी मंदिर के सेवाधिकारी मानस गोस्वामी ने बताया कि प्रतिदिन चण्डी पाठ, श्रृंगार, भोग, आरती एवं पुष्पांजलि के आयोजन होंगे।

द्वितीया 23 सितम्बर मंगलवार, तृतीया 24 सितम्बर बुधवार, चतुर्थी 25 सितम्बर गुरुवार एवं 26 सितम्बर शुक्रवार तथा पंचमी 27 सितम्बर शनिवार को इसी क्रम में कार्यक्रम रहेंगे। षष्ठी 28 सितम्बर रविवार को सुबह 8:30 बजे से षष्ठी कल्पारम्भ होगा।

राजस्थान महिला निधि को एनसीडीसी से मिली 3000 करोड़ की ऋण सुविधा

जयपुर । राजस्थान सरकार की 'राजस्थान महिला निधि' योजना ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इस योजना के तहत राजीविका स्वयं सहायता समूहों और उनकी सदस्याओं को आसान, सुलभ और त्वरित ऋण दिया जाता है ताकि वे अपना व्यवसाय शुरु या विस्तारित कर सकें और परिवार की आमदनी बढ़ा सकें।

योजना की जानकारी देते हुए नेहा गिरि, राज्य मिशन निदेशक राजीविका ने बताया कि महिलाएं 40 हजार रुपये तक का ऋण मात्र 48 घंटे में प्राप्त कर सकती हैं, जबकि इससे अधिक राशि 15 दिनों में स्वीकृत होती है। यह योजना राजस्थान के सभी 41 जिलों में लागू है और लगभग 4 लाख एप्उ समूहों व करीब 45 लाख ग्रामीण परिवारों तक पहुँच चुकी है। गरीब, निराश्रित और वंचित महिलाओं को विशेष प्राथमिकता दी जाती है। डिजिटल आवेदन और न्यूनतम कागजी कार्यवाही होने से प्रक्रिया बेहद सरल है।

नेशनल को-ऑपरेटिव डेवलपमेंट कॉरपोरेशन की ओर से 3000 करोड़ रुपये की ऋण स्वीकृति का चैक दिया गया।

योजना के विस्तार के लिए राज्य सरकार ने नेशनल को-ऑपरेटिव डेवलपमेंट कॉरपोरेशन से 3000 करोड़ रुपये की ऋण सुविधा प्राप्त की है। एनसीडीसी भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के अंतर्गत एक वैधानिक संगठन है। इस राशि का चेक प्रदान किये जाने के अवसर पर रोहित गुप्ता, उप प्रबंध निदेशक, डॉ. पूजा शर्मा, राजस्थान महिला निधि उपस्थित थे। योजना के अंतर्गत सरकार द्वारा महिलाओं को ऋण पर ब्याज अनुदान दिया जाएगा जिससे उन्हें केवल 1.5 प्रतिशत वार्षिक ब्याज पर ऋण उपलब्ध हो सकेगा।

■ ग्रामीण महिलाओं को 1.5 प्रतिशत वार्षिक दर पर मिलेगा ऋण

यह राशि महिलाओं को सूक्ष्म उद्यम, कृषि, पशुपालन, छोटे कारोबार और सामाजिक आवश्यकताओं के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने में प्रयुक्त होगी। कम ब्याज दर महिलाओं को बिना आर्थिक बोझ के व्यवसाय बढ़ाने में मदद करती है।

समय पर ऋण से महिला उद्यमिता, आय वृद्धि और वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा मिला है। आवेदन से लेकर निगरानी तक सभी प्रक्रियाएँ पूरी तरह ऑनलाइन हैं। सामुदायिक समूह और महिला नेतृत्वकर्ता जागरूकता फैलाने और ऋण अदायगी में सक्रिय हैं।

इस अवसर पर सुनील कुमार छापोला, क्षेत्रीय निदेशक एनसीडीसी जयपुर, विकास उपाध्याय, निदेशक सी, आईसी और एससी, मीनाक्षी यादव, उप निदेशक सी, आईसी और एससी, शंभू दयाल कुमावत, डीपीएम - राजस्थान महिला निधि भी उपस्थित रहे।

2 से 15 अक्टूबर तक प्रदेशभर में चलेगा सहकार सदस्यता अभियान

जयपुर । सहकारिता विभाग द्वारा आगामी 2 से 15 अक्टूबर तक प्रदेश भर में सहकार सदस्यता अभियान संचालित किया जाएगा। अभियान को सफल बनाने के लिए विभाग द्वारा वृहद् स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। विभाग की प्रमुख शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां मंजू राजपाल ने मंगलवार को वीसी के माध्यम से आयोजित बैठक में अभियान की तैयारियों की समीक्षा की और अधिकारियों का आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

■ प्रमुख शासन सचिव मंजू राजपाल ने अभियान की तैयारियों की समीक्षा

राजपाल ने कहा कि अभियान को सफल बनाने तथा आशानुरूप परिणाम प्राप्त करने के लिए अभियान पूर्व तैयारियां निर्धारित समय में एवं निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप सुनिश्चित करनी होंगी। उन्होंने तैयारियों की खण्डवार समीक्षा करते हुए इसमें गति लाने के अधिकारियों को निर्देश दिए। प्रमुख शासन सचिव ने कहा कि यह अभियान राज्य में सहकारिता का विस्तार करने की दृष्टि से महत्वपूर्ण अवसर होगा। अभियान के अंतर्गत प्रमुख रूप से पांच गतिविधियां सम्पादित की जाएंगी, जिनमें नवीन पैक्स के गठन हेतु प्रस्ताव व सदस्यता राशि प्राप्त करना तथा स्वीकृति जारी करना, प्रस्तावित नये सहकारिता कानून के प्रावधानों की जानकारी देना, पैक्स/डेयरी सहकारी समितियों में युवाओं व महिलाओं के लिए विशेष सदस्यता अभियान चलाना, पीएम किसान योजना के अंतर्गत लम्बित आवेदनों की ई-केवाईसी व आधार सीडिंग कराकर इनका निस्तारण करना तथा नवीन गोदामों के लिए आवश्यकता के अनुरूप जमीन चिह्नीकरण किया जाना शामिल हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि अभियान में अपेक्षित परिणाम प्राप्त करने के लिए सबकी भागीदारी और जिम्मेदारी सुनिश्चित करते हुए पूरी सक्रियता से प्रयास किये जाएं। प्रमुख शासन सचिव ने कहा कि अभियान के संबंध में जिलेवार लक्ष्य निर्धारित कर अवगत करवाया जा चुका है। अभियान की अवधि सीमित होने के कारण तैयारी अवधि में आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली जाएं, जिससे अभियान के दौरान सुगमता से कार्य सम्पन्न हो। उन्होंने निर्देश दिए कि राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप पूरे मनोयोग से प्रयास करते हुए अधिक से अधिक युवाओं और महिलाओं को सहकारी समितियों की सदस्यता के लिए आवेदन करवाये जाएं। इस कार्य में एनजीओ, राजीविका समूहों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, नेहरू युवा केन्द्र आदि का सहयोग लिया जाए। अभियान के दौरान 10 फीसदी नये सदस्य जोड़ने का लक्ष्य है। सदस्यता के लिए ऑफलाइन अथवा ऑनलाइन आवेदन करवाया जा सकता है। राजपाल ने नवीन पैक्स गठन के लिए सर्व की कार्यवाही में तेजी लाने, पीएम किसान सम्मान निधि योजना के वंचित लाभार्थियों की ई-केवाईसी व आधार सीडिंग करवाकर लाभान्वित करने तथा गोदामों हेतु भूमि चिह्नीकरण कर प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी अतिरिक्त रजिस्ट्रार (खण्ड) को अभियान के बिन्दुओं की नियमित रूप से समीक्षा व मॉनिटरिंग करते हुए निर्धारित प्रारूप में सूचनाएं प्राप्त कर प्रतिदिन प्रधान कार्यालय भिजवाने के निर्देश दिए।

यह अच्छा लगता है और स्वर्ण पदक जीतना अपने आप में बेहद खुशी की बात है। मेरे कोच ने मेरे खेल को बेहतर बनाने में मेरी बहुत मदद की है। मैं बहुत अच्छा महसूस कर रही हूं।'' – जैसमीन

भारतीय मुक्केबाज, विश्व चैम्पियन में सफलता हासिल करने पर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी नीरज चोपड़ा

नीरज चोपड़ा बुधवार को टोक्यो के नेशनल स्टेडियम में पुरुषों के भाला फेंक क्वालीफायर में भाग लेकर विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में अपने खिताब की रक्षा की शुरुआत करेंगे। फाइनल गुरुवार को होगा। विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में नीरज चोपड़ा की भाला फेंक स्पर्धा, क्वालीफायर और फाइनल दोनों, भारत में लाइव स्ट्रीमिंग और लाइव टेलीकास्ट पर देखने के लिए उपलब्ध होंगे। टोक्यो 25 में नीरज चोपड़ा का पाकिस्तानी प्रतिद्वंद्वी अरशद नदीम से मुकाबला मुख्य आकर्षणों में से एक होगा।

क्या आप जानते हैं ?... टीम इंडिया एशिया कप की सबसे सफल टीम है। भारतीय टीम ने प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के खिताब पर आठ बार कब्जा जमाया है।

साउथ पवेलियन को लेकर एमएनआईटी सिविल इंजीनियरिंग विभाग का सनसनीखेज खुलासा

भविष्य में अगर साउथ पवेलियन में कभी कोई हादसा हुआ तो उसके लिए राजस्थान रॉयल्स प्रबंधन और उपाध्यक्ष राजीव खन्ना जिम्मेदार : प्रो. भारती

सिर्फ एक 'स्ट्रक्चर स्टेबिलिटी सर्टिफिकेट' के भरोसे 700 + लोगों की जिन्दगी दाव पर लगा दी राजस्थान रॉयल्स ने

स्पोर्ट्स काउंसिल से एमएनआईटी का कोई लेना-देना नहीं है

एमएनआईटी द्वारा सिर्फ सात मैचों के लिए अलग-अलग स्ट्रक्चर स्टेबिलिटी सर्टिफिकेट दिया गया था, एनओसी नहीं दी

जयपुर, 16 सितम्बर। एमएनआईटी सिविल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर एस डी भारती ने साउथ पवेलियन के निर्माण ओर सुरक्षा मानकों को लेकर खुलासा करते हुए बताया कि आईपीएल मैचों में जयपुर के एसएमएस स्टेडियम के साउथ पवेलियन में सीटिंग बढ़ाने को लेकर निर्माण कार्य किया था और एमएनआईटी विभाग में राजस्थान रॉयल्स प्रबंधन की ओर से राजीव खन्ना ने फीस जमा करा कर निर्माण कार्य की सुरक्षा मानकों को लेकर एमएनआईटी सिविल इंजीनियरिंग विभाग को कहा था। उस वक्त हमारी टीम ने साउथ पवेलियन का दौरा किया लेकिन उस निर्माण को देखकर मैने राजीव खन्ना को कहा था कि एनओसी देना तो दूर की बात है, मेरे ऑफिस में भी कदम मत रखना। इतना घटिया निर्माण मैने नहीं देखा था। साउथ पवेलियन के निर्माण में कई तरीके की खामियां नज़र आ रही थीं। लेकिन राजीव खन्ना ने पहले भी एमएनआईटी की सेवा ली हुई थी और क्रिकेट प्रेमियों की खातिर जयपुर में होने वाले आईपीएल मैचों को लेकर मैने कुछ शर्तें रखी कि साउथ पवेलियन में सीट बाय सीट दर्शक ही बैठ सकेंगे। उनके अलावा कोई खड़ा या बैठ कर मैच नहीं देख सकता है, साथ ही साउथ पवेलियन कितना वजन सहन कर सकता है उससे ज्यादा दर्शक नहीं आ सकते हैं। दूसरी शर्त यह थी कि एमएनआईटी द्वारा सिर्फ़ हर मैच का अलग अलग इवेंट स्ट्रक्चर स्टेबिलिटी सर्टिफिकेट दिया जाएगा, एनओसी नहीं दी जाएगी। एनओसी का नहीं देने का कारण बताते हुए प्रोफेसर एस डी भारती ने कहा कि एमएनआईटी द्वारा राजस्थान रॉयल्स प्रबंधन और उपाध्यक्ष राजीव खन्ना को अगर एनओसी सर्टिफिकेट दे दिया जाता ओर राजस्थान रॉयल्स प्रबंधन और उपाध्यक्ष राजीव खन्ना द्वारा साउथ पवेलियन पर बताए गए वजन से ज्यादा दर्शक बिठा दिए जाते, उसके बाद कोई हादसा हो जाता तो उस हादसे की सारी जिम्मेदारी एमएनआईटी सिविल इंजीनियरिंग विभाग के सिर पर फोड़ दी जाती। सरकार और हादसे में

घायल होने वाले खिलाड़ियों, दर्शकों के परिवार को जवाब तो एमएनआईटी को देना पड़ता। राजस्थान रॉयल्स प्रबंधन और उपाध्यक्ष राजीव खन्ना तो एमएनआईटी द्वारा एनओसी सर्टिफिकेट सरकार और मीडिया को दिखाते कि एमएनआईटी ने आईपीएल मैचों को लेकर निर्माण कार्यों को पूरी तरह से वैध बताया था तभी तो हमने मैचों का आयोजन किया था। राजस्थान रॉयल्स प्रबंधन और उपाध्यक्ष राजीव खन्ना ने साउथ पवेलियन में सीटिंग बढ़ाने को लेकर निर्माण कार्य किया वो घटिया था ही, साथ ही लोहे का स्ट्रक्चर बनाया था वो उससे भी अधिक खराब स्थिति में था। जब हमने लोहे के स्ट्रक्चर को देखा और जांच करी तो हमने पाया कि लोहे को आपस जोड़ने वाली वेल्डिंग भी जगह– जगह से टूटी ओर सही जुड़ी हुई नहीं थी। राजस्थान रॉयल्स प्रबंधन और उपाध्यक्ष राजीव खन्ना ने वेल्डिंग करने वाले कारीगर भी नौसीखिए लगा रखे थे। आखिर में मैने ही राजीव खन्ना के कहने पर दूसरा वेल्डर बुलवाकर वेल्डिंग सही तरीके से करवाई। साथ ही लोहे की प्लेट को मोड़कर वेल्डिंग किए गए जगह पर अलग से लगवाया ताकि लोहे के स्ट्रक्चर में मजबूती आए। भूकंप को मापने वाला मीटर लगाकर छत पर टेस्ट किया गया था जिससे यह पता चल सके कि मैच के दौरान अगर कोई भूकंप आया तो उससे साउथ पवेलियन में बैठे हुए दर्शकों के साथ साथ कैमरामैन, ऑफिस के कर्मचारी, कोच, खिलाड़ियों को किसी भी प्रकार का नुकसान या हादसा नहीं हो। यह एक अस्थाई निर्माण कार्य था जो कि इस समय भी तक साउथ पवेलियन से हटाया नहीं गया है, ताज्जुब कि बात है। ये कभी भी किसी होने वाले हादसे को न्योता दे सकता है। बरसात में पानी छत पर भरना और फोर्सिलिंग गिरना तो तय था क्योंकि लोहे के स्ट्रक्चर पर कोई टीन शेड्स या छत नहीं थी, साथ ही छत पर पानी निकासी का कोई भी इंतेज़ाम नहीं था। एमएनआईटी द्वारा हर मैच से पहले सुरक्षा मानकों को लेकर हर तरह से जांच करने के बाद ही हर मैच का स्ट्रक्चर स्टेबिलिटी सर्टिफिकेट दिया जाता था। क्रिकेट प्रेमी आईपीएल मैचों का आनंद लेने जाते थे लेकिन हमारी टीम हर मैच की सुरक्षा प्रणाली को पूरी तरह बताए हुए शर्तों को देखते थे। हमने तो कैमरामैन के साथ दो तीन लोगों से ज्यादा एक आदमी भी नहीं जाने ओर खड़ा रहने नहीं दिया था।

आईपीएल मैच खत्म हमारा काम खत्म

जयपुर, 16 सितम्बर। सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा हर मैच को लेकर निर्माण कार्यों को पूरी तरह से जांच करने के बाद ही सर्टिफिकेट दिया गया था लेकिन आईपीएल मैच खत्म हमारा काम खत्म। सात मैचों के बाद साउथ पवेलियन में क्या होता है क्या नहीं हमारा कोई लेना देना नहीं? साउथ पवेलियन कल का गिरता आज गिरे। इससे एमएनआईटी का कोई लेना देना नहीं है।

सहारा जिनसे था, वही अब खामोश हैं, कहते हैं- तेरा यहां कोई नहीं...

जयपुर, 16 सितम्बर। सहारा जिनसे था, वही अब खामोश हैं, कहते हैं– तेरा यहां कोई नहीं...। राजस्थान में कई कहावतें ऐसी बनी हुई हैं जो कि समय समय पर इंसान पर फिट बैठती हुई नज़र आती है।इस समय ये कहावत राजस्थान रॉयल्स प्रबंधन और उपाध्यक्ष राजीव खन्ना पर फिट बैठती है। राजस्थान रॉयल्स प्रबंधन और उपाध्यक्ष राजीव खन्ना ने साउथ पवेलियन में सीटिंग बढ़ाने को लेकर निर्माण कार्य करवाया था उसमें कई खामियां साफतौर पर दिखी जिसकी लीपापोती राजस्थान रॉयल्स की ओर से करवाई जा रही

है। इन सबके बीच एमएनआईटी के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर एस डी भारती एवं स्पोर्ट्स काउंसिल के चेयरमैन नीरज के पवन द्वारा अपने आप को बचाकर साफगोई से बच कर निकलने वाली गली ढूंढ़कर सारा घटनाक्रम का ठीकरा राजस्थान रॉयल्स प्रबंधन और उपाध्यक्ष राजीव खन्ना पर फोड़ दिया है। अब अगर भविष्य में कोई दुर्घटना या दर्शकों की जानमाल को नुकसान पहुंचा तो इसकी कीमत राजस्थान रॉयल्स प्रबंधन और उपाध्यक्ष राजीव खन्ना को चुकानी पड़ सकती है।

नीरज पवन ने पहले ही कहा था कि निर्माण करने वाले होंगे जिम्मेदार

नीरज कुमार पवन ने पहले ही कहा था कि राजस्थान रॉयल्स प्रबंधन द्वारा सवाई मानसिंह स्टेडियम में जो निर्माण कार्य किया जा रहा था। वहां सुरक्षा मानकों की अनदेखी की जा रही थी, वहां काम कर रहे लोगों ने सुरक्षा उपकरण तक नहीं पहन रखे थे। ऐसे में अगर किसी भी तरह का हादसा या दुर्घटना होती है तो निर्माण कार्य करने वाले लोग ही उसके लिए जिम्मेदार होंगे। वहां काम कर रहे लोगों को सुरक्षा मानकों की पालना के निर्देश दिए थे।

// यह है साउथ पवेलियन का मामला //

इंडियन प्रीमियर लीग के मुकाबले के दौरान राजस्थान रॉयल्स ने सवाई मानसिंह स्टेडियम के रिनोवेशन के लिए 9 करोड़ 85 लाख खर्च किए थे। इसमें लगभग 2 से 3 करोड़ रुपए का खर्चा साउथ ब्लॉक को फिर से तैयार करने के लिए किया गया था। 11 अप्रैल को ये पूरा हुआ था। रिनोवेशन के लिए जो राशि राजस्थान रॉयल्स ने खर्च की थी। खेल परिषद द्वारा उसका भुगतान राजस्थान रॉयल्स को किया जा चुका है। लेकिन स्टेडियम में साउथ ब्लॉक पहली बारिश ही नहीं झेल पाया है। जिससे सरकार के करोड़ों रुपए बर्बाद हो गए है। ग्राउंड फ्लोर पर बने हॉल और दोनों ड्रेसिंग रूम में डक्टिंग के माध्यम से पानी फर्श पर भर रहा है। फर्स्ट फ्लोर पर बने हॉल की फॉल सीलिंग गिर चुकी है। उस पर लगी सभी लाइट्स लटक

गई है। वुडन फ्लोरिंग भी पूरी तरह से खराब हो चुकी है। शेन वॉर्न गैलरी पर कैमरा पर्सन के लिए बने लोहे के स्ट्रक्चर पर पानी निकासी की कोई व्यवस्था नहीं है। शेन वॉर्न गैलरी का ड्रेनेज सही नहीं होने के कारण पानी का निकास व्यवस्थित नहीं है।

आरसीए द्वारा आयोजित अंडर-23 टूर्नामेंट में दौसा की टीम ने प्रतापगढ़ को हराया

दौसा, 16 सितम्बर। जिला क्रिकेट संघ दौसा के सचिव बृजकिशोर उपाध्याय ने बताया कि आरसीए द्वारा आयोजित अंडर 23 टूर्नामेंट में दौसा का दूसरा मुकाबला प्रतापगढ़ से था जिसमें दौसा की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 50 ओवर में 7 विकेट खोकर 269 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए प्रतापगढ़ की पूरी टीम 109 रनों पर 29.1 ओवर में ढेर हो गई। दौसा की ओर से देवकृत शर्मा ने शानदार शतकीय पारी खेलते हुए 147 बॉल पर 147 रन बनाए इसके अलावा लीलाधर मीणा ने 49 बॉल पर 42 रन बनाए दौसा की ओर से गेंदबाजी में विशाल सिंह राठौड़ ने 37 रन देकर चार विकेट, ध्रुव कुमार सेठी ने 24 रन देकर दो विकेट, प्रदीप कुमार सैनी ने 15 रन देकर 2 विकेट लिए। दौसा की टीम जीतने पर डीसीए के पदाधिकारियों रतन चंद एडवोकेट, शिवचरण शर्मा एडवोकेट, हीरा लाल सैन आदि ने बधाई दी। सचिव बृज किशोर उपाध्याय ने बताया कि दौसा की टीम का पहला मैच झुंझुनू से था जिसमें दौसा को हार मिली थी।

समीर गोरा के ऑलराउंड प्रदर्शन से जीती एनसीसी क्रिकेट अकादमी

जयपुर, 16 सितम्बर। अंडर-13 पिंकसिटी कप में एनसीसी क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 37 ओवर में 169 रन 10 विकेट के नुकसान पर बनाएं। समीर गोरा ने 73 और ओम चौरसिया ने 50 रनों का योगदान दिया। केबी रॉयल्स क्रिकेट अकादमी की ओर से मयंक और वंश ने तीन-तीन विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी केबी रॉयल्स क्रिकेट अकादमी 28 ओवर में 93 रन पर ऑल आउट हो गई। एनसीसी क्रिकेट अकादमी की ओर से रुद्र ने 4 और समीर गोरा ने तीन विकेट लिया। मैन ऑफ द मैच समीर गोरा को चुना गया।

देवेंद्र शेखावत क्रिकेट अकादमी जीती

अंडर-13 पिंकसिटी कप में देवेंद्र शेखावत क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 40 ओवर में 162 रन 8 विकेट के नुकसान पर बनाएं ! कौशलेंद्र ने 31, दिवित ने 25 और समर्थ ने 21 रनों का योगदान दिया। अरावली क्रिकेट अकादमी की ओर से लखन, रामनिवास और हर्षित ने दो-दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी अरावली क्रिकेट अकादमी 39.5 ओवर में 155 रन पर ऑल आउट हो गई। सूर्यांश ने 36, रामनिवास ने 31 और प्रखर गुप्ता ने 24 रनों का योगदान दिया। देवेंद्र शेखावत क्रिकेट अकादमी की ओर से जयदीप यादव, यशवर्धन सक्सेना और अभी राजपूत ने दो- दो विकेट लिया। मैन ऑफ द मैच कौशलेंद्र सिंह को चुना गया।

राज्य स्तरीय अंडर-23 क्रिकेट प्रति. हेतु करौली जिला टीम का चयन

जयपुर, 16 सितम्बर। राजस्थान क्रिकेट संघ के तत्वाधान में आयोजित राज्य स्तरीय अंडर 23 क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेने वाली करौली जिला क्रिकेट टीम का चयन राजस्थान सीनियर चयन कमेटी ने आज आरसीए अकादमी पर आयोजित ओपन चयन ट्रायल में खिलाडियों के प्रदर्शन के आधार पर किया। चयनित करौली जिला टीम :- हिमेश सिंह गुर्जर, गर्वित सरसवाल, अमित कुमार भारद्वाज, मो. गाजी खान, राजवीर मीना, आशू शर्मा, सचिन गुर्जर, नितिन सिंघल, विकास कुमार, अमन, सौरव सिंह, अंकित जाट, सुमित कुमावत, मो. जिशान, सिद्धीक खान, विक्की कोहली, पुलकित गुप्ता, मोहित नागर।

पीकेएल-12 : बंगाल वारियर्स ने यूपी योद्धाज को हराया

जयपुर, 16 सितंबर। बंगाल वारियर्स ने अपने हरफनमौला खेल की बदौलत सवाई मानसिंह इंडोर स्टेडियम में मंगलवार को प्रो खेले गए कबड्डी लीग के 12वें सीजन के 35वें मुकाबले में यूपी योद्धाज को 41-37 से हरा दिया। यह लगातार चार हार के बाद बंगाल की पहली जीत है जबकि यूपी को दो जीत के बाद लगातार चौथी हार मिली है। बंगाल को जीत की पटरी पर लाने का श्रेय देवांक (17) को जाता है। मनप्रीत (5) ने उनका अच्छा साथ दिया और डिफेंस में आशीष ने हाई-5 के साथ यूपी की कमर तोड़ दी। यूपी के लिए गगन गौड़ा ने सात और गुमान सिंह ने पांच अंक लिए। डिफेंस में हितेश और आशू ने चार-चार अंक लेकर शुरुआत में देवांक पर लगाम लगाया लेकिन बाद में वे आजाद हो गए। देवांक के खिलाफ सावधानी बरतते हुए यूपी की टीम ने चार मिनट की समाप्ति तक 3-2 की लीड ले रखी । इस बीच गुमान सेल्फ आउट हुए और इस तरह स्कोर 3-3 हो गया।

अंतर्राष्ट्रीय जिम्नास्टिक्स प्रतियोगिता में राजस्थान के शुभम का चयन

जयपुर, 16 सितम्बर। भारतीय जिम्नास्टिक महासंघ द्वारा काइरो मिश्र में दिनांक 18-21 सितम्बर 2025 तक आयोजित होने वाली अंतर्राष्ट्रीय जिम्नास्टिक्स प्रतियोगिता में भाग लेने वाले भारतीय दल में राजस्थान के शुभम कुमार का चयन किया गया है। सचिव, राजस्थान राज्य जिम्नास्टिक संघ, परमेश्वर प्रजापत ने बताया इस प्रतियोगिता में भारत से सात सदस्यीय दल भाग ले रहा है, जिसमें श्री शुभम कुमार को अवसर मिला है। शुभम कुमार इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए जोधपुर से रवाना हो कर मुंबई से भारतीय दल के साथ मिश्र के लिए प्रस्थान करेंगे। शुभम कुमार को जोधपुर रेलवे स्टेशन से शुभ कामनाओं के साथ विदाई दी गयी, इस अवसर पर शुभम कुमार के परिजनों सहित अंतर्राष्ट्रीय निर्णायक, विशाल मिश्रा, जिला जिम्नास्टिक्स संघ जोधपुर के उपाध्यक्ष अरुण शर्मा, परमेश्वर प्रजापत ने भारतीय जिम्नास्टिक महासंघ के पूर्व सचिव कान सिंह राठौड़, प्रशिक्षक भवानी सिंह व राजस्थान के जिम्नास्टिक परिवार की ओर से बधाई दी गयी एवं इस अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में मैडल प्राप्त कर राजस्थान को गौरवान्वित करने की आशा जताई गई।

अपोलो टायर्स बना भारतीय क्रिकेट टीम का नया प्रायोजक, 579 करोड़ में हासिल किये अधिकार

मुंबई, 16 सितम्बर। अपोलो टायर्स ने 579 करोड़ रुपये की शानदार बोली लगाकर त्रिकोणीय मुकाबले में जीत हासिल करते हुए भारतीय टीम के प्रायोजन अधिकार हासिल कर लिए हैं। यह प्रायोजन सौदा तीन साल का है और इसमें 121 द्विपक्षीय मैच और 21 आईसीसी मैच शामिल हैं।

100 से ज्यादा देशों में मौजूदगी वाली गुड़गांव स्थित इस टायर कंपनी ने कैनवा और जेके सीमेंट्स की चुनौतियों को मात दी, जिन्होंने क्रमशः 544 करोड़ रुपये और 477 करोड़ रुपये की बोली लगाई थी। यह सौदा प्रति मैच लगभग 4.77 करोड़ रुपये का बैठता है, हालांकि द्विपक्षीय और आईसीसी मैचों के बीच मूल्य अंतर को देखते हुए इसमें थोड़ा अंतर हो सकता है। क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा निर्धारित आधार मूल्य द्विपक्षीय मैचों के लिए 3.5 करोड़ रुपये और विश्व कप मैचों के लिए 1.5 करोड़ रुपये था। सभी रियल मनी गेमिंग कंपनियों पर प्रतिबंध लगाने वाले सरकारी आदेश द्वारा ड्रीम11 सौदे को रद्द करने के बाद बीसीसीआई को एक नए प्रायोजक के लिए निविदाएं जारी करनी पड़ीं। एशिया कप के करीब आने वाले सरकारी आदेश के साथ, बीसीसीआई को संयुक्त अरब अमीरात में चल रही महाद्वीपीय चैंपियनशिप में भारतीय टीम के लिए जर्सी प्रायोजक के बिना जाना पड़ा।

नए प्रायोजकों को पहला अंतरराष्ट्रीय लाभ 2 अक्टूबर से शुरू होने वाली वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की घरेलू श्रृंखला में मिलेगा, जिसके बाद ऑस्ट्रेलिया में एक सफेद गेंद की श्रृंखला होगी। हालांकि, इससे पहले, नए प्रायोजक का लोगो भारत ए और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की 50 ओवरों की श्रृंखला के दौरान प्रदर्शित किया जाएगा। समझा जाता है कि बीसीसीआई ने चयनकर्ताओं को भारत ए वनडे टीम का चयन जल्दी करने के लिए कहा है ताकि 30 सितंबर, 2 और 5 अक्टूबर को कानपुर में होने वाले मैचों के लिए जर्सी तैयार की जा सकें। तीनों मैचों के लिए भारत-ए टीम की घोषणा 14 सितंबर को की गई थी।

मंगलवार को मुंबई स्थित बीसीसीआई मुख्यालय में बोली प्रक्रिया में भाग लेने वाली कंपनियों के अलावा, उत्तर प्रदेश स्थित शंक एयर और दुबई स्थित ओमनीयत ने भी आईटीटी दस्तावेज खरीदकर रुचि दिखाई थी। हालांकि, वे बोली लगाने के लिए उपस्थित नहीं हुए। पता चला है कि मुंबई स्थित डब्ल्यूपीपी मीडिया ने अपोलो के मूल्यांकन और सफल बोली की देखरेख की थी। बोली लगाने से पहले, उद्योग बीसीसीआई की निविदा पर प्रतिक्रिया को लेकर संशय में था।

जयपुर और ऑल स्टार पोलो टीमें जीती

जयपुर, 16 सितम्बर। कैवेलरी पोलो ग्राउंड परखेले गए पोलोमैच ऑल स्टार पोलो टीम ओर मेफेयर पोलो टीम के बीच खेला गया जिसमें ऑल स्टार पोलो टीम ने मेफेयर पोलो टीम को 7 के मुकाबले 8 गोल से हराया। ऑल स्टार पोलो टीम की ओर से रघुराम हरि ने 1, मतिहास ने 2 ओर ध्रुवपाल गोदारा ने अपनी टीम के लिए 5 गोल किए। वहीं मेफेयर पोलो टीम की ओर से प्रणव कपूर ने 1, सवीर मेहराज ने 2ओर शमशीर अली ने 4 गोल किए। दूसरा मैच रामबाग पोलो ग्राउंड पर अरावली पोलो टीम ओर जयपुर टीम के बीच मैच खेला गया जिसमें जयपुर टीम ने अरावली पोलो टीम को 4के मुकाबले 7 गोल से हराया। अरावली पोलो टीम की ओर से जुआन मार्टिन ने 1, हुर्र अली ने 2 ओर कुलदीप सिंह ने 1 गोल किया। वहीं जयपुर टीम की ओर से महाराज पद्मनाभ सिंह ओर अंगद कलान ने 2- 2 गोल, लांस वाटसन ने 3 गोल कर अपनी टीम को जीताया।

MUNICIPAL BOARD, NATHDWARA DIST.- RAJSAMAND

S.No./M.B.Nath/NIT/Const./2025/ 11603 Date : 12-09-2025

Notice Inviting Bid

Bids for different works Nit No. 33/2025-26 of Municipal Board Nathdwara are invited from interested bidders up to date 23-09-2025 on 18:00 Hours. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state govt.

UBN No. – 1.- DLB2526WSOB18130

Raj.Samwad/C/25/10122 Commissioner Municipal Board Nathdwara

कार्यालय नगर परिषद्, बाड़मेर (राज.)

(सिटी कोतवाली के पास स्टेशन रोड गांधी चोक बाड़मेर, पिनकोड़–344001)
टेलीफोन :– 02982220098 ई–मेल mbbarmerraj@gmail.com

क्रमांक प. ( ) विद्युत /2025/4977 दिनांक 11.09.2025

ई–निविदा सूचना

नगर परिषद बाड़मेर में विभिन्न विद्युत कार्यो हेतु निविदा आमंत्रित की गई है। निविदा सम्बन्धी जानकारी व अन्य शर्ते परिषद कार्यालय एवं पोर्टल http://sppp.rajasthan.gov.in, www.eproc.rajasthan.gov.in पर UBN नं DLB2526WSOB18084 जरीये देखी जा सकती है।

राज.संवाद/सी/25/10175 आयुक्त, नगर परिषद, बाड़मेर

OFFICE MUNICIPAL COUNCIL CHOMU (JAIPUR)

Tel-01423-220036 e-mail:chomu.jaipur@yahoo.com

Sr. No. : NPC/2025/1805 Date : 15.09.2025

Notice Inviting Bid

Bids for "Driver/Operator Supply For Garbage Collection Work In Nagar Parisad Area Chomu" are invited interested bidders upto 06.00 PM on 15.09.2025 Dated. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state. Bid Value are 60 Lacs Annual.

NIB CODE : DLB2526A5933 & UBN NO. : DLB2526SLOB18288

Raj.Samwad/C/25/10190 COMMISSIONER

कार्यालय नगर परिषद्, जैसलमेर (राज.) 345001

क्रमांक/विकास/2025–26/4125 दिनांक :– 12.09.2025

निविदा सूचना संख्या 08/2025–26

NIB Code-DLB2526A5850

नगर परिषद् जैसलमेर की ओर से नगर परिषद् जैसलमेर में उपयुक्त श्रेणी व अन्य विभागों में ''ए'' व 'एए' श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से उपरोक्त कार्य हेतु ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। ई–निविदा से संबंधित कार्यो की विस्तृत जानकारी, निविदा की शर्तें आदि वेबसाईट http://eproc.rajasthan.in व http://sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है। उक्त कार्यो के यू.बी.एन. नं. DLB2526WSOB17934, 17937 है।

राज.संवाद/सी/25/10179 आयुक्त नगर परिषद् जैसलमेर

कार्यालय नगरपरिषद झालावाड़ (राज0)

क्रमांकः न0परि0झा0/राजस्व/2025/3583 दिनांकः 12.09.2025

–: ई–निविदा सूचना :–

NIB No. – DLB2526A5925
UBN No. DLB2526SLOB18275

नगरपरिषद झालावाड़ द्वारा वित्तीय वर्ष 2025–26 में संबंधित व्यवसायिको, आपूर्तिकर्ताओ एवं पंजीकृत ठेकेदारो से नगरीय क्षैत्र मे तहबजारी वसूली का कार्य हेतु ऑनलाईन निविदाये आमंत्रित की जाती हैं। निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेब साईट www.sppp.rajasthan.gov.in, www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है। निविदा फार्म ऑन लाईन दिनांक 17.09.2025 से 26.09.2025 को दोपहर 2.00 बजे तक अपलोड किये जा सकेंगे। ऑनलाईन निविदायें डीडी जमा कराने की तिथि 26.09.2025 को सांय 4.00 बजे तक रहेगी। तकनीकी बिड खोलने की दिनांक 29.09.2025 प्रातः 11.00 बजे खोली जावेगी। अन्य शर्ते कार्यालय में कार्यालय समय में देखी जा सकती है।

राज.संवाद/सी/25/10197 सभापति नगरपरिषद झालावाड आयुक्त नगरपरिषद झालावाड

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति (अनाज) भगत की कोठी, जोधपुर

पता : बासनी प्रथम फेस, भगत की कोठी, जोधपुर - 342005 (दूरभाष नम्बर - 0291-2721748)
Email ID : kums.bhagatkikothi@rajasthan.gov.in / Website : www.rsamb.rajasthan.gov.in

क्रमांक :- प( ) BKT/आवंटन/2025-26/राजकाज 17789104 दिनांक :- 15/09/2025

आवंटन सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय की विज्ञप्ति क्रमांक 377 दिनांक 06.07.2023 द्वारा मुख्य मण्डी प्रांगण भगत की कोठी, जोधपुर के अधिसूचित कृषि जिन्स व्यवसाय हेतु चिन्हित एवं रिक्त भूखण्ड तथा रिक्त दुकानो एवं गोदामों का आवंटन नीति, 2005 के बिन्दु संख्या– 7(1)(ए)(ए)(एए), 7(7), 7(अ), 7(8), 30, 35 एवं बिन्दु संख्या– 16(6), 18(1)(2), 38 के यथा समय संशोधनों के अन्तर्गत द्वितीय चरण में खुली लोटरी प्रक्रिया से आवंटन किये जाने हेतु आवंटन समिति की बैठक दिनांक 26.09.2025 को दिन के 02.00 बजे आयोजित की गई है, भूखण्डो एवं दुकानो/गोदामो के आवंटन की कार्यवाही जन समूह के बीच की जायेगी, इस कार्यक्रम में पारदर्शिता के लिए आप सभी व्यापारीगण एवं कृषक वर्ग के आवेदको एवं सर्व साधारण की उपस्थिति प्रार्थनीय है, सो सभी सूचित हो कर उपस्थित होवें।

राज.संवाद/सी/25/10164 सचिव

कार्यालय नगर पालिका छबडा जिला बारां (राज0)

E Mail ID-npchhabra5@gmail.com Phone No-07452-222025

क्रमांक ::– न0पा0छ0/2025/4282 दिनांक ::– 12.09.2025

–:: निविदा सूचना ::–

NIB CODE-DLB2526A5807

नगरपालिका छबडा द्वारा निम्न कार्य हेतू अनुमानित लागत 48.00 लाख रूपये से उपयुक्त श्रैणी में स्वायत शासन विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदको एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनो/डाक दूर संचार विभाग रेल्वे इत्यादी में पंजिकृत संवेदको जो कि राजस्थान सरकार के सक्षम श्रेणी में पंजीकृत है से ऑनलाईन निविदाये आमंत्रित की जाती है संवेदक ई–निविदा को पोर्टल www.sppp.rajasthan.gov.in पर देख सकते है एवं पोर्टल www.eprocument.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कर सकते है।

क्र.सं.	UBN NO
01	DLB2526WSOB17760

Sppp पोर्टल पर ऑनलाईन निविदा फार्म मिलने की दिनांक	12.09.2025 को साय 4.00 बजे से
ईप्रोक्योरमेंट पोर्टल पर निविदा प्रस्तुत करने की प्रारम्भ तिथि	12.09.2025 सांय 5 बजे से
ईप्रोक्योरमेंट पोर्टल पर निविदा प्रस्तुत करने की अन्तिम तिथि	24.09.2025 दोपहर 2 बजे तक
कार्यालय में दस्तावेज जमा कराने की तिथि	24.09.2025. सांय 4 बजे तक
ईप्रोक्योरमेंट पोर्टल पर प्राप्त तकनीकी बिड खोलने की तिथि	24.09.2025 सांय 5 बजे बाद

राज.संवाद/सी/25/10101 अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका छबडा

कार्यालय नगर परिषद,दौसा (राजस्थान)

क्रमांक : न.प.दौ./2025–26/3366 दिनांक 12.09.2025

ई–निविदा सूचना संख्या/2025–26

नगर परिषद दौसा द्वारा निम्न कार्य कराये जाने हेतु सेवाओं (सफाई) में इच्छुक एवं अनुभवी संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई–प्रोक्यूमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन दर संविदा हेतु निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। निविदा फार्म ऑनलाईन वेबसाईट http://www.sppp.rajasthan.nic.in/ से **Download/Upload** की जा सकती है :–

निविदा के कुल कार्यो की संख्या	निविदा प्रकाशन तिथि	निविदा Download/ Upload करने की अंतिम दिनांक एवं समय	प्रोसेसिंग शुल्क, निविदा शुल्क एवं धरोहर राशि भौतिक रूप में जमा कराने की दिनांक व समय	ऑनलाईन निविदा की बिड खोलने की दिनांक व समय	UBN No.
05	12.09.2025	22.09.2025 को 6:00 पीएम तक	23.09.2025 11:00 एएम तक	23.09.2025 दोपहर 2:00 बजे पश्चात्।	DLB2526SLRC17861, 17864, 17867, 17868, 17872

राज.संवाद/सी/25/10188 आयुक्त नगर परिषद, दौसा

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति ब्यावर

क्रमांक :- 984 - 90 दिनांक :- 15/09/2025

निविदा सूचना

कृषि उपज मण्डी समिति ब्यावर के मुख्य मण्डी प्रांगण एवं फल–सब्जी मण्डी यार्ड तथा कार्यालय के दैनिक राजकीय कार्यो तथा मण्डी सुविधाओ हेतु वितीय वर्ष 2025–26 अथवा 1 वर्ष के लिये ठेका पद्वति पर कार्य करवाये जाने के लिये निम्नांकित व्यवस्थाओ एवं कार्यो के लिये पंजीकृत संवेदको/ठेकेदारो से मोहरबंद निविदा आमंत्रित की जाती है :–

क्र. सं.	नाम ठेका /निविदा	अनुमानित व्यय (लाख रूपये में)	निविदा प्रपत्र शुल्क	धरोहर राशि	UBN NO.
01	सफाई व्यवस्था ठेका(फल–सब्जी व मुख्य मंडी अनाज यार्ड हेतु)	10.00	590/–	20,000/–	DAM2526WSRC000800
02	कम्प्यूटर हाईरिंग विद ऑपरेटर (अन्य संविदा व्यय)	9.00	590/–	18,000/–	DAM2526SSRC000801
03	प्रकाश व्यवस्था रखरखाव ठेका	1.00	590/–	2,000/–	DAM2526WSRC000802
04	वाहन सुविधा (खुली बोली)	0.50	....	1000/–	
05	जल व्यवस्था (खुली बोली)	0.20	....	400/–	

निविदा फार्म, निविदा प्रकाशित होने की तिथी से दिनांक 23.09.2025 तक को सांय 6.00 बजे तक प्राप्त किये जा सकते है एवं धरोहर राशि मय आवेदन/निविदा फार्म दिनांक 24.09.2025 को दोपहर 12.00बजे तक जमा करवायी जा सकेगी। निर्धारित समय तक निविदा/धरोहर राशि प्राप्त नहीं होने पर निविदा पर विचार नहीं किया जायेगा । निविदा दिनांक 24.09.2025 को दोपहर 1.00 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जावेगी । निविदा का प्रकाशन www.sppp.rajasthan.gov.in पर भी प्रकाशित की जा चुकी हैं । जिसका NIB CODE DAM2526A04838 है। अत : पोर्टल पर भी निविदा सम्बन्धित जानकारी यथा फार्म व शर्ते उपलब्ध हैं । जिन्हें डाउनलोड किया जा सकता हैं तथा डाउनलोड किये गये निविदा फार्म का शुल्क व सम्बन्धित निविदा की धरोहर राशि मण्डी कार्यालय में जमा करवाई जानी आवश्यक होगी । निविदा की कम संख्या 04 व 5 पर अंकित विवरणानुसार खुली निलामी द्वारा बोली दिनांक 24.09.2025 को शाम 05 बजे से लगाई जायेगी । इच्छुक बोलीदाता दिनांक 24.09.2025 दोपहर 12.00 बजे तक मय धरोहर राशि के साथ आवेदन प्रस्तुत करेगें । निर्धारित समय पश्चात आवेदन प्राप्त होने पर आवेदन पर विचार नही किया जायेगा। निविदा की शर्ते फार्म के साथ उपलब्ध होगी। निविदा स्वीकृत/अस्वीकृत/रद्द करने का अधिकार लोक उपापन समिति का होगा।

राज.संवाद/सी/25/10168 प्रशासक सचिव

'3200 मेगावाट कोल विद्युत परियोजना राजस्थान में लगेगी'

केन्द्र सरकार की एम्पावर्ड कमेटी ने इस प्लांट को स्थापित करने की अधिकृत मंजूरी दी

जयपुर, 16 सितम्बर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में राजस्थान ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की ओर निरंतर अग्रसर है। मुख्यमंत्री द्वारा लिए गए दूरदर्शी निर्णयों और विभिन्न कदमों के परिणामस्वरूप प्रदेश की ऊर्जा उत्पादन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इसी दिशा में मुख्यमंत्री का एक और प्रयास रंग लाया है। केन्द्र सरकार की एम्पावर्ड कमेटी ने राज्य में 3200 मेगावाट की कोल आधारित परियोजना को स्थापित करने की मंजूरी दे दी है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

■ मुख्यमंत्री भजनलाल ने केन्द्रीय ऊर्जा मंत्री से इस परियोजना के बारे में मुलाकात की थी। इसकी स्थापना से राज्य में लगभग 40 हजार करोड़ रूपये का निवेश होगा। राजस्व में वृद्धि के साथ रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

मुख्यमंत्री शर्मा ने राज्य में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा दीर्घकालिक ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के उद्देश्य से केन्द्रीय कोयला मंत्रालय से इस परियोजना के लिए कोल लिंकेज का आवंटन किया था। उन्होंने केन्द्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहरलाल के समक्ष इस परियोजना के राज्य में स्थापित होने से अपेक्षित प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष आर्थिक, सामाजिक व तकनीकी लाभों पर पुरजोर तरीके से पक्ष रखा था। मुख्यमंत्री के इन्हीं प्रयासों के फलस्वरूप केन्द्र सरकार की अधिकार प्राप्त समिति (एम्पावर्ड कमेटी) ने परियोजना को राजस्थान में ही स्थापित करने का निर्णय किया है। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार भविष्य की ऊर्जा मांग को पूरा करने के लिए बेस मांग पूर्ति हेतु कोयला आधारित परियोजनाओं के विकास पर भी विशेष ध्यान दे रही है। 3200 मेगावाट की कोल आधारित परियोजना की स्थापना से लगभग 40 हजार करोड़ का निवेश होगा, जिससे राज्य में राजस्व वृद्धि के साथ ही रोजगार के अवसरों का भी सृजन होगा।

राजेश्वर सिंह राज्य ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आई.ए.एस. राजेश्वर सिंह ने अपने करीब 35 वर्ष के सेवा काल में राजस्व मंडल अध्यक्ष, राजस्थान स्टेट रोड ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक के पद पर सराहनीय सेवाएं दी हैं। वे जयपुर, उदयपुर और भरतपुर के संभागीय आयुक्त भी रह चुके हैं। ग्रामीण विकास और पंचायतीराज विभाग तथा ट्राइबल एरिया डवलपमेंट में प्रमुख शासन सचिव तथा अतिरिक्त मुख्य सचिव के पद पर रहने के दौरान उनके कार्यों को काफी सराहना मिली। इससे पूर्व वे उपखंड अधिकारी माउंट आबू, जिला कलेक्टर जालौर व जयपुर भी रहे हैं। राजेश्वर सिंह मूल रूप से उत्तरप्रदेश के चन्दौली जनपद के निवासी हैं।

■ 1989 बैच के आईएएस अधिकारी राजेश्वर सिंह रेवेन्यू बोर्ड के चेयरमैन के पद से रिटायर हुए थे।

महेश जोशी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

याचिका को खारिज कर दिया था। यह मामला केन्द्र सरकार की हर घर नल पहुंचाने वाली जल जीवन मिशन योजना से जुड़ा है। साल 2021 में श्री श्याम ट्यूबवेल कंपनी और मेसर्स श्री गणपति ट्यूबवेल कंपनी के ठेकेदार पदमचंद जैन और महेश मित्तल ने फर्जी अनुभव प्रमाण पत्र दिखाकर जलदाय विभाग से करोड़ों रुपए के टेंडर हासिल किए थे। घोटाले का खुलासा होने पर एसीबी ने मामले की जांच की थी, बाद में ईडी ने मामला दर्ज कर मार्च, 2024 को महेश जोशी को समन जारी कर तलब किया था। वहीं गत अप्रैल माह में ईडी ने महेश जोशी को गिरफ्तार किया था।

पाकिस्तान के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शुरुआत में पाकिस्तान ने कहा था कि युद्धविराम से पहले, युद्धविराम का प्रस्ताव उसके डीजीएमओ ने भारतीय समकक्ष को दिया था, लेकिन बाद में इसका श्रेय वॉशिंगटन को दे दिया। अगस्त में मुनीर एक बार फिर वॉशिंगटन पहुँचे, जहाँ उन्होंने सेंटकॉम कमांडर जनरल माइकल ई. कुरिल्ला की विदाई और एडमिरल ब्रैड कूपर के पदभार ग्रहण समारोह से पहले कई बैठकें कीं। इसी दौरान उन्होंने चेयरमैन जॉइंट चीफ़्स ऑफ़ स्टाफ जनरल डैन कैन से भी मुलाक़ात की। हाल ही में पाकिस्तान ने अमेरिका से 500 मिलियन डॉलर का निवेश हासिल किया है, जो पाकिस्तान के अहम खनिज क्षेत्र में लगाया जाएगा।

सरिस्का में बाघिन नवजात शावक के साथ दिखी

वन विभाग ने दर्शनार्थियों को करणी माता मेले में मंदिर दर्शन तक सीमित रहने की सलाह दी

अलवर, 16 सितम्बर (निसं)। सरिस्का बाघ अभयारण्य के बफर जोन में अब फिर खुशी आई है। अलवर में करणी माता मंदिर के पास बाघिन एसटी-2302 एक ने शावक को जन्म दिया है। अब अलवर सरिस्का बफर जोन में बाघों की संख्या 49 हो गई है। वहीं, शहर के निकट बाला किला के जंगलों में इस बाघिन के विचरण करने से करणी माता के मेले में आने वाले भक्तों पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं, क्योंकि छोटे बच्चे के साथ होने से बाघिन कभी भी हिंसक रूप धारण कर सकती है। आगामी 22 सितंबर से नवरात्रा स्थापना हो रही है और नौ दिनों तक माता के मंदिरों में भक्तों की भीड़ रहती है। वहीं, अलवर के बाला किला स्थित करणी माता मंदिर में लाखों की संख्या में भक्त माता के दर्शनों को जाते हैं, ऐसे में वहां बाघिन का बच्चों के साथ विचरण करना खतरे से खाली नहीं है। सरिस्का के मुख्य वन संरक्षक संग्राम सिंह ने बताया कि कैमरा ट्रैप में बाघिन एसटी-2302 की लोकेशन करणी माता मंदिर की बावड़ी के पास आई है।

■ अलवर के पास बाला किला स्थित करणी माता मंदिर के पास के जंगल में 10 टाइगर्स की मौजूदगी दर्ज की गई है। शावक के जन्म के बाद सरिस्का में बाघों की संख्या 49 हो गई है।

इंगलैण्ड ने अपना पूरा पिटारा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सहयोग पर चर्चा होगी। लेकिन उसका आधार बनाने के लिए विंडसर कासल और उसके मैदानों में शाही ठाठ-बाट और भव्य प्रदर्शन दिखाया जा रहा है।

अमेरिकी राष्ट्रपति कासल ग्राउण्ड्स में लैण्ड कर रहे हैं, वहाँ पर ट्रंप घोड़ों से खींची जाने वाली राज्यगाड़ी में बैठेंगे। वहाँ तोपों की सलामी होगी और हॉर्स गार्ड उन्हें महल के प्रवेश द्वार तक ले जाएगा, जहाँ वेल्स के राजकुमार और राजकुमारी उनका स्वागत करेंगे। इस छोटी सी सवारी के दौरान, शाही बैंड "स्कॉटिश हाइलैंड लेडी" और अन्य धुनें बजाएँगे।

यह भव्य आयोजन ट्रंप की स्कॉटिश वंशावली को ध्यान में रखकर किया गया है। ट्रंप ने एक बार कहा था कि उनकी माँ महारानी एलिज़ाबेथ का राज्याभिषेक देखते हुए मंत्रमुग्ध हो गई थीं, जबकि उनके पिता ने बार-बार उनसे कार्यक्रम स्विच ऑफ करने को कहा था। तभी से ट्रंप अपनी माँ की तरह ब्रिटिश शाही परिवार और उनकी परंपराओं के प्रति आकर्षित रहे हैं।

राजपरिवार अपनी कला-संग्रह की कुछ वस्तुएँ भी दिखाएगा, जिनमें कई ऐसी हैं, जो औपनिवेशिक लूट के दौरान भारत और अन्य देशों से लाई गई थीं। कहा जाता है कि जब रॉबर्ट क्लाइव इंग्लैंड लौटा था तो उसने अपनी संपत्ति का जो प्रदर्शन किया था, उससे ब्रिटिश लॉर्ड्स चकित रह गए थे।

बाद में अपने महाभियोग के दौरान क्लाइव ने कहा था कि बंगाल के खज़ाने में जो असीम दौलत उसने देखी थी, उसकी तुलना में तो उसने लूटने में "बहुत संयम" बरता। उसके इस जवाब से लॉर्ड्स इतने प्रभावित हुए कि उसे उपाधि देकर "लॉर्ड रॉबर्ट क्लाइव ऑफ इंडिया" बना दिया गया। ऐसी कई दौलतें विंडसर कासल और अन्य जगहों पर शाही संग्रहालयों में पहुँचीं, जिन्हें कभी-कभी विदेशी मेहमानों को दिखाया जाता है। सालों पहले ट्रंप ने तत्कालीन राजकुमार चार्ल्स और राजकुमारी डायना की अपने गॉल्फ रिसॉर्ट "मार-ए-लागो" में मेज़बानी की थी। लेकिन चार्ल्स ने वहाँ रात बिताने के बजाय पास के घोड़े के फ़ार्म में रहना पसंद किया था, क्योंकि शाही परिवार को घोड़ों से विशेष लगाव है।

ट्रंप को घुड़सवारी का अवसर नहीं मिलेगा, जैसा कि एक पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति रॉनल्ड रीगन को महारानी एलिज़ाबेथ के साथ मिला था।

फिर भी, यह राष्ट्रपति दौरा बिगड़ भी सकता है। ब्रिटेन के अमेरिका में राजदूत लॉर्ड पीटर मैनडेलसन को अचानक बर्ख़ास्त कर दिया गया, क्योंकि उनका नाम कुख्यात एप्स्टीन के बाल यौन शोषण मामले से जोड़ा गया था। मैनडेलसन ने ही ट्रंप की दूसरी राजकीय यात्रा का प्रस्ताव रखा था।

यह बेहद शर्मनाक है कि एक राजदूत को अपमानित कर वापस बुला लिया गया, जबकि साबित हो चुका है कि राष्ट्रपति खुद भी एप्स्टीन से जुड़े रह चुके हैं। अगर इस दौरे के अंत में संयुक्त प्रेस वार्ता में एप्स्टीन मामले पर सवाल उठे, तो यह पूरे शाही स्वागत की चमक फीकी कर सकता है और ट्रंप को बिल्कुल अलग मूड में ला सकता है।

भारतीय वायुसेना ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जब संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित आतंकवादी मौलाना मसूद अज़हर ने कश्मीर में जिहाद का आ ान किया था। पिछले दो दशकों में यह संगठन भारत में अनेक आतंकी हमलों के लिए ज़िम्मेदार रहा है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तानी मीडिया में खबर आई कि मसूद अजहर ने स्वयं एक बयान जारी कर यह माना कि इस भारतीय अभियान में उसके परिवार के 10 सदस्य मारे गए।

मसूद अजहर वर्षों से छिपा हुआ है। पाकिस्तानी राजनेता बिलावल भुट्टो ज़रदारी ने दावा किया था कि इस्लामाबाद को उसके ठिकानों की कोई जानकारी नहीं है। जून में दिए एक इंटरव्यू में भुट्टो ज़रदारी ने कहा था कि अगर भारत यह जानकारी देता है कि वह पाकिस्तान की ज़मीन पर है, तो पाकिस्तान उसे "खुशी-खुशी" गिरफ्तार कर लेगा।

'जो भी भारत से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

"ऑपरेशन" में इस्लामाबाद की जीत का जश्न मनाने के लिए कराची में उस समय एक रैली निकाली थी, जब भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया था। अफरीदी ने भारत पर टिप्पणी करने वाले "विशेषज्ञ" के रुप में एक नया करियर बना लिया है। वे कभी भारतीय मीडिया पर आतंकवाद को "बॉलीवुड की कहानी" बनाने का आरोप लगाते हैं, तो कभी दुबई में पुराने छात्रों की बैठकों में बिना बुलाए पहुँचकर भीड़ के बीच "हो गया बूम बूम" बोलकर मुस्कुराते नज़र आते हैं। हर कुछ महीनों में, चाहे कश्मीर समर्थक रैली हो, भारतीय सैनिकों पर तंज कसना हो या फिर मध्य-पूर्व से कोई नया उदाहरण खींच लाना हो, अफरीदी दुनिया को याद दिला देते हैं कि वे अब भी मौजूद हैं, चाहे क्रिकेट ने उन्हें भुला दिया हो। अब, एशिया कप हैंडशेक विवाद की पृष्ठभूमि में, अफरीदी ने नया मैदान तलाश लिया है, राहुल गांधी।

सलुम्बर में दूषित ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

होने पर हरकत में आए विद्यालय प्रशासन ने बच्चों को चिकित्सालय पहुंचाया। इधर सूचना मिलने पर थानाधिकारी कूण निलेश ने मौके पर पहुंच कर उच्चाधिकारियों को घटना की जानकारी दी। इस पर लसाड़िया थानाधिकारी हर्षराज भी मौके पर पहुंचे। इसके अलावा, सलूम्बर कलक्टर अवेधश मीणा, एडीएम राजलक्ष्मी गहलोत, एसडीएम लसाड़िया धमेन्द्र वर्मा तथा रसद विभाग की टीम मौके पर पहुंची और सभी बीमार छात्रों को सीएचसी लसाड़िया में भर्ती करवाया है। अब उनकी हालत ठीक बताई जा रही है।

केन्द्रीय ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और अंत में तोमर के गढ़, मुरैना में जाकर कहा कि भाजपा पिछली विधानसभा में "सिर्फ आधी सीटें" जीत पाई। सबको पता था कि यह तीर किसकी तरफ़ छोड़ा गया है।

अब ताज़ा बैठक, जिसमें सिंधिया केन्द्र में रहे, सिलावट और तोमर ने उनका उत्साहवर्धन किया, में भरत सिंह कुशवाहा की गैरमौजूदगी ने साफ़ कर दिया कि भाजपा का गढ़ भीतर से हिल रहा है। सिंधिया खेमे को लगता है कि पार्टी में उन्हें वह आज़ादी नहीं मिल रही, जो कांग्रेस में थी, और उनके समर्थक अपनी नाराज़गी दिखा रहे हैं।

यह मामला अब सोशल मीडिया तक पहुँच गया है। भाजपा नेता आपस में भिड़ने लगे हैं, तोमर समर्थक सोनू मंगल और सिंधिया समर्थक दिनेश शर्मा के बीच ज़बानी जंग जारी है। ग्वालियर की राजनीति में यह विभाजन अब खुलकर भगवा खेमे को चीर रहा है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908